@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 12 फरवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 73 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चुनाव आयोग ने एनसीपी को संस्थापकों से छीनकर दूसरों को दिया: शरद पवार

मुंबई, 11 फरवरी। अजित पवार धड़े को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बताए जाने के चुनाव आयोग के बयान पर शरद पवार ने चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने पार्टी को उसके संस्थापकों से छीनकर दूसरों को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि यह इतिहास का पहला उदाहरण है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके गुट ने चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। शरद पवार ने आगे कहा कि आम लोगों के लिए किसी पार्टी के कार्यक्रम और विचारधारा अहम होती है, चुनाव चिन्ह तो सीमित समय के लिए ही उपयोगी रहता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता चुनाव आयोग के फैसले को न तो स्वीकार करेगी और न ही उसका समर्थन करेगी। गौरतलब है कि करीब 24 साल पहले शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की स्थापना की थी। जुलाई 2023 में महाराष्ट्र की सियासत में बड़ा उलटफेर हुआ, जब अजित पवार ने एनसीपी से बगावत कर दी। पार्टी में फूट के बाद एनसीपी पर अधिकार पर चाचा-भतीजे आमने-सामने आ गए। अजित पवार गुट ने चुनाव आयोग का रुख किया। वहीं, शरद पवार खेमे ने भी चुनाव आयोग में अपनी बात रखी। चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों के दस्तावेज जांचें और दलीलें सुनीं। चुनाव आयोग ने एनसीपी में विवाद का निपटारा किया और अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में फैसला सुनाया। अब एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न घड़ी अजित पवार के पास रहेगा।

कांग्रेस पाप के दलदल में फंसी: मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

झाबुआ, 11 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झाबुआ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां आदिवासी महाकुंभ में भाग लिया। पीएम मोदी ने इस दौरे के जरिए झाबुआ की सीमा से लगे राजस्थान और गुजरात के आदिवासियों को साधने का प्रयास किया। पीएम मोदी ने कहा- कांग्रेस में जो थोड़े-बहुत नेता बचे हैं, उनमें से कोई जिम्मेदारी नहीं उठाना चाहता है। सुना है कि मध्यप्रदेश कांग्रेस में इन दिनों भगदड़ मची हुई है। कांग्रेस अपने पापों के दलदल में फंस चुकी है, वो जितना निकलने की कोशिश करेगी, उतना और धंसेगी। मोदी ने कहा- कांग्रेस और उसके दोस्तों की दो ही ताकत हैं, एक जब कांग्रेस सत्ता में रहती है तो यह लूटने का काम करती है और जब सत्ता के बाहर होती है तो लड़ाने का काम करती है। लूट और फूट कांग्रेस की ऑक्सीजन है। पीएम मोदी ने कहा कि जनजातीय समाज हमारे लिए वोटबैंक नहीं है, यह देश का गौरव है। आपके बच्चों के सपने मोदी का संकल्प है और आपका सम्मान और विकास मोदी की गारंटी है। मोदी ने- जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब गांव-गांव मेंजाकर कहता था कि मुझे भिक्षा में वचन दो कि आप अपनी बेटी को पढ़ाओगे। 40-45 डिग्री तापमान में मैं झाबुआ के बगल में दाहोद के जंगल में छोटे गांवों में जाकर बेटियों की अंगुली पकड़कर स्कूल ले जाने का काम करता था। सभा के

दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी समाज के लोगों का कभी विकास नहीं किया। कांग्रेस का सिर्फ एक ही काम है- नफरत, नफरत और नफरत। 2023 में कांग्रेस की छुट्टी हुई है अब 2024 में इसका सफाया तय है। पीएम मोदी ने कहा कि इस बार अकेला कमल का निशान 370 पार करेगा। यह लाओगे कैसे? मैं आपको एक जड़ी बूटी देता हूं। पिछले तीन चुनाव में अपने-अपने पोलिंग बूथ का हिसाब निकालो और इस बार पिछली बार से 370 वोट ज्यादा लाओ। यानी, इस बार हर पोलिंग बूथ पर 370 नए वोट जुड़ने चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास को लेकर कहा कि यह सब डबल इंजन की सरकार के कारण हो रहा है। डबल इंजन की सरकार तेजी से विकास कार्य कर रही है। पीएम ने कहा- मोदी यहां लोकसभा चुनाव का प्रचार करने नहीं आया है, वो यहां की जनता का विधानसभा चुनाव में जीत के लिए आभार जातने आया है। उन्होंने कहा- मप्र यहां की जनता ने पहले ही बता दिया है कि उसका मूड क्या है। मोदी ने कहा- मप्र की जतना के जितना भरोसा हम पर जताया है, हम प्रदेश के विकास के लिए उतनी ही मेहनत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभा को संबोधित किया। भारत माता की जय जयकार और राम राम के साथ उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने झाबुआ की धरती की और सभा में आए लोगों को नमन किया। पीएम मोदी ने कहा कि आप सबको देखकर मन में वैसी ही खुशी हो रही है, जैसे अपने परिजनों से मिलकर होती है।

कोई आया तो ठीक, न आया तो ठीक... हम अकेले लड़ेंगे: खरगे

चंडीगढ़, 11 फरवरी। पंजाब के खन्ना में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान ने शनिवार को पंजाब की 13 और चंडीगढ़ लोकसभा सीट पर अकेले चुनाव लड़ने का एलान किया। अब एक दिन बाद लुधियाना जिले के समराला में रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी अकेले दम पर चुनाव लड़ने की बात कह दी। यह पहली बार है जब कांग्रेस हाईकमान ने आप के साथ गठबंधन के बीच पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने की बात कही। हालांकि पंजाब कांग्रेस के कई नेता आप के साथ गठबंधन नहीं करने की बात हाईकमान तक पहुंचा चुके हैं। उनका मानना है कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को ही इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी सरकार को हराने की खातिर इंडिया गठबंधन तैयार हो रहा है। कहीं पर गठबंधन ठीक है। कहीं पर मिलाप नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि यह समझ कर चलो की हमको लड़ना है। अकेले ही लड़ना है। आखिरी तक लड़ना है और विजय हासिल करना है। कोई आया तो ठीक, नहीं आया तो ठीक है। हमने यह फैसला पूरे देश में लिया है। केवल पंजाब की बात नहीं है। आपको मजबूती से लड़ना है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस कार्यकताओं को जीतना है तो मैदान में उतरना होगा। लोगों से मिलना होगा। उनकी गलतफहमी को दूर करना होगा। उन्होंने पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से कहा कि बैठक होती रहेंगी।

हमारी सरकार ने कराया अयोध्या, मथुरा और वाराणसी का विकास: अखिलेश यादव

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 11 फरवरी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी विकास की राजनीति करती है। समाजवादी सरकारों ने प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास किया। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, नौकरी रोजगार को बढ़ाने का काम किया। उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी। शहरों और गांवों को खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ाया। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि समाजवादी सरकार में किए गए कामों से यूपी की पहचान पूरी दुनिया में हुई। जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, तब से यूपी का विकास मानो खो गया। भाजपा ने विकास कार्यों को बर्बाद कर दिया। भाजपा ने यूपी को पीछे ढकेल दिया। आज यूपी की चर्चा विकास के बजाय बढ़ते अपराधों, उत्पीड़न, चरम पर पहुंची महंगाई, बेरोजगारी और अन्य वजहों से हो रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में अयोध्या में अंडरग्राउंड बिजली केबिल बिछाने के साथ मेडिकल कॉलेज निर्माण, अयोध्या व फैजाबाद में 300 इंटरलॉकिंग सड़कों के निर्माण

के साथ लोहिया योजना के तहत समग्र गांवो का विकास किया गया। समाजवादी सरकार ने ही अयोध्या में भजन स्थल का निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि परिक्रमा पथ के किनारे पौराणिक वृक्ष लगाए गए। घाटों पर चेंज रूम के निर्माण के साथ प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों का सुंदरीकरण किया गया। अयोध्या में संत नृत्य गोपाल दास के मठ के सामने बड़ी सीसी रोड का निर्माण कराया गया। मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का भी विकास कराया गया। वृंदावन को ए ग्रेड की नगर पालिका बनाया गया। गोवर्धन विधानसभा में तहसील बनी। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में वाराणसी में वरुणा नदी पर कई पुलों का निर्माण हुआ। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा का एक ही काम है समाजवादी सरकार के कामों को अपना बताना और समाजवादी निर्माण कार्यों को अपने नेताओं का नाम देना। आने वाले चुनाव में आम मतदाता भाजपा को सबक सिखाएगी।

तमिलनाडु में भाजपा और एआईएडीएमके में ठनी

चेन्नई, 11 फरवरी। तमिलनाडु में एक समय दोस्त रहीं भाजपा और एआईएडीएमके इन दिनों एक दूसरे के खिलाफ मुखर हैं और एक दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अन्नामलाई इन दिनों पूरे राज्य में पदयात्रा निकाल रहे हैं। अन्नामलाई की पदयात्रा को जिस तरह से समर्थन मिल रहा है, उससे एआईएडीएमके खासी परेशान है। यही वजह है कि एआईएडीएमके द्वारा अन्नामलाई पर सीधा हमला बोला जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति में जहां भाजपा और एआईएडीएमके एक दूसरे से भिड़ रही हैं, वहीं सत्ताधारी डीएमके आसान स्थिति में है। डीएमके की अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत हो रही है। साथ ही डीएमके ने अपने चुनावी घोषणा पत्र पर भी काम शुरू कर दिया है। वहीं भाजपा और एआईएडीएमके अभी अपने गठबंधन के सहयोगी तलाशने में ही जुटे हैं। अन्नामलाई के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने और एआईएडीएमके की कमान ई पलानीस्वामी के हाथ में जाने के बाद से दोनों पार्टियों के रिश्तों में दरार आनी शुरू हुई। भाजपा पलानीस्वामी को ज्यादा पसंद नहीं करती है क्योंकि पलानीस्वामी राज्य के अल्पसंख्यकों के वोट पाने के लिए समान नागरिक संहिता समेत केंद्र के कई फैसलों का विरोध कर रहे हैं। भाजपा एआईएडीएमके में पूर्व सीएम ओ पनीरसेल्वम को ज्यादा पसंद करती है, लेकिन पनीरसेल्वम फिलहाल खुद मुश्किलों में घिरे हैं। एआईएडीएमके की भाजपा से नाराजगी की एक वजह ये भी है कि हाल के समय में उसके करीब 12 नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। इनमें कई पूर्व विधायक और सांसद भी शामिल हैं। साथ ही डीएमके, कांग्रेस और डीएमडीके के एक-एक पूर्व विधायक भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री डी जयकुमार ने इसे लेकर अन्नामलाई और भाजपा पर तंज भी कसा था और कहा था कि अब राज्यपाल अन्नामलाई को पूर्व विधायकों के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे।

आज परिवार संग रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएंगे अरविंद केजरीवाल

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 11 फरवरी। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपने परिवार के सदस्यों और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ कल 12 फरवरी को रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएंगे। केजरीवाल ने पहले ही कहा था कि मैं अपने परिवार के साथ अयोध्या भगवान राम के दर्शन करने जाऊंगा। 22 जनवरी को आयोजित हुए रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले केजरीवाल ने को कहा था कि वह अयोध्या जाना चाहते हैं, लेकिन उन्हें राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के आयोजकों ने वादे के बावजूद व्यक्तिगत तौर पर निमंत्रण नहीं दिया है और पत्र में लिखा कि अयोध्या में बहुत ज्यादा वीआईपी और वीवीआईपी आएंगे। इसलिए सुरक्षा को मद्देनजर इस समय एक ही व्यक्ति के आने की अनुमति है। मुख्यमंत्री

ने कहा कि था उनके माता-पिता की रामलला के दर्शन करने की बहुत इच्छा है। लिहाजा वह अयोध्या सपरिवार जाना चाहते है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में 22 जनवरी को अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। प्राण प्रतिष्ठा का हिस्सा का बनने के लिए देश के कोने-कोने से साधू-संत पहुंचे थे। समारोह में शामिल होने के लिए बॉलीवुड से लेकर खेल और राजनीति से जुड़ी कई बड़ी हस्तियां पहुंची थीं।

तमिलनाडु के 21 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 11 फरवरी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने तमिलनाडु के 21 ठिकानों पर छापेमारी की। 2022 के कोयंबटूर कार बम धमाका मामले में जांच कर रही एनआईए की टीम एक साथ सभी ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची। प्रतिबंधित आतंकी संगठन-इस्लामिक स्टेट से जुड़े इन कार बम धमाकों के मामले में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के साथ-साथ आतंकी संगठन में भर्ती करने का मामला भी सामने आया है। एनआईए इस पहलू पर भी जांच कर रही है। 21 ठिकानों पर रेड के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। रविवार को जारी बयान के मुताबिक एनआईए की टीम ने तमिलनाडु आईएसआईएस में भर्ती और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया। अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी के दौरान राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए। कई आपत्तिजनक दस्तावेज और सामान भी जब्त किए गए हैं। एनआईए की टीम ने 21 ठिकानों पर रेड के दौरान आईएसआईएस से लिंक वाले 6 लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन, 34 सिम कार्ड, छह एसडी कार्ड और तीन हार्ड डिस्क जब्त किए हैं। साइबर विशेषज्ञों की टीम इन उपकरणों की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र कैबिनेट के मंत्री जल्द करेंगे अयोध्या का दौरा: फडणवीस

मुंबई, 11 फरवरी। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पुणे में गीता भक्ति अमृत महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बताया कि राज्य कैबिनेट के मंत्री जल्द ही उत्तर प्रदेश के अयोध्या का दौरा करेंगे। फडणवीस ने इसे लेकर ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की है। बता दें कि 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ था। काशी और मथुरा में मंदिर विवादों पर सवाल पूछने पर फडणवीस ने कहा, जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करवाया है, उसी तरह कानून के अंतर्गत इसके लिए भी समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मथुरा, काशी और अयोध्या सभी पवित्र स्थल है। राम मंदिर के निर्माण के बाद लोगों के मन में मथुरा में भी विवाद के समाधान की उम्मीद होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि जैसे पीएम मोदी के प्रयासों से राम मंदिर का निर्माण हुआ है, वैसे ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए भी कोई समाधान जरूर निकाला जाएगा। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने आगे कहा, काशी विश्वनाथ में नया कॉरिडोर बनाया गया है और वहां पूजा करने की इजाजत भी दे दी गई है। फिलहाल वहां अनुकूल महौल देखने को मिल रहा है। आसान शब्दों में कहें तो ये सभी चीजें कानून के मुताबिक हो रही है। हिंदूवादियों का कहना है कि मथुरा में शाही ईदगाह उस स्थान पर बनाया गया है जहां भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। बता दें कि मस्जिद के बगल में एक कृष्ण मंदिर है। हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की एक रिपोर्ट में बताया गया कि ज्ञानवापी मस्जिद वाराणसी (काशी) का निर्माण औरंगजेब के शासन के दौरान वहां एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद किया गया था।

इलाज के लिए जादू-टोने को लेकर असम सरकार हुई सख्त: हिमंत विश्व सरमा

सौरभ शर्मा

गंगटोक, 11 फरवरी। असम सरकार इलाज के नाम पर किए जाने वाले जादू-टोने को लेकर सख्त हो गई है। सरकार ने उपचार के नाम पर 'जादुई उपचार' की प्रथाओं को प्रतिबंधित करने का फैसला लिया है। उसने इस तरह के उपचार को समाप्त करने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक में ऐसे उपचारकर्ताओं के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। बता दें, यह निर्णय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक में लिए गए निर्णयों को साझा करते हुए सरमा ने कहा कि कैबिनेट ने एक समर्पित सतत विकास कार्यक्रम के लिए 10 शहरों/कस्बों का भी चयन किया और राज्य नगरपालिका कैडर में सुधार लाने का प्रस्ताव रखा। वहीं, मंत्रिपरिषद ने 'असम उपचार (बुराइयों की रोकथाम) प्रथा विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी। इस विधेयक का उद्देश्य बहरापन, गूंगापन, अंधापन, शारीरिक विकृति और ऑटिज्म जैसी कुछ जन्मजात बीमारियों के इलाज के नाम पर जादुई उपचार की प्रथाओं को प्रतिबंधित करना और समाप्त करना है। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, जादूई उपचार पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाएगा। इलाज के नाम पर गरीब और दलित लोगों से जबरन वसूली करने वाले चिकित्सकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सतत शहरी

विकास के लिए 10 शहरों के विकास (दो शहर-एक रूपायन) की अवधारणा शुरू की जाएगी। इसके कार्यान्वयन की निगरानी और समीक्षा राज्य स्तरीय संचालन समिति द्वारा की जाएगी। इसके अलावा, कैबिनेट ने असम नगरपालिका अधिनियम 1956 में संशोधन को मंजूरी दी, जिसके माध्यम से तीन राज्य नगरपालिका कैडरों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को परिभाषित किया जाएगा। वहीं, इसने वीडीओ में सुधार के लिए असम ग्राम रक्षा संगठन (संशोधन) विधेयक, 2024 को भी मंजूरी दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को कहा कि राज्य में किसी भी मंत्री, अधिकारी या सरकारी कर्मचारी को सब्सिडी वाली बिजली नहीं दी जाएगी। उन्होंने बिजली विभाग को मिनिस्ट्रियल कॉलोनी में आवासों सहित सरकारी क्वार्टरों में प्रीपेड मीटर लगाने के निर्देश दिए हैं। शर्मा ने कहा कि उन्हें हाल ही में एक बातचीत के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा सूचित किया गया था कि मासिक बिजली बिल के खाते में बहुत मामूली राशि मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन से काट ली जाती है। उन्होंने कहा, मैंने विभाग को निर्देश दिया कि मंत्री कॉलोनी में आवासों सहित हर सरकारी क्वार्टर में व्यक्तिगत प्रीपेड मीटर लगाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मंत्रियों, अधिकारियों या सरकारी कर्मचारियों को सब्सिडी वाली बिजली का लाभ न मिले।

हम शिवाजी महाराज से जुड़े हैं, मुगल से नहीं: योगी आदित्यनाथ

मुंबई, 11 फरवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराष्ट्र के पुणे में रविवार को गीता भक्ति अमृत महोत्सव में शामिल हुए। इस महोत्सव का हिस्सा बनकर उन्होंने कहा कि भक्ति और शक्ति के संगम से 500 साल की गुलामी की गाथा को

तोड़कर आयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। योगी आदित्यनाथ ने इसी के साथ मुगल सम्राट औरंगजेब को चुनौती देने के लिए मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की भी सराहना की। बता दें कि इस साल 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भव्य तरीके से आयोजित किया गया था। आदित्यनाथ ने कहा, आज शक्ति और भक्ति दोनों एकसाथ मिल गए। उन्होंने आगे कहा, भक्ति और शक्ति के संगम से 500 वर्षों की गुलामी की गाथा को तोड़कर अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। हमें इस भव्य कार्यक्रम को देखने का मौका मिला। सीएम आदित्यनाथ ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग भाग्यशाली हैं क्योंकि उन्हें सदियों से संतों का आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने बताया कि समर्थ रामदास ने इसी धरती से छत्रपति शिवाजी महाराज को पैदा किया था, जिन्होंने मुगल बादशाह औरंगजेब को चुनौती दी थी और उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया था। जिसकी आज तक किसी ने चिंता नहीं की। आदित्यनाथ ने आगे कहा कि हम महाराज छत्रपति शिवाजी के रूप में भक्ति और शक्ति का मिश्रण देख सकते हैं। जब वे उत्तर प्रदेश के सीएम बने तो वह पहले आगरा गए। उन्होंने कहा, वहां एक मुगल संग्राहलय बन रहा था। मैंने कहा कि इस संग्रहालय का नाम छत्रपति शिवाजी होना चाहिए, क्योंकि हम उनसे जुड़े हैं मुगलों से नहीं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की है और यह भी छत्रपति शिवाजी महाराज को ही समर्पित है।

प्रियंका के सलाहकार प्रमोद कृष्णम को कांग्रेस से निकाला

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 11 फरवरी। प्रियंका गांधी के राजनीतिक सलाहकार आचार्य प्रमोद कृष्णम को कांग्रेस पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रमोद कृष्णम को पार्टी से निकालने का पत्र जारी करते हुए उन पर अनुशासनहीनता और पार्टी के खिलाफ बयानबाजी करने का आरोप लगाया है। हालांकि, माना जा रहा है कि आचार्य प्रमोद कृष्णम कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल होने की जुगत भिड़ा रहे हैं। 19 फरवरी को कल्कि धाम में होने वाले शिलान्यास के लिए भी उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई भाजपा नेताओं को आमंत्रित किया है, जबकि इसी कार्यक्रम के लिए उन्होंने कांग्रेस नेताओं को नहीं बुलाया। इसे उनकी राजनीतिक पैंतरेबाजी के रूप में देखा जा रहा है। संभवत: यही कारण है कि कांग्रेस ने समय रहते उन्हें पार्टी से निकालने का संदेश दिया है। भाजपा में जाने के पीछे उनकी राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा बताई जाती है। कहा जा रहा है कि वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की संभल या किसी आसपास की सीट से चुनाव में उतर सकते हैं। हालांकि, अभी तक न तो भाजपा की तरफ से इस तरह का कोई बयान आया है, और न ही आचार्य प्रमोद कृष्णम ने ऐसी कोई बात कही है। लेकिन माना जा रहा है कि भाजपा उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की किसी सीट से मैदान में उतार सकती है। आचार्य प्रमोद कृष्णम कांग्रेस के बहुत बड़े चेहरे भले न रहे हों, लेकिन एक हिंदू धर्म गुरु के कारण उनकी काफी प्रतिष्ठा है। वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक हिस्से को प्रभावित करते हैं। चूंकि, भाजपा इस बार किसी भी कीमत पर उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतकर एक रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रही है, जयंत चौधरी और आचार्य प्रमोद कृष्णम जैसे नेता उसकी इन कोशिशों को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में उन्होंने राजनाथ सिंह के खिलाफ लखनऊ से चुनाव भी लड़ा था। वे तीसरे स्थान पर रहे थे और करीब 1.80 लाख वोट हासिल किया था। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार पूनम सिन्हा के होने के बाद भी इतना वोट हासिल कर पाना कांग्रेस के साथ-साथ आचार्य प्रमोद कृष्णम के लिए भी बड़ी उपलब्धि

थी। इसलिए उनके राजनीतिक महत्त्व को खारिज नहीं किया जा सकता। आचार्य प्रमोद कृष्णम को कांग्रेस में प्रियंका गांधी का समर्थक माना जाता है। कुछ लोग मानते हैं कि कांग्रेस में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बीच राजनीतिक रस्साकशी है। कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेता आपसी तनातनी को हमेशा खारिज करते रहे हैं, लेकिन माना जाता है कि सोनिया गांधी के इशारे पर राहुल गांधी को कांग्रेस में प्रमोट किया जाता है, जबकि प्रियंका गांधी को ज्यादा असरदार होने के बाद भी पीछे रखा जाता है। माना जाता है कि प्रियंका की कांग्रेस में इसी कमजोरी के कारण आचार्य प्रमोद कृष्णम पार्टी में ज्यादा सफल नहीं हो पाए। उन्होंने कभी सीधे तौर पर गांधी परिवार पर हमला नहीं किया, लेकिन पार्टी के कई नीतिगत फैसलों पर कड़ा प्रहार करते रहे। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेताओं के न शामिल होने पर उन्होंने कड़ा हमला किया था और इसे राम विरोधी और जनता विरोधी कदम करार दिया था। कृष्णम ने हमेशा यह आरोप लगाया कि कांग्रेस और राहुल गांधी के आसपास कुछ ऐसे लोग इकट्ठे हो गए हैं जो हिंदुत्व के खिलाफ बोलने को ही राजनीति समझते हैं।

टेकऑफ से पहले खोल दिया विमान का दरवाजा, टूरिस्ट की हरकत से हड़कंप; वकील का अजीब दावा

बैंकॉक. थाइलैंड के चियांग माई एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। एक कनाडाई टूरिस्ट ने टेकऑफ से पहले विमान का इमरजेंसी एग्जिट डोर खोल दिया। इसके चलते वहां पर हड़कंप मच गया और फ्लाइट की उड़ान में भी देरी हुई। घटना बुधवार रात की बताई जा रही है। कनाडाई यात्री को स्थानीय पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। वहीं, यात्री के वकील ने इसको लेकर अजीब दावा किया है। वकील का कहना है कि जब इस यात्री ने दरवाजा खोला तो वह मतिभ्रम का शिकार हो गया था।टूरिस्ट के वकील, जिरावत यार्नकियातपकडी ने स्थानीय प्रसारक थापीबीएस को बताया कि उसने स्वीकार किया कि उसने दरवाजा खोला। इसके पीछे उसने वजह बताई कि लोग उसके पीछे आ रहे थे। उसके व्यवहार से ऐसा लग रहा है कि वह मतिभ्रम का शिकार हो गया था।

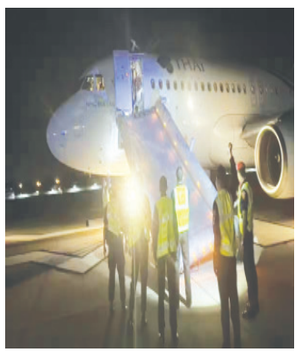

वहीं, चिआंग माई एयरपोर्ट के निदेशक रोनाकोर्न चालेर्मसेनयाकोर्न ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहाकि टेक्नीशियंस द्वारा सुरक्षा जांच किए जाने के बाद विमान टर्मिनल पर लौट आया। इसके बाद विमान ने उड़ान भरी। एयरपोर्ट निदेशक ने बताया कि इस घटना के चलते एक दर्जन फ्लाइट्स पर असर पड़ेगा।

एक यात्री अनन्या तियांगटे ने बताया कि जैसे ही व्यक्ति ने विमान का इमरजेंसी एग्जिट गेट खोला, अंदर अफरा-तफरी मच गई। उसने कहाकि सोचकर ही डर लगता है कि अगर हम समुद्र तल से 30 हजार फीट की ऊंचाई पर होते तो क्या होता? पिछले महीने मेक्सिको में एक व्यक्ति को विमान का आपातकालीन दरवाजा खोलकर विंग पर चलने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

राफा में इजरायल का कहर, हवाई हमलों में दर्जनों बच्चों समेत मारे गए 44; जमीनी हमले की चेतावनी

राफा. इजरायल ने शनिवार को गाजा सिटी के राफा में फिर कहर बरपाया। इजरायल की तरफ से किए गए हवाई हमलों में 44 फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें एक दर्जन से ज्यादा बच्चे हैं। यह हमला इजरायली प्रधानमंत्री के उस बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सेना को निर्देश दिए गए हैं कि जमीनी हमले से पहले वहां फंसे सैकड़ों हजार लोगों को निकाल लिया जाए। बेंजामिन नेतन्याहू ने इसके लिए कोई तय समय नहीं बताया था, लेकिन इस घोषणा से घबराहट थी। गाजा के पचीसों लाख लोगों में से आधे से अधिक राफा में फंसे हुए हैं। इजरायल द्वारा जगह को खाली किए जाने के आदेश के बाद यह हाल है। अब उन्हें यह नहीं समझ आ रहा है कि वह जाएं तो कहां जाएं। इजरायल का कहना है कि मिस्र की सीमा से लगा राफा गाजा में हमास आतंकी समूह का आखिरी गढ़ है। सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद इस युद्ध को चार महीने से अधिक हो चुका है। उधर मिस्र के विदेश मंत्री सामेह शौकरी ने कहा कि राफा पर अगर जमीनी हमला हुआ तो इसके परिणाम बेहद खतरनाक होंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इजरायल का मकसद फिलिस्तीनियों को उनकी जमीन से बेदखल करना है। एक अन्य मध्यस्थ कतर ने भी इसको लेकर चेतावनी जारी की है। वहीं, सऊदी अरब ने भी इजरायल को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है।

गौरतलब है कि इजरायल आए दिन राफा पर हवाई हमले कर रहा है। शनिवार को ही इसी तरह के हुए तीन अन्य हमलों में राफा में 28 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। इसमें तीन परिवारों के कई सदस्य मारे गए, जिनमें कुल 10 बच्चे शामिल थे, जिनमें सबसे कम उम्र बच्चे महज 3 महीने के थे। ऐसे ही एक हमले में मृतक के शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गए। फदल अल गनम ने बताया कि उसने अपना बेटा, बहू और चार पोतों को खो दिया है। उसे डर है कि जमीनी हमले होने के बाद हालात और बदतर हो जाएंगे। फदल ने कहाकि इजरायल कहर बरपा रहा है और दुनिया चुपचाप देख रही है। यह ठीक नहीं हो रहा है।

इमरान-नवाज के बीच शुरू हुआ सुपर ओवर, नतीजों ने लटकाई सरकार; जोड़-तोड़ का दौर जारी

साधारण बहुमत हासिल करने के लिए 336 में से 169 सीट की आवश्यकता है, जिसमें महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित सीट भी शामिल हैं। मतगणना अब भी जारी है। ऐसी उम्मीद है कि आज चुनाव के नतीजे आ जाएंगे।

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में गुरुवार को चुनाव कराए गए मगर आज तीसरे दिन भी अभी तक नतीजे नहीं आए हैं। पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा 265 में से 255 सीटों के घोषित परिणाम के अनुसार इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने 93, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने 73, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने 54 और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) ने 17 सीट पर जीत हासिल की है। अन्य 11 सीटों पर छोटे दलों को जीत मिली है। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को नेशनल असेंबली में 265 में से 133 सीट जीतनी होगी। एक उम्मीदवार की मौत के बाद एक सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था। कुल मिलाकर, साधारण बहुमत हासिल करने के लिए 336 में से 169 सीट की आवश्यकता है, जिसमें महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित सीट भी शामिल हैं। मतगणना अब भी जारी है। ऐसी उम्मीद है कि आज चुनाव के नतीजे आ जाएंगे।

पाकिस्तान में शुरू हुई जोड़-तोड़ की सियासत

पाकिस्तान के आम चुनाव में किसी भी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के मद्देनजर गठबंधन सरकार के गठन के लिए चर्चाएं और जोड़ तोड़ की कोशिशें शुरू हो गई हैं। त्रिशंकु संसद बनने के आसार के बीच गठबंधन सरकार बनाने के प्रयासों को तब गति मिली जब पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने शुक्रवार को प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों से पाकिस्तान को मौजूदा कठिनाइयों से बाहर निकालने के लिए हाथ मिलाने की अपील की। माना जाता है कि शरीफ को शक्तिशाली सेना का समर्थन प्राप्त है। वहीं जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने बृहस्पतिवार के चुनाव में नेशनल असेंबली में 101 सीट पर जीत हासिल की है। उधर इमरान खान ने एआई की मदद से एक ऑडियो वीडियो संदेश भेजकर आम चुनाव में जीत का दावा किया। खान ने वीडियो में कहा कि उनका दृढ़ विश्वास था कि लोग मतदान करने के लिए बाहर आएंगे और उन्होंने बड़ी संख्या में मतदान कर उनके भरोसे को कायम रखने के लिए अपने समर्थकों की सराहना की। इमरान खान की पार्टी पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव रऊफ हसन ने कहा कि पार्टी ने भविष्य के कदमों पर परामर्श की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष बैठकें संभव नहीं हैं क्योंकि अधिकांश निर्वाचित उम्मीदवार या तो जेल में हैं या भूमिगत हैं। हसन ने आगाह किया कि लोगों के फैसले को पटरी से उतारने के किसी भी प्रयास के घातक परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि जनमत का सम्मान करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पीटीआई केंद्र, खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब में एक प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी है, लेकिन केंद्र और पंजाब में सरकारें गठित करने के लिए परिणामों में हेरफेर करने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा, हम चुनाव परिणामों के साथ छेड़छाड़ करने की किसी भी कोशिशों को विफल करने के लिए सभी कानूनी और संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे।

नवाज पहले ही दे चुके विक्ट्री स्पीच

तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ ने अपने तथाकथित विक्ट्री स्पीच में पहले ही संकेत दे दिया है कि वह देश को संकट से बाहर निकालने के लिए निर्दलियों के साथ हाथ मिलाने को तैयार हैं। भले ही शरीफ की पीएमएल-एन और बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व वाली पीपीपी को शेष सीटों पर जीत मिल जाए, फिर भी उन्हें सरकार बनाने के लिए अन्य विजेता दलों या निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन की आवश्यकता होगी।

कैलिफोर्निया में हेलीकॉप्टर क्रैश होने से नाइजीरिया के सबसे बड़े बैंक के CEO सहित 6 की मौत

इंटरनेशल डेस्क. अमेरिका के दक्षिण कैलिफोर्निया के मोहावी मरुस्थल में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार नाइजीरिया के सबसे बड़े बैंकों में से एक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), उनकी पत्नी और बेटे सहित 6 लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर शुक्रवार रात 10 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ और उसमें सवार छह लोगों में एक्सेस बैंक के सीईओ हर्बर्ट विग्वे (57) भी शामिल थे।नाइजीरियाई स्टॉक एक्सचेंज 'एनजीएक्स ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष बैमोफिन अबिमबोला ओगुनबांजो भी हादसे में मारे गए।

नाइजीरिया के पूर्व वित्त मंत्री नगोजी अकोंजो-इवेला ने इन मौत की पुष्टि की है। इवेला अब विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''हर्बर्ट विग्वे, उनकी पत्नी और बेटे के साथ ही ओगुनबांजो की एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत होने की खबर से बहुत दुखी हूं। विग्वे की मौत से नाइजीरिया और बैंकिंग क्षेत्र में शोक की लहर छा गयी है।विग्वे के नेतृत्व में ही एक्सेस बैंक की संपत्ति और उपस्थिति कई अफ्रीकी देशों में बढ़ी। नाइजीरियाई राष्ट्रपति के प्रवक्ता बायो ओनानुगा ने 'एक्स पर कहा, ''विग्वे के पास एक्सेस होल्डिंग्स (मूल कंपनी) को अफ्रीका की सबसे बड़ी कंपनी बनाने की दूरदृष्टि थी। संघीय विमानन प्रशासन ने पुष्टि की कि हेलीकॉप्टर 'यूरोकॉप्टर ईसी 120 में छह लोग सवार थे।

हंगरी की राष्ट्रपति ने दोषी की सजा माफ करने की मांगी माफी, दिया इस्तीफा

बुडापेस्ट. बाल यौन उत्पीड़न मामले में संलिप्तता के दोषी की सजा माफ करने को लेकर आलोचनाओं में घिरी हंगरी की राष्ट्रपति कैटालिन नोवाक ने अपने पद से शनिवार को इस्तीफा दे दिया। नोवाक (46) ने टेलीविजन पर प्रसारित एक संदेश में कहा कि वह राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देंगी। वह 2022 से इस पद की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। नोवाक ने एक सरकारी बाल आश्रय में बाल यौन उत्पीड़न मामले से जुड़े सबूतों को छुपाने के एक दोषी की सजा अप्रैल 2023 में माफ कर दी थी।

दोषी के खिलाफ यह आरोप साबित हुआ था कि वह पीड़ितों पर आश्रय स्थल के निदेशक पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोप वापस लेने का दबाव बना रहा था।इस मामले में सबूत छुपाने की कोशिश करने के अपराध में दोषी को तीन से अधिक वर्ष कारावास की सजा सुनाई गई थी। दोषी की सजा माफ करने के नोवाक के इस फैसले का खुलासा होने के बाद देशभर में इसकी व्यापक पैमाने पर आलोचना हुई। नोवाक ने इस निर्णय का खुलासा होने के एक सप्ताह बाद राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया। नोवाक ने दोषी की सजा माफ करने के फैसले को लेकर माफी मांगते हुए शनिवार को कहा, ''मैंने गलती की।

रमजान से पहले निपटा दो; इजरायल का 23 लाख की आबादी वाले शहर पर खतरनाक प्लान

येरूशलम। गाजा पर जारी हमले के बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पहले की तुलना में अधिक खतरनाक हो चुके हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव को देखते हुए इजरायल के पास राफा में अपने ऑपरेशन को पूरा करने के लिए केवल एक महीना बचा है। आपको बता दें कि राफा ऑफरेशन के जरिए इजरायल गाजा में शेष बचे हमास के ऑपरेटिव बटालियनों को खत्म करना चाहता है। अब उन्होंने इसके लिए समय तय कर दिया है।चैनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हाल ही में युद्ध में शामिल सैन्य अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा कि गाजा के सबसे दक्षिणी शहर में जारी ऑपरेशन को मुस्लिमों के पवित्र महीना रमजान के पहले पूरा करना होगा। आपको बता दें कि इस साल 10 मार्च से रमजान शुरू होने वाला है।

राफा ऑपरेशन पर चर्चा के दौरान आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ हर्जी हलेवी ने नेतन्याहू को बताया कि इजरायल रक्षा बल ऑपरेशन के लिए तैयार थे, लेकिन सरकार को पहले यह तय करने की आवश्यकता थी कि वह क्या करना चाहती है। विस्थापित गाजावासी वहां शरण लिए हुए हैं।

गाजा में इजरायली हमलों में 44 फलस्तीनी की मौतइजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में शुक्रवार देर रात गाजा पट्टी के राफा क्षेत्र में कम से कम 44 फलस्तीनी मारे गए। ये हमले इजरायल के प्रधानमंत्री के उस बयान के कुछ घंटों बाद किए गए, जिसमें उन्होंने जमीनी हमले से पहले दक्षिणी गाजा शहर से हजारों लोगों को निकालने के लिए सेना से योजना तैयार करने को कहा था।

अमेरिका में बड़ा हादसा, दक्षिणी कैलिफोर्निया में हेलिकॉप्टर हुआ क्रैश; छह लोग थे सवार

कैलिफोर्निया। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक बड़ा हादसा सामने आया है। दक्षिणी कैलिफोर्निया के मोजावे रेगिस्तान में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें छह लोग सवार थे।हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि हेलिकॉप्टर में सवार लोगों का क्या हुआ। सैन बर्नार्डिनो काउंटी शेरिफ के विभाग ने कहा कि उन्हें कोई जीवित नहीं मिला है, लेकिन उन्होंने यह भी नहीं बताया कि किसी की इस हादसे में मृत्यु हुई या नहीं।

हॉलोरन स्प्रिंग्स के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ हेलिकॉप्टर

समाचार एजेंसी एपी के मुताबिक, विभाग को शुक्रवार रात 10-12 बजे दुर्घटना के बारे में पता चला। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर हॉलोरन स्प्रिंग्स रोड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

हेलिकॉप्टर में छह लोग थे सवार

वहीं, सिविल एविएशन प्रशासन ने पुष्टि की है कि हेलिकॉप्टर में छह लोग सवार थे। एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड को इस हादसे की जांच सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि जांचकर्ताओं की टीम मौके पर जानकारी इकट्ठा करेंगे।

मां ने गलती से सुलाने के लिए ओवन में रख दिया बच्चा, हो गई मौत

अमेरिका में एक मां की लापरवाही दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। अमेरिका के मिजूरी में लापरवाह मां मारियाह थॉमस ने अपने शिशु...

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका में एक मां की लापरवाही दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। अमेरिका के मिजूरी में लापरवाह मां मारियाह थॉमस ने अपने शिशु को सुलाने के लिए उसे पालने के बजाय गलती से 'ओवन (खाद्य सामग्री बनाने या उन्हें गर्म करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण) में रख दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई। हैरत की बात ये थी कि ओवन ऑन भी था। पुलिस ने जांच शुरू की तो महिला ने बताया कि रात को बच्चे को दूध पिलाने के बाद वह उसे पालने में सुलाने लगी लेकिन पता नहीं कैसे उसने गलती से बच्चे को ओवन में डाल दिया।

सुबह जब उसी नींद खुली तो उसे ध्यान आया कि उसने तो गलती से बच्चे को ओवन में ही सुला दिया था। जैसे ही उसने ओवन खोलकर देखा तो बच्चा उसमें झुलस चुका था। तुरंत उसने बच्चे को अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी।

पोस्टमार्टम में इस बात का खुलासा हुआ है कि बच्चे की मौत दम घुटने और जलने से हुई है.पुलिस को शुक्रवार दोपहर को एक शिशु के सांस नहीं लेने की जानकारी मिली थी।

इस घटना के संभावित कारण संबंधी अदालती बयान में कहा गया है कि बच्चे के शरीर पर जलने के निशान थे और उसे मृत घोषित कर दिया गया। बयान में कहा गया है कि सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियों को एक गवाह ने बताया कि मां ने ''बच्चे को सुलाने के लिए पालने के बजाय गलती से ओवन में रख दिया।बयान में यह नहीं बताया गया कि इस प्रकार की गलती कैसे हुई।

जैक्सन काउंटी में अभियोजन पक्ष के वकील जीन पीटर्स बेकर ने एक बयान में कहा, ''यह अत्यंत त्रासदीपूर्ण घटना हैं और हम एक अनमोल जीवन के खोने से दुखी हैं। हमें भरोसा है कि आपराधिक न्याय प्रणाली इस भयानक घटना को लेकर उचित कार्रवाई करेगी।

पाकिस्तान में बनेगी गठबंधन की सरकार; जरदारी से मिले शहबाज, बिलावल से भी हुई बात

इस्लामाबाद. पंजाब में असेंबली और प्रांतीय चुनाव संपन्न हो चुके हैं। किसी भी पार्टी को पाकिस्तान की जनता ने बहुमत नहीं दिया है। इस बीच गठबंधन के लिए बातचीत शुरू हो चुकी है। पीएमएल-एन के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात कर चर्चा शुरू कर दी है। तीनों के बीच केंद्र और पंजाब में गठबंधन सरकार बनाने और पाकिस्तान में मिलकर काम करने पर सहमती बनी है। शहबाज ने पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी के आवास पर पीपीपी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों ने कहा कि शहबाज शरीफ ने जरदारी के साथ भविष्य में सरकार गठन पर चर्चा की और पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ का संदेश भी दिया। शहबाज ने दोनों पीपीपी नेताओं से पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिए पीएमएल-एन नेतृत्व के साथ आने को कहा।सूत्रों ने दावा किया कि जरदारी और शहबाज पंजाब और केंद्र में सरकार बनाने पर सहमत हुए हैं और दोनों पार्टियां अगली बैठक में अपने-अपने विचार पेश करेंगी। इस दौरान सत्ता-बंटवारे के फार्मूले के संबंध में भी बात होगी। नेताओं की यह बैठक 45 मिनट तक चली।इससे पहले मॉडल टाउन में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नवाज शरीफ ने दावा किया कि चुनाव में पीएमएल-एन सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। शहबाज शरीफ, पीएमएल-एन के मुख्य आयोजक मरियम नवाज और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद थे।उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि देश को भंवर से बाहर निकालना हमारा कर्तव्य है। हम पाकिस्तान को मुश्किलों से बाहर निकालने के लिए सभी को हमारे साथ आने के लिए आमंत्रित करते हैं। आइए एक साथ बैठें। हर कोई जानता है कि देश के लिए किसने क्या किया है।÷ तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी पीएमएल-एन के ट्रैक रिकॉर्ड को जानते हैं और इस देश को भंवर से बाहर निकालना हमारा कर्तव्य है।नवाज शरीफ ने कहा, ÷हम सभी अन्य पार्टियों के जनादेश का सम्मान करते हैं। चाहे वह कोई पार्टी हो या निर्दलीय। हम उन्हें आमंत्रित करते हैं कि वे आएं और पाकिस्तान को कठिनाइयों से बाहर निकालने के लिए हमारे साथ बैठें। हमारा एजेंडा समृद्ध पाकिस्तान है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पंजाब सरकार द्वारा 1240 मिन्नी आँगनवाड़ी केन्द्रों को मुख्य आँगनवाड़ी केन्द्रों में किया अपग्रेड-डॉ. बलजीत कौर

चंडीगढ़ (संजय अरोड़ा) पंजाब सरकार द्वारा राज्य के 1240 आँगनवाड़ी केन्द्रों को मिन्नी आँगनवाड़ी केन्द्रों से मुख्य आँगनवाड़ी केन्द्रों में अपग्रेड किया गया है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में कुल 27,314 आँगनवाड़ी सैटरों में से 1240 आँगनवाड़ी सैंटर बतौर मिन्नी आँगनवाड़ी सैंटर चल रहे थे। उन्होंने बताया कि इन 1240 आँगनवाड़ी सैटरों में एक वर्कर काम कर रहा था, जिसको प्रति माह मानभत्ता 3500 रुपए दिया जाता था।

डॉक्टर बलजीत कौर ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा पिछले लम्बे समय से आँगनवाड़ी वर्कर यूनियन की माँग पर विचार करते हुए इन 1240 मिन्नी आँगनवाड़ी सैटरों को मेन आँगनवाड़ी सैटरों में तबदील करने की मंजूरी जारी कर दी थी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा दी गई मंजूरी के सम्मुख केंद्र सरकार द्वारा भी इन 1240 मिन्नी आँगनवाड़ी सैटरों को मेन आँगनवाड़ी सैटरों में तबदील करने की मंजूरी जारी कर दी है। मिन्नी से मेन आँगनवाड़ी सैंटर की मंजूरी के अनुसार अब पंजाब में कुल मंजूरशुदा 27,314 आंगनवाड़ी सैंटर मेन आँगनवाड़ी सैटरों की श्रेणी में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि अब मिन्नी आँगनवाड़ी वर्कर का प्रति माह मानभत्ता 3500 रुपए से बढ़कर कुल 4500 रुपए हो जाएगा। उन्होंने बताया कि आँगनवाड़ी केन्द्रों में आँगनवाड़ी वर्करों और हैल्परों को मानभत्ता केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार दिया जा रहा है और पंजाब सरकार द्वारा अलग से मानभत्ता दिया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि मेन आँगनवाड़ी सैंटरों की मंजूरी से अब 1240 आँगनवाड़ी हैल्परों के पद भी सृजित हुए हैं, जिस कारण 1240 आँगनवाड़ी हैल्परों की भर्ती जल्द की जाएगी। आँगनवाड़ी हैल्पर का मानभत्ता 2250/- रुपए प्रति माह होगा। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले फिक्स मानभत्ते के अलावा राज्य सरकार द्वारा आँगनवाड़ी वर्कर को 5000 रुपए और हैल्पर को 3100 रुपए प्रति माह दिया जाता है, और इसके साथ ही आँगनवाड़ी वर्कर को 500 रुपए और हैल्पर को 250 रुपए जनवरी में सालाना वृद्धि दी जाती है। मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा किए गए इस प्रयास के स्वरूप 1240 औरतों को रोजगार मिलेगा और आँगनवाड़ी सैटरों के लाभार्थियों को भी सही तरीके से लाभ पहुँचाया जा सकेगा।

कृष्णा सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा वीरोत्सव 2024 का आयोजन किया गया जरूरतमंदों की सहायता ही कृष्णा सोशल वेलफेयर ट्रस्ट का लक्ष्य - पम्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के पश्चिम विहार में स्थित भारतीय विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट में कृष्णा सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा वीरोत्सव 2024 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को ट्रस्ट के ट्रस्टी राजेश चौहान व अनिता चौहान के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में तत् परिवर्तन से सीए रवि सेठी,

गीतांजलि फाउंडेशन की फाउंडर अनु झा और अल्टीमेट फाउंडेशन के फाउंडर संतोष ठाकुर ने अपना भरपूर योगदान दिया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों को स्कूल बेग, स्टेशनरी और जरूरतमंद व्यक्तियों को राशन वितरित किया गया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथि के तौर पर ट्रस्ट के प्रेजिडेंट परमजीत सिंह पम्मा, बीवीपी के डायरेक्टर एम. एन. होडा, नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन से इसाम सिंह, एसएचओ जे.पी. मीना, एसएचओ प्रभांशु, एसीपी दिनेश कुमार सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व गणेश वंदना के साथ की गई। इस अवसर पर बच्चों द्वारा डांस भी प्रस्तुत किया गया और गायक कलाकारों ने अपने गानों से कार्यक्रम में चार-चांद लगा दिए। इस अवसर पर समाजसेवी, डॉक्टर्स, मॉडल्स, मेकअप आर्टिस्ट, सिंगर्स, गायक कलाकार सहित कई वर्ग के लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने कहा समिति का लक्ष्य हमेशा जरूरतमंद सहायता करना है और कृष्णा सोशल वेलफेयर ट्रस्ट पिछले कई वर्षों से समाज के हित के लिए कार्य कर रहा हैं। इस अवसर पर सभी गणमान्य अतिथियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की सभी अतिथियों ने प्रशंसा की।

गाजियाबाद-कानपुर एक्सप्रेसवे : 380 KM लंबे ग्रीनफील्ड कॉरिडोर से इन 8 जिलों की बल्ले-बल्ले; साढ़े 5 घंटे में पूरा होगा सफर

नई दिल्ली. गाजियाबाद-कानपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। गुरुवार को इस संबंध में दिल्ली में सड़क परिवहन और राजमार्ग केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, वीके सिंह और एनएचएआई अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें परियोजना की डीपीआर की समीक्षा कर प्रगति कार्य को तेजी से करने के निर्देश दिए। इस परियोजना को ग्रीनफील्ड कॉरिडोर नाम दिया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) परियोजना इकाई अलीगढ़ के अंतर्गत गाजियाबाद, हापुड़ से कानपुर और उन्नाव ग्रीनफील्ड परियोजना की डीपीआर पर काम कर रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन-राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और राज्यमंत्री वीके सिंह कानपुर तक का सफर सरल और सुगम बनाने की दिशा में काम रहे हैं। इसी क्रम में गाजियाबाद से कानपुर तक बनने वाले ग्रीनफील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर को जल्द बनाने के निर्देश दिए गए। यह परियोजना गाजियाबाद से शुरू होगी, जोकि कानपुर रिंग रोड को कनेक्ट करेगी।

परियोजना गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर और उन्नाव आदि शहरों को जोड़ेगी। इसके निर्माण पर लगभग 15 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। गाजियाबाद से कानपुर तक 380 किलोमीटर का रास्ता तय किया जाएगा। कॉरिडोर बनने के बाद

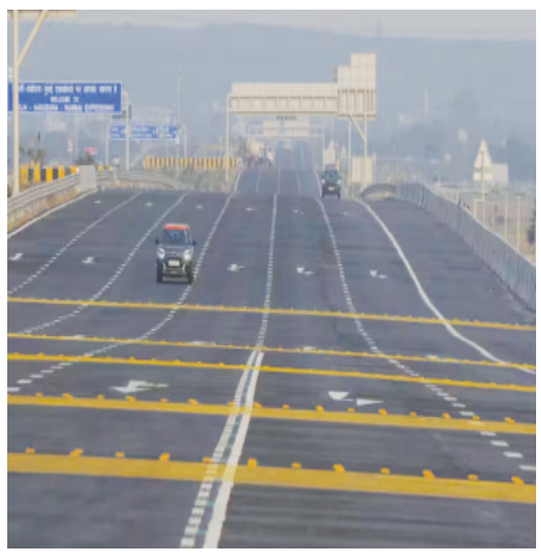

गाजियाबाद से कानपुर की दूरी केवल 5 घंटे 40 मिनट में तय हो जाएगी। वर्तमान में गाजियाबाद से कानपुर की दूरी तय करने में लगभग 10 से 11 घंटे का समय लगता है।

चार लेन की सड़क बनाई जाएगी

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने 380 किलोमीटर लंबे प्रोजेक्ट को गाजियाबाद, हापुड़-कानपुर, उन्नाव ग्रीनफील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर नाम दिया है। कॉरिडोर के लिए जमीन का अधिग्रहण आठ लेन के एक्सप्रेसवे की तर्ज पर किया जाएगा, लेकिन शुरुआत में केवल चार लेन की सड़क का निर्माण होगा। अंडरपास, फ्लाईओवर और सर्विस रोड का निर्माण छह लेन के ग्रीनफील्ड कॉरिडोर की तर्ज पर किया जाएगा। यह कॉरिडोर लखनऊ से कानपुर के बीच बन रहे एक्सप्रेसवे को उन्नाव और कानपुर के बीच में कनेक्ट करेगा, जबकि गाजियाबाद और हापुड़ में मेरठ एक्सप्रेसवे को कनेक्ट करेगा।

मसूरी से शुरुआत

यह कॉरिडोर मेरठ एक्सप्रेसवे को दो जगह से जोड़कर बनाया जाएगा। डासना मसूरी के आगे गाजियाबाद की सीमा से एनएच-9 से जोड़ते हुए निर्माण शुरू होगा। इसके बाद हापुड़ में बाइपास (पुराने एनएच-24 बाइपास) को कनेक्ट कर बनाया जाएगा आगे जाकर दोनों कनेक्ट एक जगह मिल जाएंगे।

इससे फायदा यह होगा कि गाजियाबाद की ओर से आने वाले ट्रैफिक को कॉरिडोर पर चढ़ने के लिए हापुड़ नहीं आना पड़ेगा। वह मसूरी के पास से सीधे कानपुर के लिए जा सकेंगे।

वैलेंटाइन डे का वेट कर रहे लवर्स के लिए बुरी खबर! फिर बदलेगी दिल्ली की फिजा, 14 FEB को बारिश के लिए रहें तैयार

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन से चार दिन तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। रविवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री पहुंचने की संभावना है।

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली का मौसम आने वाले दिनों में एक बार फिर से बदलने वाला है। हालांकि, लोगों को अभी सुबह और शाम ठंड का सामना करना पड़ेगा। दिन में धूप निकलती रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण 14 फरवरी यानी बुधवार को बूंदाबांदी होने की संभावना है। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो शुक्रवार से लगभग डेढ़ डिग्री कम था। मौसम विभाग ने बताया कि अगले कुछ दिन तक सुबह-शाम ठंडक बनी रहेगी, लेकिन दिन में धूप के चलते ठंड से राहत मिलेगी। शनिवार को अधिकतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया, जोकि सामान्य है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन से चार दिन तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। रविवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री पहुंचने की संभावना है। वहीं, न्यूनतम तापमान अगले सप्ताह नौ से 10 डिग्री के आसपास रहेगा।

बेहद खराब श्रेणी के पास पहुंची दिल्ली की हवा

वहीं, हवा की रफ्तार धीमी पड़ने के चलते राजधानी में बीते 24 घंटे में तेजी से प्रदूषण बढ़ा है। बीते चार दिन से जहां प्रदूषण मध्यम श्रेणी में बना हुआ था। वहीं, शनिवार को यह बेहद खराब श्रेणी के समीप पहुंच गया। शुक्रवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 145 दर्ज किया गया था, जबकि शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 295 पर पहुंच गया। यह खराब श्रेणी में आता है, लेकिन 301 पहुंचते ही यह बेहद खराब श्रेणी में चला जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन दिन तक प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में रहने के आसार हैं।

जानकारी के अनुसार, राजधानी में हल्की बारिश के साथ हवा की रफ्तार बीते दिनों बढ़ी थी। इसके चलते दिल्ली में लगभग साढ़े तीन माह बाद प्रदूषण से राहत मिली थी। करीब 110 दिन बाद दिल्ली का प्रदूषण मध्यम श्रेणी में लौटा था। बीते कुछ दिन से हवा की रफ्तार में बढ़ोत्तरी देखने को मिली थी।

NCR के लोगों के लिए राहत भरी खबर, दिल्ली-नोएडा को जोड़ने वाली 4 सड़कों के रीडिवेलपमेंट को मंजूरी

नई दिल्ली. दिल्ली से नोएडा आने-जाने वालों के लिए राहत भरी खबर है। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दिल्ली से नोएडा के बीच यातायात को सुगम बनाने के लिए चार सड़कों के पुनर्विकास और सुदृढ़ीकरण से जुड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। नोएडा से अक्षरधाम के बीच पड़ने वाली इन सड़कों पर जल्द ही काम शुरू होगा। लोक निर्माण मंत्री आतिशी का कहना है कि इन सड़कों पर काम होने के बाद दिल्ली और नोएडा के बीच इंटरकनेक्टिविटी बेहतर होगी। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा कि हम सड़कों को बेहतर बनाने की दिशा में मिशन मोड पर काम कर रहे हैं। इन सड़कों का बहुत पहले निर्माण और विस्तारीकरण किया गया था। व्यस्त समय के दौरान बड़ी संख्या में लोग दिल्ली से नोएडा आवागमन के लिए इन सड़कों का प्रयोग करते हैं, जिससे इन सड़कों की स्थिति खराब होती चली गई।

मौजूदा समय में सड़क कई जगहों से टूटी हुई हैं या फिर इन पर अतिक्रमण है। ऐसे में लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखकर विभाग ने विशेषज्ञों की सहायता से सड़कों का गहन मूल्यांकन कराया है। इसके बाद फैसला लिया गया है कि इन सड़कों को बेहतर किया जाए। अब बिना यातायात को प्रभावित किए चरणबद्ध तरीके से सड़कों पर मरम्मत, सौंदर्यीकरण और चौड़ीकरण का काम होगा। इस दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन सड़कों से आने-जाने वाले लोगों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

नजफगढ़ के सैलून में डबल मर्डर के पीछे हो सकती हैं ये दो बड़ी वजह, किन-किन ऐंगल से जांच कर रही दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली. दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में शुक्रवार रात सैलून के अंदर हुई दो लोगों की हत्या सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालने के विवाद के कारण हुई थी। हमलावरों में से एक आरोपी कुख्यात गोगी गैंग से जुड़ा बताया जा रहा है। हत्या को गैंगवार से जोड़कर भी जांच की जा रही है। पुलिस अभी तक शूटरों को नहीं पकड़ पाई है। फिलहाल, जिला पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल की टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं और दिल्ली-एनसीआर सीमाओं के आसपास तैनाती बढ़ा दी है।

दोनों हमलावरों की पहचान संजीव दहिया उर्फ संजू और हर्ष उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। अब तक की जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने सोशल मीडिया पर डाले गए पोस्ट को लेकर हुए आशीष और सोनू की हत्या की थी। आरोपी चिंटू के गोगी गैंग से जुड़े गैंगस्टर योगेश टुंडा का करीबी होने का पता चला है, जबकि मारे गए एक युवक के भी एक गैंग से जुड़े होने की जानकारी मिल रही है।

हालांकि, इस पर पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। करीब आधा दर्जन पुलिस टीमें आपसी विवाद, सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हुए विवाद और गैंगवार सहित अन्य सभी एंगल से मामले की जांच कर रही हैं।

डीसीपी अंकित सिंह का कहना है कि आरोपियों के गिरफ्तारी के बाद ही सही

कारणों का खुलासा हो सकेगा। जांच से जुड़े सूत्रों का कहना है कि वारदात दिल्ली के दो गिरोह के बीच हुए गैंगवार का नतीजा हो सकती है क्योंकि पिछले दिनों गैंगवार में एक दूसरे गैंग के कई बदमाशों की हत्या की गई थी, और कई पर जानलेवा हमला हुआ था।

सोनू और आशीष नांगली सकरावती इलाके में रहते थे। सोनू का संपत्ति किराये पर देने का काम था, जबकि आशीष लंबे समय से कोई काम नहीं कर रहा था। दोनों में लंबे समय से दोस्ती थी। शुक्रवार दोपहर सैलून में दोनों की हत्या कर दी गई थी।

घटनास्थल पर मौजूद महिला से भी पूछताछ

मामले के वायरल वीडियो में पॉइंट ब्लैंक रेंज से गोली लगने पर फर्श पर गिरे व्यक्ति को देखने के लिए दूसरी ओर से महिला आती है। लेकिन, आरोपी को मरा देखते ही वहां से तेजी से भाग जाती है। इसके बाद आरोपी भी मौके से फरार हो जाते हैं। पुलिस महिला से भी पूछताछ कर रही है।

पुलिस को जानकारी लीक करने का था शक

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का मानना है कि हमलावर अपने साथियों के बारे में पुलिस को सूचना लीक करने के लिए मृतक से बदला लेना चाहते थे। अधिकारियों के मुताबिक, हर्ष हाल ही में तिहाड़ जेल से जमानत पर रिहा हुआ था। पुलिस सूत्रों ने कहा कि संजीव दहिया दिल्ली हाईकोर्ट में वकील है और उसके पिता द्वारका में दिल्ली पुलिस में एएसआई हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी व कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति हेतु गुप्त नवरात्रि में शुरू हुआ अष्टोत्तर शत परायण श्री मद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव

नई दिल्ली = अयोध्या में रामलला को प्राण प्रतिष्ठा होने की

खुशी एवं श्री कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति के संकल्प के साथ सभी धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं की सुख समृद्धि और उनके पूर्वजों के कल्याणार्थ गुप्त नवरात्रि के प्रथम दिन (आज) सिद्ध पीठ श्री सीता राम संत सेवा मंदिर एवं गौशाला (स्थित = चंदू पार्क पुरानी अनारकली दिल्ली - 51) के संयोजन एवं अंतर्राष्ट्रीय महात्यागी खालसा के श्री महंत एवम महामंडलेश्वर श्री राम गोविंद दास महात्यागी जी महाराज के सानिध्य में पूर्वी दिल्ली के एजीसीआर एनक्लेव (नजदीक कड़कड़डूमा कोर्ट) स्थित समुदाय भवन में 10 से 18 फरवरी 2024 तक चलने वाले अष्टोत्तर शत परायण श्री मद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। उल्लेखनीय है कि ज्ञान यज्ञ महोत्सव का शुभारंभ महामंडलेश्वर श्री राम गोविंद दास महात्यागी जी महाराज के नेतृत्व एवं महामंडलेश्वर श्री सच्चिदानंद दास जी महाराज (वृंदावन), महंत श्री पुजारी राम गोपाल दास महात्यागी (हनुमान वाटिका), महंत श्री दीन बन्धु दास महात्यागी, महंत श्री सतीश दास जी, सखी बाबा (ऋषिकेश), महंत श्री सुदर्शन दास (जगन्नाथ पुरी) व महंत श्री परमानंद जी (उड़ीसा) के सानिध्य में सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा निकाली गई विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा सिद्ध पीठ श्री सीता राम संत सेवा मंदिर से प्रारंभ होकर जगतपुरी चौक व कड़कड़डूमा कोर्ट होते हुए ज्ञान यज्ञ महोत्सव स्थल ए जी सी आर एनक्लेव पहुंची। यात्रा में मुख्य यजमान समाज सेवी रजनीश गुप्ता (शांति विहार), राजीव शर्मा (बलदेव पार्क), गणेश बड़डे (नासिक), शैलेश कुमार वर्मा (वाराणसी), भाजपा शाहदरा जिला अध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) विपिन जैन, विक्की आहूजा, सुशील गुप्ता, एस बी शर्मा, राजकुमार गुप्ता, राजकुमार जादूगर, राजेश शर्मा, विजय गुप्ता, महेन्द्र कौशिक व पूर्व पार्षद चौ प्रेम कुमार काफी संख्या में धर्म प्रेमी श्रद्धालु मौजूद रहे। अष्टोत्तर शत परायण श्री मद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव स्थल पर कलश यात्रा पहुंचने के बाद यज्ञाचार्य श्री शशि भूषण शास्त्री जी (अयोध्या) के मार्ग दर्शन में जहां मथुरा, काशी और अयोध्या के 108 प्रकण्ड विद्वानों द्वारा संकल्प लेने के बाद 108 श्री मद भागवत महापुराण का परायण प्रारंभ किया गया वहीं भागवत कथा मर्मज्ञ श्री हेमन्त कृष्ण ठाकुर जी द्वारा दोपहर 2 बजे से भागवत कथा का संगीतमय तरीके से रसपान कराना शुरू किया !

NAME CHANGE

I, Vamla Devi w/o Mange Ram R/o Village sonipat, haryana, have change my name to BIMLA DEVI for all purpose

NAME CHANGE

I, Misbah D/o Mohammad Sadiq R/o H. No. 1100, Gali Madarsa Hussain Baksh, Bazar Matia Mahal, Jama Masjid, Delhi-110006, have changed my name to Mizba for all Future Purposes

NAME CHANGE

I, FAIZAN S/O MAINUDDIN residing at A-17 2ND FLOOR GALI NO-1 JYOTI COLONY SHAHDARA DELHI-110032 have changed my name to FAIZAN SAIFI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohammed Shafiq S/o Mohammed Sayeed R/o 8058, Gali Tyre Wali, Bara Hindu Rao, Delhi-110006 have changed my name to Mohad Shafiq for all future Purposes

NAME CHANGE

I Seema Datta D/O Raj kumar Datta R/O E-160 Second floor, Sarita Vihar, Nai Delhi 110076 have changed my name to Seema for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SAZIDA BEGUM W/o FARID AHMED House No. 2899, Fourth Floor, Gali Captain, Sir Sayyed Ahmed, Darya Ganj, New Delhi - 110002, have changed my name to SAJIDA BEGUM

NAME CHANGE

I, hitherto known as MANISH KUMAR DUGAR alias MANISH KUMAR JAIN S/o AMAR CHAND DUGAR residing at 44 S/F Manak Vihar, Near Yamana Sport Complex, Anand Vihar, East Delhi, Delhi - 110092 have changed my name and shall hereafter be known as MANISH KUMAR JAIN.

NAME CHANGE

I, SAZIDA BEGUM W/o FARID AHMED House No. 2899, Fourth Floor, Gali Captain, Sir Sayyed Ahmed, Darya Ganj, New Delhi - 110002, have changed my name to SAJIDA BEGUM

NAME CHANGE

I SHABANA W/O-JAVED R/O-RZ-114/4 GALI NO-9 DEEP ENCLAVE PART-2 VIKAS NAGAR UTTAM NAGAR DELHI-110059 HAVE CHANGED MY NAME TO SHABANA ANSARI.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PAWAN KUMAR S/o PHOOL KUMAR, R/o 81, Asthal Colony, Bawana, North West Delhi, Delhi-110039, declare that name of my wife has been wrongly written as MAYA DEVI, in my minor son's namely GURUDEV aged about 16 years in his CBSE class 10th Marksheet cum Certificate. The actual name of my wife is REKHA

NAME CHANGE

I, Mohmmed Shafi Naqash S/o Ghulam Ahmed R/o 22/1 NAID BUNI RAINAWARI, SRINAGAR, SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR-190003, INDIA have changed my name to MOHAMMAD SHAFI NAQASH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, HARSHALKUMAR CHHOTEYLAL S/O CHHOTEYLAL SHYAMLAL R/O D-604 RAJASTHAN APARTMENT PLOT-36 SEC 4 DWARKA, MORDERN CONVENT SCHOOL DWARKA, DWARKA, DELHI-110075 have changed my name to HARSHAL KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as S KUMAR alias YASH KUMAR S/o RAJ KUMAR, residing at House No. 9, Gali No. 4, P-Block, Mangolpuri, North West Delhi, Delhi-110083, have changed my name and shall hereafter be known as YASH KUMAR.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PAWAN KUMAR S/o PHOOL KUMAR, R/o 81, Asthal Colony, Bawana, North West Delhi, Delhi-110039, declare that name of my wife has been wrongly written as MAYA DEVI, in my minor son's namely SUKHDEV aged about 16 years in his CBSE class 10th Marksheet cum Certificate. The actual name of my wife is REKHA

NAME CHANGE

It is for general information that I, AAKASH S/o ASHOK GOSWAMI, R/o F-508, Shahid Sukhdev Nagar, Wazirpur Industrial Area, Ashok Vihar, North West Delhi-110052, declare that name of mine has been wrongly written as AKASH in my CBSE 10th class Marksheet cum Certificate. The actual name of mine is AAKASH, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general public information that I, KUNAL S/O OM PRAKASH and SMT. SHUSHEELA R/O H NO. 2296, PILI BUILDING, GURDUVARA ROAD KAROL BAGH S.O, Central Delhi, Delhi -110005 declare myself as the legal child of SH. SARABJEET SINGH BHALLA and SMT. HARMEET KAUR BHALLA R/o 60/18, Old Rajender Nagar Market, Old Rajender Nagar, Central Delhi, Delhi-110060 , I declare myself as the child of both the families and there is no objection to both the families.

NAME CHANGE

I, NO-14676906M Rank- HAV Name-RAM SWARUP JAISWAL S/O MOTILAL JAISWAL residing at 519, NEW CHAUKSEY NAGAR, LAMBAKHEDA, BHOPAL, MP-462038 have changed my minor son's name from HARSHITA JAISWAL to HARSHIT JAISWAL for all future purposes vide Affidavit dated 10/02/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे ग्राहक एस.एच. मोहम्मद इदरीस अली हलदर पुत्र मो. नूर हुसैन और उनकी पत्नी श्रीमती रुकसाना खातून, दोनों निवासी एच-14, हाजी कॉलोनी, गफ्फार मॉंजिल एक्सटेंशन पार्ट II, जामिया नगर, दक्षिण दिल्ली 110025 ने अपने बेटे श्री शेख मोहमुदुल हसन की बुरी आदतों के कारण उनके साथ अपने सभी रिश्ते निभा दिए हैं। मेरे उपरोक्त नामित दोनों ग्राहकों ने अपने कथित बेटे को भी अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है। श्री शेख मोहम्मदुल हसन के साथ व्यवहार करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और जिम्मेदारियों पर ऐसा करेगा और मेरे ग्राहक श्री शेख मोहम्मदुल हसन द्वारा किए गए किसी भी कार्य, कार्य या लेनदेन के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आदिल खान (वकील)
Enrol No-D-2606/17
F-168/1, Associates, Abul Fazal, Enclave-II, Shaheen Bagh, Okhla, Jamia Nagar, New Delhi-11025

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण व रिस्तेदारों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल महेंद्र कुमार पुत्र स्व. जगदीश चंद्र उम्र 59 वर्ष व इनकी पत्नी सोनिया उम्र 56, निवास मकान संख्या 254, गली नं. 12, थान सिंह नगर, आनंद पर्वत, सेंट्रल दिल्ली-110005 ने अपने बेटे हरीश कुमार व बहू अंजू व उसके बच्चे को अपने सभी प्रकार के रिश्ते-नाते, व्यापार इत्यादि के अलावा अपने चल-अचल संपत्ति से भी, हमेशा-हमेशा के लिए पूर्ण बंचित व वेदखल कर अपने सभी प्रकार के रिश्ते को समाप्त कर लिया है। आज के दिन दिनांक 19/01/2024 से इनके उक्त बेटा हरीश कुमार व बहू अंजू अपने हर अच्छे व बुरे काम-कर्मों के लिए स्वयं जिम्मेवार व जवाबदेह होंगे, मेरा मुवक्किल, उनके किसी भी कार्य, लेख-विलेख या व्यवहारों के लिए किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होंगे।

अधिवक्ता श्रीकान्त साह
दूरभाष- 9873341757

दुकानदारों ने मालिकाना हक की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

पानीपत.एजेंसी

पानीपत के अंसल एपीआई में स्थित गैलेक्सी कोर्ट मार्केट के दुकानदारों ने मालिकाना हक दिलवाने की मांग को लेकर शनिवार को विधायक महीपाल ढांडा को उनके एल्डिगो स्थित कार्यालय पर ज्ञापन सौंपा। वहीं, मार्केट के प्रधान राज कालड़ा और जन आवाज सोसाइटी के प्रधान जोगिंद्र स्वामी ने विधायक को बताया कि सभी दुकानदार कई वर्ष पहले ही अपनी दुकानों की सारी पेमेंट अंसल को कर चुके है, पर उनके नाम अभी भी रजिस्ट्री नहीं हुई है। इसके चलते वे अपनी दुकानों के कानूनी तौर पर अभी तक मालिक भी नहीं बन पाये है। डीटीपी उनकी मार्केट को ही अवैध बताकर सीलिंग की बात कहता है। वे अपनी जमा पूंजी के करोडों रुपये लगाकर भी अभी तक मालिक नहीं बन पाये हैं। दुकानदारों ने कहा कि मार्केट की दुकानों का कंप्लीशन जारी करवाया जाए ताकि उनकी रजिस्ट्रियां हो सके और वे दुकानों के मालिक बन सके। वहीं, विधायक महीपाल ढांडा ने कहा कि उनको मालूम है कि अंसल प्रबंधन ने मार्केट के दुकानदारों के साथ धोखा किया है, लेकिन वे हर हाल में गैलेक्सी कोर्ट मार्केट के दुकानदारों को उनका मालिकाना हक दिलवाने को लेकर पूरे प्रयास करेंगे।विधायक ने कहा कि 13 फरवरी को चंडीगढ़ में होने वाली विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समक्ष मार्केट के दुकानदारों की समस्या को रखेंगे ताकि समाधान हो सके। इस अवसर पर मार्केट एसोसिएशन के महासचिव सुरेंद्र राणा, कंवरपाल अहलावत, कर्मवीर मिस्त्री, नरेश ढींगरा, सुरेंद्र शर्मा, रोशन लाल बंसल, प्राणनाथ धीमान, राजेश वर्मा, राघव, राजेश, राजेंद्र बरेजा व कालू वडेरा आदि मौजूद रहे।

घर-घर कांग्रेस हर घर कांग्रेस अभियान के तहत गांव-गांव जाएगी कांग्रेस

उचाना.एजेंसी उपमंडल कार्यालय के सामने कांग्रेस कार्यालय में मासिक मीटिंग के बाद हर घर कांग्रेस घर घर कांग्रेस अभियान की शुरूआत की गई। कार्यकर्ता सम्मेलन में भारी तादाद में लोग पहुंचे। कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष एवं बीते विस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार रहे बलराम कटवाल की अध्यक्षता में मीटिंग हुई। पूर्व विधायक सूरजभान काजल, सुरेश गोयत, रमेश सैनी, अभिजीत कटवाल पहुंचे। 12 फरवरी से इस अभियान की शुरूआत दुर्जनपुर गांव से होगी। लगातार 16 दिनों तक हलके में इस अभियान के तहत गांव-गांव जाएंगे। 27 फरवरी को अभियान का समापन होगा। बलराम कटवाल ने कहा कि हर कांग्रेस अपने साथ 30 नए सदस्यों को जोड़े। 12 फरवरी को दुर्जनपुर गांव से अभियान की शुरूआत होगी। उदयपुर, नचार खेड़ा, मखंड गांव के दौरे करेंगे। 13 को सुदकैन कलां, सुदकैन खुर्द, लोधर, काब्रच्छा, 14 को डाहोला, थुआ, संडील, 15 को काकड़ोद, मंगलपुर, सुरबरा, डोहाना खेड़ा, 16 को डूमरखा कलां, डूमरखा खुर्द, तारखा, खेड़ी सफा, 17 को हसनपुर, चांदपुर, शामदो, पेगां, 18 को उचाना खुर्द, दरोली खेड़ा, सेढ़ा माजरा, खेड़ी मसानियां गांव के दौरे करेंगे। उन्होंने बताया कि 19 खरकभूरा, अलीपुरा, गुरूकुल खेड़ा, करसिंधु, 20 को जीवनपुर, शाहपुर, नगूरां, बधाना, 21 को बुडायन, भौंगरा, खापड़, बड़ौदा, 22 को रोजखेड़ा, कुचराना खुर्द, कुचराना कलां, मांडी कलां, छात्तर, 23 को दिल्लुवाला, गोइयां, खांडा, अलेवा, 24 को घसो खुर्द, घसो कलां, भगवानपुरा, झील, 25 को कसूहन, भौंसला, कालता, धनखड़ी, घोघडिया, 26 को खेड़ी बुल्ला, दुड़ाना, बिघाना, कटवाल, 27 को मोहनगढ़ छापड़ा, खटकड़, पालवां एवं उचाना कलां के दौरे होंगे।

बेखौफ बदमाश: बहादुरगढ़ में 2 दुकानदारों से लूटे ढ़ाई लाख लूटे, जांच में जुटी पुलिस

बहादुरगढ़ . एजेंसी

बहादुरगढ में शनिवार की देर शाम लूटपाट की दो वारदातें सामने आई। पिस्तौल के बल पर बदमाशों ने दो दुकानों से ढाई लाख से अधिक रूपये लूट लिए। एक दुकान पर हवाई फायरिंग भी की। वारदात के बाद गुस्साएं व्यापारियों ने विश्वकर्मा चौक पर जाम लगा दिया। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। देर रात तक लाइनपार थाना व सीआईए की कई टीमें छानबीन में जुटी थी।

1 लाख 10 हजार रुपये लेकर फरार हुए बदमाश

बताया जा रहा है कि पहली वारदात अग्रवाल कॉलोनी स्थित एक बीड़ी माचिस के थोक व्यापारी के यहां हुई। शाम को दुकान मालिक हरभगवान बैठा था। करीब साढ़े छह बजे बाइक सवार दो बदमाश आए और उस पर पिस्तौल तानकर रुपयों की डिमांड की। घबराकर हरभगवान गल्ला खोलने लगा तो बदमाशों ने काउंटर का शीशा तोड़ दिया और एक लाख दस हजार रुपये लेकर चंपत हो गए। सूचना पाकर लाइनपार थाने से पुलिस मौके पर जांच करने पहुंची।

पुलिस इस वारदात को सुलझाने में जुटी थी कि करीब आठ बजे रेलवे रोड के विश्वकर्मा चौक स्थित जय शंकर किरयाना स्टोर पर वारदात हो गई। यहां तीन बदमाशों ने हवाई फायर करने के बाद रुपये लूटे। शिकायतकर्ता शिव शंकर बंसल का कहना है कि रात करीब आठ बजे वह अपनी दुकान पर था। इसी दौरान नाले के साथ वाले रास्ते से बदमाश उसकी दुकान में घुसे। जान से मारने की धमकी देते हुए फायर किया और गल्ले से डेढ़ लाख से अधिक नकदी ले गए। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई करीब डेढ़ घण्टे कर अंदर लूटपाट की दो वारदात हो जाने से व्यापारियों में रोष पनप गया।

वहीं गुस्साएं लोगों ने विश्वकर्मा चौक पर जाम लगा दिया। करीब पौने दस बजे तक जाम कायम था। इस कारण आवागमन बाधित रहा। सूचना पाकर लाइनपार थाना, सीआईए की कई टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने लोगों को समझाकर मार्ग खुलवाने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि मामले में छानबीन की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज चेक की जा रही हैं।जल्द से जल्द वारदात सुलझाने का प्रयास रहेगा।

किसान आंदोलन और चुनाव पर मंथन

चंडीगढ़.एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दिल्ली प्रवास के दौरान कई केंद्रीय नेताओं के साथ मुलाकात की। लोकसभा के चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे बढ़ गए हैं। पिछले सप्ताह उन्होंने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी। शनिवार को भी उनकी दिल्ली में कई नेताओं के साथ बातचीत और मुलाकात हुई। शाह से एक बार फिर मनोहर लाल ने मुलाकात की।उनकी यह मुलाकात इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पंजाब के किसान संगठनों ने 13 फरवरी को दिल्ली कूच का ऐलान किया हुआ है। केंद्र सरकार के तीन मंत्रियों की पंजाब के किसान संगठनों के साथ बैठक हो चुकी है, लेकिन किसानों ने दिल्ली कूच का फैसला बदला नहीं है।

बताते हैं कि मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री से मुलाकात करके किसानों के इस आंदोलन को लेकर विस्तार से रिपोर्ट ली। हरियाणा सरकार की मांग पर केंद्र सरकार की ओर से हरियाणा में सुरक्षा व्यवस्था के लिए केंद्रीस सशस्त्र पुलिस बल की 50 कंपनियां मंजूर की जा चुकी हैं। इनमें से कई कंपनियां हरियाणा में पहुंच चुकी हैं। पंजाब से हरियाणा की ओर आने वाले सड़कों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव के लिए की गई तैयारियों पर भी रिपोर्ट दी होगी। इसी तरह प्रदेश में राज्यसभा की खाली हो रही एक सीट के लिए होने वाले चुनाव को लेकर भी विचार-विमर्श किया होगा। दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने पार्टी के हरियाणा मामलों के प्रभारी बिप्लब कुमार देब तथा संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा के साथ भी लम्बी बैठक की। यह बैठक पूरी तरह तरह से चुनावी तैयारियों को लेकर थी। उधर, सीएम ने भारत रतन से नवाजे गए भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की।

प्लेन में भी काम

पिछले दिनों मौसम की वजह से मुख्यमंत्री ने दिल्ली-चंडीगढ़ तक का सफर शताब्दी के जरिये किया। अब मौसम खुल चुका है। ऐसे में मुख्यमंत्री ने स्टेट प्लेन और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। शनिवार-रविवार के दिल्ली दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने स्टेट प्लेन में भी अपने स्टाफ के साथ सरकारी फाइलों को निपटाया।

नकारात्मक हो चुका कांग्रेस नेताओं का व्यवहार : नायब सैनी

कुरुक्षेत्र.एजेंसी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष एवं कुरुक्षेत्र लोकसभा सांसद नायब सैनी ने कहा है कि कांग्रेस राज में डूबी देश की अर्थव्यवस्था को नरेन्द्र मोदी सरकार ने फिर से उभार कर देश को शक्तिशाली बना दिया है। मोदी सरकार के शानदार फैसलों के कारण ही भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है और भारत जल्दी ही तीसरी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। सैनी ने संप्रग सरकार के समय के आर्थिक कुप्रबंधन को प्रकट करने वाले श्वेतपत्र पर कहा कि यूपीए सरकार को अधिक सुधारों के लिए तैयार एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी, लेकिन उसने अपने 10 वर्षों के शासन काल में इसे गैर निष्पादित बना दिया।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यूपीए सरकार ने अपनी गलत नीतियों से देश की आर्थिक नींव को काफी कमजोर किया। सैनी ने कहा कि मोदी सरकार के समय जो बैंक घोटाले सामने आए और जिनका भारतीय अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा, उनकी नींव मनमोहन सरकार के समय ही पड़ी थी। नायब सैनी ने कहा कि हर अच्छे फैसले के विरोध करने के व्यवहार के कारण ही देश से कांग्रेस धीरे-धीरे साफ हो रही है। उन्होंने कहा कि किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने के मोदी सरकार के फैसले को जयंत चौधरी सराह रहे हैं, तो इससे कांग्रेस क्यों चिढ़ रही है।

हादसे में दंपति की मौत से गुस्साये लोगों ने एनएच पर लगाया जाम

जगाधरी.एजेंसी

जगाधरी-पांवटा नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार दंपति की मौत हो गई थी। यह छछरौली के नजदीक सोमनदी के नजदीक हुआ था। दुर्घटना में पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत छछरौली अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इससे नाराज क्षेत्र के लोगों ने शनिवार को गांव शेरपुर मोड़ के नजदीक जगाधरी-पांवटा नेशनल हाईवे पर शवों के साथ जाम लगा दिया। इन्होंने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।मृतक के परिजन रवि कुमार ने बताया कि गत दोपहर को यह हादसा हुआ था। यदि समय रहते पुलिस कार्रवाई करती तो हादसे का जिम्मेदार वाहन चालक पकड़ में आ सकता था। गांव बलौली के रवि ने बताया कि रमेश चंद अपनी पत्नी कमलेश रानी के साथ छछरौली किसी काम को लेकर आए हुए थे। छछरौली से घर लौटते समय सोम नदी पुल के समीप अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में 58 वर्षीय रमेश व 56 वर्षीय कमलेश रानी सड़क पर गिरते ही गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत छछरौली अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद रमेश व उसकी पत्नी कमलेश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों का शनिवार को पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया।गांव शेरपुर मोड़ पर सड़क बीच शवों सहित वाहन खड़ा कर लोगों ने जाम लगाकर रोष जताया।

इस मौके पर युवा कांग्रेस नेता आकाश बतरा, हरप्रीत सिंह जंगी, धर्मवीर सिंह, सरपंच श्याम सिंह आदि पहुंच गए। डीएसपी महावीर सिंह व छछरौली थाना के प्रभारी सुमित कंबोज भी पहुंच गए। इन्होंने जाम लगा रहे लोगों से बात की। आकाश बतरा ने भी लोगों से बात की। डीएसपी महावीर सिंह ने हादसे के आरोपी का पता लगाकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम खोला।

बेरोजगारी से युवा हो रहे नशे का शिकार, सरकार नहीं कर रही सुनवाई : सुशील गुप्ता

रोहतक.एजेंसीआम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को स्थानीय अंबेडकर चौक पर प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि जिले के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने युवाओं के रोजगार की आवाज उठाई और सरकार की रोजगार नीति की पोल खोली। इस दौरान बैनर और तख्तियों के माध्यम से सरकार से संबंधित सवाल पूछे। इससे पहले बुधवार को आम आदमी पार्टी ने करनाल में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया और युवाओं के रोजगार की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रदेश के युवाओं के रोजगार के लिए आखिरी दम तक आवाज उठाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में आज प्रदेश का हर युवा सड़कों पर है और बेरोजगारी के कारण त्रस्त है।उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता नौजवानों के रोजगार के लिए पुलिस की लाठियों से नहीं डरेंगे और जेल जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।जिला अध्यक्ष बिजेंद्र हुड्डा ने कहा कि आज प्रदेश के युवा रोजगार न मिलने से अवैध तरीके से विदेश को पलायन करने को मजबूर हैं, जहां पर युवा अपनी जान तक गवां रहे हैं। भाजपा सरकार प्रदेश के युवाओं को भर्ती को लेकर गंभीर नहीं है, परंतु खट्टर सरकार केवल भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। इस मौके पर राजवीर हुड्डा, नरेश बागड़ी, विकास नेहरा, शिव मोहन गुप्ता, कविता शर्मा, भूषण वधवा, राजेश बागड़ी, प्रवेश सहगल, महेश शर्मा, सोनू हनुमान, रविंद्र जाखड़, बनवारी लाल, सूरजपाल, संजय आहलूवालिया सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आप कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

झज्जर (हप्र) जिला प्रशासन द्वारा जिले में लगाई गई धारा 144 के बावजूद आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को झज्जर में बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस दौरान जल्द ही विधानसभा के घेराव करने की भी चेतावनी दी। पार्टी के स्थानीय नेताओं ने सरकार पर सरकारी रोजगार के मामले में वादाखिलाफी करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि सीएम स्वयं दो लाख सरकार नौकरी हर साल देने का वादा कर चुके हैं, लेकिन सरकार की गलत नीतियों के चलते हरियाणा बेरोजगारी में नम्बर वन पर पहुंच गया है।

हरियाणा में HCS एग्जाम आज: 2 पालियों में होगा पेपर, परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में दुकानें बंद रखने के आदेश

चंडीगढ़ . हरियाणा सिविल सर्विस और संबद्ध सेवाओं के 121 पदों के लिए आज परीक्षा शुरू होगी। परीक्षा के लिए 6 जिलों पंचकूला, अंबाला, फरीदाबाद, गुरुग्राम, करनाल और कुरुक्षेत्र में कुल 317 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए सरकार की ओर से अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं। इसके अलावा परीक्षा केन्द्रों के नजदीक 200 मीटर क्षेत्र में फोटोस्टेट की सभी दुकानें भी 11 फरवरी रविवार को सुबह 9 से शाम 6 बजे तक बंद रखने के भी आदेश जारी किए गए हैं।

बताया जा रहा है कि CS की ओर से नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों के आसपास के कोचिंग सेंटर और फोटोस्टेट की दुकानें बंद रहने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि परीक्षा दो पालियों में होगी। सामान्य अध्ययन की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक होगी, जबकि सिविल सर्विस एप्टीट्यूड टेस्ट शाम को तीन से पांच बजे तक होगा।

इन जिलों में परीक्षा केंद्र

परीक्षा के लिए अंबाला में 39 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 11,184 अभ्यर्थी एग्जाम देंगे। वहीं फरीदाबाद 79 केंद्र, 21,312 अभ्यर्थी, गुरुग्राम में 69 केंद्र, 18,456 अभ्यर्थी, करनाल में 47 केंद्र, 14,664 कुरुक्षेत्र में 41 केंद्र, 10,584 और पंचकूला में 42 केंद्र 10,896 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

इन पदों पर होनी है भर्ती

हरियाणा में इस परीक्षा के जरिए एचसीएस कार्यकारी शाखा के 3, उप पुलिस अधीक्षक के 6, आबकारी एवं कराधान अधिकारी के 8, सहायक आबकारी एवं कराधान अधिकारी 19, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक के 1, विकास एवं पंचायत अधिकारी 37, यातायात प्रबंधक के 4, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी 1, सहायक रोजगार अधिकारी के 12 और प्रथम श्रेणी नायब तहसीलदार के 28 पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

RBI के डिप्टी गवर्नर ने चेताया, कहा- AI से पैदा होने वाले खतरों सचेत रहें बैंक

नई दिल्ली.(एजेंसी) बैंकिंग क्षेत्र और इससे जुड़े लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से पैदा होने वाले कानूनी, साइबर जोखिमों और कौशल की कमी जैसे जोखिमों के प्रति सचेत रहना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि एआई और जेनएआई को अपनाने के साथ कानूनों को फिर से परिभाषित किया जाना है।

उद्योग को यह ध्यान देना चाहिए कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम के नियम जल्द ही आने वाले हैं और हो सकता है कि बैंक इनमें से कुछ का उल्लंघन कर दें। इसलिए तैयारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुंबई में भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के द्वारा आयोजित 19वें वार्षिक बैंकिंग प्रौद्योगिकी सम्मेलन में कहा कि बैंकों को ग्राहक सुविधा के बारे में सोचने और उसके अनुसार सेवाएं देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम जब नियम बनाते हैं, तो हमें इसे ग्राहकों के लिए सुविधाजनक बनाने के बारे में सोचना चाहिए और इसमें लगातार सुधार करना चाहिए। शंकर ने कहा कि हर नई तकनीक ने कुछ नौकरियां खत्म की हैं लेकिन नई नौकरियां पैदा भी की हैं। ऐसे में कार्यबल को प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में आया उछाल, मौजूदा वित्तीय वर्ष में 15.60 लाख करोड़ रुपये हुए इकट्ठा

नई दिल्ली.(एजेंसी)वित्तीय वर्ष 2024 में डायरेक्ट टैक्स (प्रत्यक्ष कर) कलेक्शन में 20 फीसदी का उछाल आया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में यह 15.60 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि सरकार के पूरे वित्तीय वर्ष के संशोधित अनुमान का 80 फीसदी है। सीबीडीटी ने एक बयान जारी कर बताया कि डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में मजबूत वृद्धि देखी जा रही है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 10 फरवरी 2024 तक 18.38 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि बीते साल के कलेक्शन से 17.30 फीसदी ज्यादा है।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन से नेट रिफंड को हटा दें तो ये 15.60 लाख करोड़ रुपये हैं, जो कि पिछले साल के नेट

कलेक्शन से 20.25 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए ये कलेक्शन सरकार के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के संशोधित अनुमान का 80.23 फीसदी है। 1 अप्रैल 2023 से लेकर 10 फरवरी 2024 तक 2.77 लाख करोड़ रुपये रिफंड दिए गए हैं। सीबीडीटी ने बताया कि कॉरपोरेट इनकम टैक्स और पर्सनल इनकम टैक्स में भी वृद्धि हुई है। सीबीडीटी के अनुसार, कॉरपोरेट इनकम टैक्स में 9.16 प्रतिशत और पर्सनल इनकम टैक्स में 25.67 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिफंड को एडजस्ट करने के बाद यह वृद्धि क्रमशः 13.57 प्रतिशत और 26.91 प्रतिशत है।

200 पर जाएगा यह शेयर, सरकार के इस खबर का असर! एक साल से कर रहा मालामाल, एक्सपर्ट बोले- खरीदो

नई दिल्ली.(एजेंसी)

बीते एक साल में रेलवे से जुड़ी कंपनी इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड यानी IRFC के शेयर ने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। जनवरी 2024 में शेयर ने ?190 प्रति शेयर के स्तर को पार किया था। इसके बाद से शेयर बिकवाली मोड में नजर आ रहा है। हालांकि, इस बिकवाली के बावजूद एक्सपर्ट शेयर को लेकर बुलिश नजर आ रह हैं। बता दें कि कंपनी ने हाल ही में दिसंबर तिमाही के नतीजे भी जारी किए हैं।

क्या है शेयर की कीमत

बीते शुक्रवार को IRFC के शेयर की कीमत 153.70 रुपये थी, जो एक दिन पहले के मुकाबले 5त्न टूटकर इस स्तर पर बंद हुआ। 23 जनवरी 2024 को शेयर ने 192.80 रुपये के ऑल टाइम हाई को टच किया था। वहीं, 28 मार्च 2023 को शेयर की कीमत 25.45 रुपये के निचले स्तर तक थी। मतलब ये हुआ कि एक साल से भी कम अवधि में शेयर पेनी के कैटेगरी से बाहर आ गया। इस दौरान निवेशकों को 400 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न मिला है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

शेयर बाजार के जानकारों की मानें तो IRFC के शेयर ने तिमाही आधार पर परिचालन से राजस्व में मामूली वृद्धि दर्ज की है। नतीजे से पहले शेयर में बिकवाली देखी गई लेकिन एक बार फिर इसमें उछाल आ सकता है और अल्पावधि में ?180 और ?200 के स्तर तक जा सकता है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए IRFC के नतीजों पर बोलते हुए स्टॉकबॉक्स के पार्थ शाह ने कहा- भारतीय रेलवे वित्त निगम लिमिटेड के राजस्व में साल-दर-साल आधार पर वृद्धि देखी गई लेकिन तिमाही आधार पर हल्की गिरावट है। हालांकि, कंपनी का बकाया ऋष्टा बढ़ गया। पार्थ शाह के मुताबिक, सरकार का लक्ष्य रेलवे क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना है और सरकार द्वारा कई योजनाएं शुरू की गई हैं।

खुलने से पहले IPO ने जुटाए 25 करोड़ रुपये, ग्रे मार्केट में कंपनी का दबदबा, कल बड़ा दिन

नई दिल्ली. आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए यह हफ्ता काफी व्यस्त रहने वाला है। WTI Cabs IPO कल यानी 12 फरवरी को ओपन हो रहा है। कंपनी ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। जिसकी वजह से निवेशकों का ध्यान इस आईपीओ की ओर बढ़ा है। बता दें, कंपनी ने एंकर निवेशकों के जरिए 25.24 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ 9 फरवरी को ओपन हुआ था। तब कंपनी ने 1, 785,000 शेयरों को जारी करके 25.25 करोड़ रुपये जुटाए थे। एंकर निवेशकों को जारी किए 50 प्रतिशत शेयरों का लॉक इन पीरियड 30 दिनों का है। बाकि बचे 50 प्रतिशत हिस्से का 90 दिन है।

क्या है प्राइस बैंड?

WTI Cabs IPO का प्राइस बैंड 140 रुपये से 147 रुपये प्रति शेयर तय हुआ है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 1,47,000 रुपये का दांव लगाना पड़ेगा। कोई भी रिटेल निवेशक एक बार में अधिकतम 1 लॉट पर ही दांव लगा सकता है। बता दें, यह आईपीओ 14 फरवरी तक खुला रहेगा। कंपनी की तरफ से शेयरों का अलॉटमेंट 15 फरवरी को किया जाएगा। शेयर बाजार में कंपनी की लिस्टिंग 19 फरवरी 2024 को होगी। कंपनी की एनएसई एसएमई में लिस्टिंग है।इन्वेस्टर गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। आईपीओ आज 135 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। अगर यही स्थिति कंपनी की लिस्टिंग तक रही तो आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 91 प्रतिशत से अधिक का मुनाफा करवा सकता है।

LIC ने बनाया कमाई का रेकॉर्ड, कहीं पीछे छूट गई मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज

नई दिल्ली.(एजेंसी) नई दिल्ली- शेयर मार्केट में पिछले हफ्ते गिरावट रही। इस दौरान सेंसेक्स की टॉप 10 वैल्यूएबल कंपनियों में से चार के मार्केट कैप में कुल 2.18 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। सबसे अधिक फायदा एलआईसी (LIC) और एसबीआई (SBI) को हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS), एलआईसी और एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। इन कंपनियों का बाजार मूल्यांकन सामूहिक रूप से 2,18,598.29 करोड़ रुपये बढ़ गया। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक (HDFC Bank), आईसीआईसीआई बैंक (ICICI Bank), इन्फोसिस (Infosys), भारती एयरटेल (Bharti Airtel), हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL) और आईटीसी (ITC) के मार्केट कैप में सामूहिक रूप से 1,06,631.39 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी का शेयर पिछले हफ्ते ऑल टाइम हाई पर पहुंचा। इससे कंपनी के मार्केट कैप में काफी उछाल देखने को मिली। पिछले हफ्ते सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों में से.

पिछले सप्ताह बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 490.14 अंक या 0.67 प्रतिशत की गिरावट आई। इस दौरान एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 86,146.47 करोड़ रुपये बढ़कर 6,83,637.38 करोड़ रुपये हो गया। एलआईसी का शेयर सोमवार को लगभग छह प्रतिशत की बढ़त के साथ पहली बार 1,000 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एसबीआई की बाजार हैसियत 65,908.26 करोड़ रुपये बढ़कर 6,46,365.02 करोड़ रुपये हो गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 61,435.47 करोड़ रुपये बढ़कर 15,12,743.31 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 5,108.09 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 19,77,136.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में इन दो PSU शेयरों का जलवा, निवेशकों को हुआ तगड़ा फायदा

नई दिल्ली.(एजेंसी) सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 2.18 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। सबसे अधिक लाभ भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एलआईसी और एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। इन कंपनियों का बाजार मूल्यांकन सामूहिक रूप से 2,18,598.29 करोड़ रुपये बढ़ गया। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 1,06,631.39 करोड़ रुपये की गिरावट आई। पिछले सप्ताह बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 490.14 अंक या 0.67 प्रतिशत की गिरावट आई।

इस रुख के उलट एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 32,963.94 करोड़ रुपये घटकर 10,65,808.71 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी का मूल्यांकन 30,698.62 करोड़ रुपये घटकर 5,18,632.02 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 16,132.15 करोड़ रुपये घटकर 6,31,044.50 करोड़ रुपये रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 10,044.09 करोड़ रुपये कम होकर 6,92,980.35 करोड़ रुपये रह गया।आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 9,779.06 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,09,254.77 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,013.53 करोड़ रुपये घटकर 5,69,587.91 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमश टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल,

भारत पहुंची हूतियों के आतंक की आंच, बढ़ सकती है मारुति की कॉस्ट, जानिए क्या है कनेक्शन

नई दिल्ली.(एजेंसी) नई दिल्ली- लाल सागर संकट के कारण अब भारतीय कंपनियां भी प्रभावित होने लगी है। इस संकट से जहाजों के मार्ग में बदलाव के कारण देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (स्स्ढ्ढरु) की लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। वाहन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने पिछले कैलेंडर साल में लगभग 2.7 लाख कारों का निर्यात किया था। हालांकि, कंपनी ने कहा है कि

उसे नहीं लगता कि इस मुद्दे का उसके निर्यात पर कुछ विशेष प्रभाव पड़ेगा। लाल सागर जलडमरूमध्य वैश्विक कंटेनर यातायात के 30 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 12 प्रतिशत के लिए महत्वपूर्ण है। यूरोप के साथ भारत का लगभग 80 प्रतिशत वस्तुओं का व्यापार इसी मार्ग से होता है। लेकिन पिछले कुछ समय से ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने वहां आतंक मचा रखा है। इस कारण वहां से जहाजों के आवागमन पर प्रभाव पड़ा है।एमएसआई के कार्यकारी अधिकारी (कॉरपोरेट मामले) राहुल भारती ने कहा, 'लाल सागर मुद्दे के कारण हमें कुछ लॉजिस्टिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जोखिम और वाहनों के मार्ग में बदलाव की वजह से लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन यह उल्लेखनीय नहीं होगी।' उन्होंने कहा कि माल निर्यात के समय में कुछ बदलाव हो सकता है। इससे जहाजों के आने और निर्यात के लिए वाहनों के उठाव में कुछ अनिश्चितता देखने को मिल सकती है। भारती ने कहा कि यह एक छोटा मुद्दा है, लेकिन निर्यात कारोबार में एक सामान्य बात है। भारती ने कहा कि मारुति सुजुकी ने इस दशक के अंत तक कम से कम 7.5 लाख वाहनों के निर्यात करने का लक्ष्य रखा है।

लहसुन की कीमतों में भारी उछाल, 500 रुपए प्रति किलो पहुंची कीमत

नई दिल्ली.(एजेंसी)

देशभर में लहसुन की कीमत में भारी उछाल देखने को मिल रहा है। कुछ दिन पहले तक दिल्ली में 100 से 150 रुपए किलो तक बिकने वाला लहसुन आज 450 से 500 रुपए किलो में बिक रहा है। इससे आम आदमी के घर का बजट भी बिगड़ चुका है। साथ ही किसान भी अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं।

देशभर में लहसुन की कीमत में भारी उछाल देखने को मिल रहा है। कुछ दिनों पहले तक दिल्ली में 100 से 150 रुपए किलो तक बिकने वाला लहसुन आज 450 से 500 रुपए किलो में बिक रहा है। इससे आम आदमी के घर का बजट भी बिगड़ चुका है। साथ ही किसान भी अपने आप को ठगा महसूस...

किसानों से काफी सस्ती कीमत पर व्यापरियों ने खरीदा लहसुन

किसानों का कहना है कि उन्होंने 40 से 50 रुपए की दर से व्यापारियों को लहसुन बेची थी लेकिन कैसे लहसुन की कीमतें बेकाबू हो रही हैं, उन्हें भी समझ में नहीं आ रहा है। अगर 50 रुपए के हिसाब से भी अंदाजा लगाया जाए तो ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट को जोड़ कर इसकी लागत 80 रुपए के आसपास बैठती है, जिसे मुनाफा जोड़ कर 125 से 150 रुपए किलो तक में बिकना चाहिए लेकिन लहसुन की वास्तविक कीमत तिगुनी होकर साढ़े चार सौ से 500 रुपए किलो तक हो गई है। किसानों के मुताबिक, लहसुन की पैदावार इतनी है कि पिछले 3 साल से 5 से 10 रुपए किलो के हिसाब से वे व्यापारियों को लहसुन दे रहे हैं, या फिर पशुओं को खिलाना पड़ता है और अगले महीने नई फसल भी आ जाएगी। बावजूद इसके लहसुन की कीमत बेलगाम है और इसका कारण कहीं न कहीं किल्लत को दर्शा कर मुनाफाखोरी करना है।

लहसुन की अच्छी पैदावार के बाबजूद कीमत हुई बेलगाम

दिल्ली के दो सबसे बड़े मंडी आजादपुर और ओखला के लहसुन व्यापारियों का कहना है कि मांग के अनुसार लहसुन की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, यही वजह है कि अभी लहसुन की बढ़ती कीमतों से न केवल खुदरा खरीदार बल्कि इसके थोक व्यापारी भी परेशान हैं। उन्हें उम्मीद है कि अगले महीने लहसुन की नई फसल आने के बाद इसमें कमी आएगी।

खुदरा में लहसुन की कीमत

बात करें दिल्ली की मंडियों में बिक रहे लहसुन की कीमत की तो अलग-अलग जगहों पर क्वालिटी के अनुसार विभिन्न कीमतों पर बिक रही है, जो अधिकतम साढ़े चार सौ से 500 रुपए किलो तक है। केशोपुर मंडी के लहसुन व्यापारी गिरानी ने बताया कि केशोपुर में लहसुन 400 रुपए किलो बिक रही है, जो खुदरा में 600 तक का बिक रहा है।

यही वजह है कि बाजारों में मटर-टमाटर, गोभी समेत तमाम सस्ती सब्जियों की उपलब्धता के बावजूद लोगों के खाने का स्वाद बढ़ाने वाले लहसुन के गायब होने से ये मौसमी सब्जियां भी स्वादहीन हो रही हैं।

लाल सागर संकट से लागत पर कुछ असर पड़ सकता है मारुति

नई दिल्ली.(एजेंसी) बिजनेस डेस्कः लाल सागर संकट के कारण जहाजों के मार्ग में बदलाव के कारण देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। वाहन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने पिछले कैलेंडर साल में लगभग 2.7 लाख कारों का निर्यात किया था। हालांकि, कंपनी ने कहा है कि उसे नहीं लगता कि इस मुद्दे का उसके निर्यात पर कुछ विशेष प्रभाव पड़ेगा। एमएसआई के कार्यकारी अधिकारी (कॉरपोरेट मामले) राहुल भारती ने कहा, ''लाल सागर मुद्दे के कारण हमें कुछ लॉजिस्टिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जोखिम और वाहनों के मार्ग में बदलाव की वजह से लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है लेकिन यह उल्लेखनीय नहीं होगी।%% उन्होंने कहा कि माल निर्यात के समय में कुछ बदलाव हो सकता है।

लाल सागर संकट के कारण जहाजों के मार्ग में बदलाव के कारण देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुज़ुकी इंडिया (एमएसआई) की लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। वाहन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने पिछले कैलेंडर साल में...

इससे जहाजों के आने और निर्यात के लिए वाहनों के उठाव में कुछ अनिश्चितता देखने को मिल सकती है। भारती ने कहा कि यह एक छोटा मुद्दा है, लेकिन निर्यात कारोबार में एक सामान्य बात है।लाल सागर जलडमरूमध्य वैश्विक कंटेनर यातायात के 30 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 12 प्रतिशत के लिए महत्वपूर्ण है।

यूरोप के साथ भारत का लगभग 80 प्रतिशत वस्तुओं का व्यापार इसी मार्ग से होता है। भारती ने कहा कि मारुति सुजुकी ने इस दशक के अंत तक कम से कम 7.5 लाख वाहनों के निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि अफ्रीका एक अच्छा बाजार बनता जा रहा है और कई कारणों से पश्चिम एशिया क्षेत्र ने हाल काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारती ने कहा कि सरकार कुछ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर कर रही है, जिसमें कंपनी को शुल्क में कुछ राहत मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मारुति इस साल बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) का उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। इस तरह का पहला मॉडल एक मध्यम आकार की एसयूवी होगी।

यह मॉडल घरेलू बाजार की जरूरतों को पूरा करेगा। इसके अलावा इसका जापान और यूरोप को निर्यात भी किया जाएगा।

बच्चों को वजन बढ़ाएगी शकरकंदी, सर्दियों में खिलाने से मिलेंगे ढेरों फायदे

सर्दियों के मौसम में बच्चे बहुत जल्दी बीमार होते हैं। ऐसे में इस दौरान पेरेंट्स इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि उन्हें ऐसा क्या खिलाएं जो उनके स्वास्थ्य को नुकसान ना पहुंचाए। यदि आप भी इस मौसम में बच्चे के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा परेशान हैं तो आज आपको एक ऐसी चीज बताते हैं जो आप उन्हें खिला सकते हैं। इस मौसम में आप बच्चों को शकरकंद खिला सकते हैं। आइए जानते हैं बच्चों को शकरकंदी खिलाने के फायदे...

कब खिलाएं बच्चों को शकरकंदी?

शकरकंद स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर होती है। यह छोटे बच्चों को आसानी से आप खिला सकते हैं। 6 महीने में आप बच्चों को शकरकंदी खिला सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि शकरकंद पूरी तरह से नरम और पकी हुई हो। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, फॉस्फोरस, पौटेशियम और सोडियम मौजूद होता है। इसकी सारी किस्में बच्चों के लिए फायदेमंद होती हैं। शकरकंदी में पाया जाने वाला विटामिन-ए, एंथोसायनिन बच्चे की इम्यूनिटी पॉवर को मजबूत बनाने में मदद करता है।

बच्चों के मस्तिष्क का होगा विकास

इसमें बीटा-कैरोटीन, विटामिन-ए पाया जाता है। यह बच्चों के स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है। इसमें विटामिन-बी6 भी पाया जाता है जो बच्चे के मस्तिष्क का विकास करने में मदद करता है।

मेटाबॉल्जिम बनेगा दुरुस्त

शकरकंद मेटाबॉल्जिम को दुरुस्त बनाए रखने में मदद करता है। मेटाबॉल्जिम को ठीक रखने के लिए कई तरह के मिनरल्स की जरुरत होती है। यह सारे मिनरल्स शकरकंद में पाए जाते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें विटामिन-ए पाया जाता है जो शारीरिक विकास और आंखों के लिए बहुत ही जरुरी पोषक तत्व मौजूद होता है। इसलिए बच्चों को इसे जरुर खिलाएं। शकरकंद में मौजूद बीटा-कैरोटीन शरीर में विटामिन-ए बनाता है। आंखों की रोशनी यदि आप बच्चों को बढ़ाना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कब्ज की समस्या होगी दूर

छोटे बच्चों को अक्सर कब्ज की समस्या रहती है। ऐसे में आप सर्दियों में उनकी डाइट में शकरकंदी शामिल कर सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला डाइटरी फाइबर बच्चों में कब्ज की समस्या दूर करने में मददगार माना जाता है।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

इसमें पाया जाने वाला विटामिन-सी बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत बनाने में मदद करता है। शकरंकद का सेवन करने से बच्चे जल्दी बीमार नहीं पड़ते।

एनर्जेटिक बनेंगे बच्चे

शकरकंद में स्टार्च और विटामिन्स पाया जाता है जो शिशु को एनर्जेटिक बनाते हैं। ऐसे में शकरकंद सूपरफूड के तौर पर मानी जाती है आप इसे बच्चों को खिला सकते हैं।

बढ़ेगा वजन

यदि आपके बच्चे पतले हैं तो भी आप उन्हें शकरकंदी खिला सकते हैं। इसमें पाया जाने वाली कैलोरी की मात्रा शिशु का वजन बढ़ाने में मदद करती है। इसका सेवन करने से शिशु का शारीरिक विकास भी होगा।

दलित-वंचित समाज बनाम हिंदुत्व

यह चुनाव गोदी मीडिया के नैरेटिव पर लड़ा जाएगा? विपक्ष की एकजुटता में आई दरार के बावजूद यह चुनाव मोदी के लिए कतई आसान नहीं है। यही कारण है कि भाजपा अपने नए-पुराने तमाम साथियों को साधने में लगी है। दरअसल, यह देश के दलितों और वंचितों के अस्तित्व की लड़ाई का सबसे बड़ा चुनाव होने जा रहा है। दूसरे शब्दों में, 2024 का चुनाव यह तय करेगा कि दलितों वंचितों का भविष्य सुरक्षित रहेगा या नहीं।

2024 का लोकसभा चुनाव बेहद करीब है?। सत्तापक्ष यानी नरेंद्र मोदी के मंसूबों लिए यह चुनाव बेहद खास है। जबकि विपक्ष के लिए करो या मरो की स्थिति है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक पांच महीने तक अनवरत (7 सितंबर,2022 से 26 जनवरी 2023) पैदल चलते हुए राहुल गांधी ने 4000 किमी की भारत जोड़ो यात्रा की। नरेंद्र मोदी की भय, नफरत और विभाजन की राजनीति के बरक्स राहुल गांधी ने सौहार्द्र और प्रेम का संदेश दिया। इस यात्रा से उपजे माहौल में विपक्षी दल एकजुट होने लगे। मई 2023 में विपक्ष की पहली बैठक पटना में हुई। इसके बाद बंगलौर, मुंबई और दिल्ली में इंडिया अलाइंस बनकर तैयार हुआ। लेकिन जनवरी 2024 तक आते-आते राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं और निजी स्वार्थ टकराने लगे। गठबंधन की शुरुआत करने वाले नीतीश कुमार अब फिर से नरेंद्र मोदी के पाले (पहलू) में जा चुके हैं। इंडिया गठबंधन से विपक्ष का मजबूत नैरेटिव बना था। नीतीश कुमार के जाते ही मोदी की गोदी में बैठा मीडिया रात दिन इसे कमजोर बताने में लगा हुआ है। क्या यह चुनाव गोदी मीडिया के नैरेटिव पर लड़ा जाएगा? विपक्ष की एकजुटता में आई दरार के बावजूद यह चुनाव मोदी के लिए कतई आसान नहीं है। यही कारण है कि भाजपा अपने नए-पुराने तमाम साथियों को साधने में लगी है। दरअसल, यह देश के दलितों और वंचितों के अस्तित्व की लड़ाई का सबसे बड़ा चुनाव होने जा रहा है।दूसरे शब्दों में, 2024 का चुनाव यह तय करेगा कि दलितों वंचितों का भविष्य सुरक्षित रहेगा या नहीं। डॉ आंबेडकर ने 1940 में ही इस चुनौती को समझ लिया था। उन्होंने अपनी किताब %पाकिस्तान ऱ्द पार्टीशन आफ इंडिया% में स्पष्ट तौर पर लिखा था कि अगर हिंदू राष्ट्र बनता है तो यह करोड़ों दलितों के लिए बड़ी आपदा साबित होगी। इसलिए किसी भी कीमत पर इसे रोका जाना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि हिंदू राष्ट्र ब्रिटिश हुकूमत से भी ज्यादा क्रूर होगा। आज एक तरफ तमाम बाबा और हिंदुत्ववादी संगठन भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने का ऐलान कर रहे हैं तो दूसरी तरफ सत्तातंत्र के जरिए बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को धीरे-धीरे कुतरा जा रहा है। भाजपा के कतिपय नेताओं से लेकर प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष विवेक गोयनका संविधान को बदलने की बात कह चुके हैं।

गांधी, नेहरू और आंबेडकर के समय से मौजूद हिन्दुत्ववादियों के मंसूबे जगजाहिर हैं। हिंदुत्व के नायक सावरकर ने आजादी के आंदोलन में खुलेआम अंग्रेजों का साथ दिया। भारत छोड़ो आंदोलन और सुभाषचन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज के संघर्ष के समय सावरकर ने अंग्रेजी सेना का सहयोग किया। आजादी और नया संविधान हिन्दुत्ववादियों को कतई नहीं भाया। इसलिए वे विभाजन के समय सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने के लिए खासकर पाकिस्तान से आने वाले हिंदुओं और सिक्खों को उकसाने में लगे रहे। गांधीजी की शहादत भी इसी साज़िश का हिस्सा थी। लेकिन इसके बाद लंबे समय तक हिंदुत्ववादी हाशिए पर रहे।कांग्रेसी सत्ता के सामने विपक्ष के साथ झूठ और फरेब करके हिंदुत्ववादी अपने आपको खड़ा करने की कोशिश करते रहे। अपनी असलियत को छुपाकर दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के बीच धर्म के नाम घुसपैठ करते रहे। 90 के दशक में पहली बार उन्हें कामयाबी मिली। मंदिर आंदोलन के उभार के बावजूद वे अल्पमत में रहे। लेकिन 2014 में कारपोरेट के रथ पर सवार होकर झूठ की दुकान सजाकर नरेंद्र मोदी पूरे बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में दाखिल हुए। इसके बाद आरएसएस ने अपने एजेंडे को लागू करना शुरू किया। पहले पांच साल में खासकर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कुचला गया। उनके खिलाफ सरेआम नफरत और हिंसा हुई। दूसरे कार्यकाल में मोदी संघ के असली एजेंडे की तरफ बढ़े।दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के अधिकारों और अवसरों को कुचला जाने लगा। जाति-व्यवस्था के पेंच कसे जाने लगे और हिन्दू राष्ट्र बनाने की मुनादी की जाने लगी। उस संविधान को हटाने की बात होने लगी, जिसने वंचितों की सदियों की गुलामी से मुक्त किया। मनुस्मृति, गीता और रामचरित मानस का महिमा मंडन किया जाने लगा। जाहिर तौर पर इन धर्मग्रंथों के जरिए वर्ण और जाति-व्यवस्था को जायज ठहराने की साज़िश की जा रही है। ध्यातव्य है कि बाबासाहेब आंबेडकर दलितों, शूद्रों और स्त्रियों की गुलामी के लिए धर्मग्रंथों को ही सबसे बड़ा जिम्मेदार मानते थे क्योंकि इनके जरिए उस व्यवस्था को ईश्वरीय विधान बनाया गया। इसीलिए उन्होंने कहा था कि धर्मग्रंथों को विस्फोटक से उड़ा देना चाहिए।

2024 आरएसएस का शताब्दी वर्ष है। 100वें साल में संघ अपने हिंदू राष्ट्र के सपने को पूरा करना चाहता है। नरेन्द्र मोदी संघ के प्रचारक रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरु दक्षिणा में संघ को हिंदू राष्ट्र सौंपना चाहते हैं। नई संसद में सेंगोल की स्थापना से लेकर राममंदिर के उद्घाटन में समूचे देश को भगवामय बनाकर हिन्दू राष्ट्र की पृष्ठभूमि तैयार की जा रही है।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बाबासाहेब आंबेडकर की चुनौती पराजित हो जाएगी? अथवा इस चुनाव में दलित वंचित समाज डटकर हिंदुत्ववादी ताकत का मुकाबला करेगा? विपक्ष भले ही एकजुट ना दिखाई पड़ रहा हो लेकिन दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का जागरूक तबका एकजुट होकर संविधान और लोकतंत्र को बचाए रखने की अपनी जिद पर अड़ा हुआ है। अपने अधिकारों के प्रति चेतना संपन्न दलित वंचित समाज हिंदुत्ववादी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए बेताब नजर आ रहा है।

संपादकीय

कितने भारत रत्न

इसमें दो राय नहीं, भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। जिन व्यक्तियों ने देश के लिये असाधारण योगदान राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में दिया हो, उन्हें इस सम्मान का हकदार माना जाता रहा है। निश्चित रूप से केंद्र सरकारें अपनी विचारधारा और राजनीतिक सुविधा से पुरस्कारों की घोषणा करती रही है। पिछले दिनों बिहार में सामाजिक क्रांति के अगुवा रहे कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई थी। फिर अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर आंदोलन के सूत्रधार रहे लालकृष्ण आडवाणी को पुरस्कार दिया गया। शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिये किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की जानकारी दी। इस साल अब तक पांच लोगों को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा की जा चुकी है। सोशल मीडिया पर बधाई देने वालों का तांता लगा है लेकिन लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि कितने लोगों को एक साल में भारत रत्न पुरस्कार दिया जा सकता है। कहा जा रहा है कि नियम के अनुसार एक साल में अधिकतम तीन लोगों को ही भारत रत्न से सम्मानित किया जा सकता है। ऐसे में प्रश्न उठाए जा रहे हैं कि क्या इस संबंध में सरकार ने नियमों में कतिपय बदलाव किये हैं या फिर इन्हें किसी दूसरे वर्ष में सम्मानित करने का फैसला किया गया है। निस्संदेह, भारत रत्न सर्वोच्च नागरिक सम्मान है और इसकी अपनी गरिमा और प्रतिष्ठा है। जिनके असाधारण प्रयासों से देश को लाभ हुआ हो उन्हीं को इस पुरस्कार के योग्य माना जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999 में नियम से हटकर चार बड़ी हस्तियों को भारत रत्न के लिये चुना गया था। फिलहाल, विपक्षी दल पुरस्कार की घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों की बात कर रहे हैं।राजनीतिक पंडितों का कहना है कि केंद्र सरकार ने पुरस्कारों के जरिये विभिन्न राज्यों में राजनीतिक समीकरणों को साधा है। चुनावी साल में पांच हस्तियों को देश के सबसे बड़ा नागरिक सम्मान दिये जाने के राजनीतिक निहितार्थ देखे जा रहे हैं। निस्संदेह किसानों के नेता व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जाट समाज में खासा प्रभाव रहा है। यह फैक्टर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली की जाट बहुल सीटों को प्रभावित कर सकता है। इसे चौधरी चरण सिंह की राजनीतिक विरासत संभाल रहे जयंत चौधरी के भाजपा से जुड़ाव की कवायद के रूप में भी देखा जा रहा है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न देकर यह दर्शाने का प्रयास किया कि भाजपा कांग्रेस के पूर्व नेतृत्व को पूरी तरह खारिज नहीं करती। राव को मरणोपरांत यह सम्मान देकर भाजपा ने दक्षिण भारत के मतदाताओं को भी प्रभावित करने का प्रयास ही किया है। कृषि क्रांति के सूत्रधार एमएस स्वामीनाथन के असाधारण योगदान पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। भले ही पुरस्कार की टाइमिंग को लेकर सवाल उठे हों। निस्संदेह पुरस्कार के जरिये दक्षिण भारतीय प्रतिभा को प्रतिष्ठा देने की कोशिश हुई है। जिसको चुनावी वर्ष में दक्षिण के मतदाताओं को प्रभावित करने के तौर पर देखा जा सकता है। यह सर्वविदित है कि किसानों ने पिछले कुछ वर्षों में कृषि सुधारों को लेकर लंबे आंदोलन चलाए हैं। इस कदम को किसानों को संतुष्ट करने के प्रयासों के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं भाजपा व मंदिर आंदोलन के सूत्रधार रहे पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न तब दिया गया जब विपक्ष द्वारा प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पूर्व दिग्गजों की अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाये गए थे। पार्टी ने इसके जरिये न केवल अपने मतदाताओं को संदेश दिया बल्कि यह जताने का प्रयास भी किया कि वह अपने सीनियर नेताओं का सम्मान करती है। वहीं बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को यह सम्मान देने की मंशा वंचित समाज में पैठ बनाने के रूप में देखा गया।

विकसित भारत के लिए चाहिए विकास की नयी राह

बजट का फोकस गरीबों, युवाओं, महिलाओं एवं किसानों पर है जो वाजिब और वांछनीय है। हालांकि, बजट का विवरण इस फोकस को प्रतिबिंबित नहीं करता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सरकार की समग्र जीडीपी-केंद्रित रणनीति इन चार क्षेत्रों को खुद-ब-खुद मदद नहीं करेगी। गरीबों व युवाओं के लिए विशेष रूप से रोजगार-केंद्रित रणनीति की आवश्यकता है जो शिक्षा और कौशल निर्माण से समर्थित हो।

2024-25 का केंद्रीय बजट दो मायनो में महत्वपूर्ण है- 1. वित्तमंत्री ने पिछले दस वर्षों की इस सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और 2. आगामी चुनावों में पार्टी के सत्ता में लौटने की स्थिति में इसने एक विकसित देश के रूप में भारत के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने भाषण की शुरुआत इस धमाकेदार दावे के साथ की कि %पिछले दस वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में गहन सकारात्मक परिवर्तन% हुआ है और जिसमें %समाज के सभी वर्गों के कवरेज के माध्यम से सामाजिक समावेशिता% तथा %देश के सभी क्षेत्रों के विकास के माध्यम से भौगोलिक समावेशिता% का उल्लेख था। हमारी अर्थव्यवस्था की यह अत्यधिक रंगीन तस्वीर ज्यादातर मायनों में तथ्यात्मक रूप से गलत है। कई विशेषज्ञों ने नीति आयोग के इस दावे को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है कि आर्थिक मंदी के दौरान बहुआयामी गरीबी में कमी आई है। विशेषज्ञों ने बताया है कि गरीबी वास्तव में बढ़ी है!

चूंकि 2011-12 से उपभोग व्यय के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं इसलिए वित्त मंत्री द्वारा दावा की गई गरीबी के हेडकाउंट अनुपात में गिरावट भी गलत है। आप उपभोग व्यय संबंधी आंकड़ों के बिना गरीबी अनुपात की गणना नहीं कर सकते। यह दावा भी तथ्यात्मक रूप से गलत है कि श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि उनके सशक्तिकरण को दर्शाती है क्योंकि यह वृद्धि मुख्य रूप से उनके स्वरोजगार में है और इसका मतलब है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महिलाओं की पैठ बढ़ी है। सबसे पहले तो सरकार द्वारा महामारी को संतोषजनक ढंग से संभाला नहीं गया था जिसकी शुरुआत अचानक लगाए गए विचारहीन लॉकडाउन से हुई जिसके कारण हजारों गरीब असहाय प्रवासियों को अपने घर तक पहुंचने के लिए सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। और भी कई अन्य गलतियां हुई उनमें जब सबसे ज्यादा जरूरत थी तब ऑक्सीजन सिलेंडर की भारी कमी भी शामिल हैं। अंत में, रोजगार के मोर्चे पर भी प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इस प्रकार सरकार द्वारा किए गए अधिकांश दावों को चुनौती दी जा सकती है। बजट का फोकस गरीबों, युवाओं, महिलाओं

एवं किसानों पर है जो वाजिब और वांछनीय है। हालांकि, बजट का विवरण इस फोकस को प्रतिबिंबित नहीं करता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सरकार की समग्र जीडीपी-केंद्रित रणनीति इन चार क्षेत्रों को खुद-ब-खुद मदद नहीं करेगी।

गरीबों व युवाओं के लिए विशेष रूप से रोजगार-केंद्रित रणनीति की आवश्यकता है जो शिक्षा और कौशल निर्माण से समर्थित हो। बड़े पैमाने पर उत्पादक रोजगार का सृजन समावेशी विकास तक पहुंचने का सुनिश्चित तरीका है। हमारी 79 प्रतिशत साक्षरता (21फीसदी निरक्षरता) और लगभग 30-35 प्रतिशत आबादी माध्यमिक स्तर तक शिक्षित है। यह कार्यबल भारत की मुख्यधारा की विकास प्रक्रिया में भाग लेने में सक्षम नहीं है।

युवा और गरीब तब तक हाशिए पर और वंचित रहेंगे जब तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर खर्च में भारी वृद्धि नहीं होती है एवं बड़े पैमाने पर उत्पादक रोजगार का सृजन नहीं होता है। संयोग से 80 करोड़ लोगों यानी लगभग 60 फीसदी आबादी को मुफ्त अनाज वितरण भी एक प्रकार की चैरिटी है तथा उत्पादक रोजगार का सृजन कहीं बेहतर विकल्प है।महिला सशक्तिकरण की अवधारणा को समझना जटिल है। महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी पुरुष अधीनता की जड़ें पितृसत्तात्मक व्यवस्था में हैं। समग्र रूप से महिलाओं की कम भागीदारी दर और श्रम बाजार में उनकी दीन-हीन स्थिति श्रम के पितृसत्तात्मक विभाजन से उत्पन्न होती है जिसके तहत महिलाएं परिवार में अवैतनिक घरेलू काम और बच्चे, बूढ़े, बीमार एवं विकलांग की अवैतनिक देखभाल के लिए जिम्मेदार होती हैं। उन पर श्रम बाजार में पितृसत्तात्मक कई मानदंडों द्वारा भी प्रतिबंध लगे होते हैं। घरेलू स्तर पर श्रम का विभाजन पुरुषों को परिवार के लिए ब्रेडविनर की भूमिका आबंटित करता है तथा महिलाओं को घर का कामकाज संभालने की जिम्मेदारी सौंपता है। मतलब यह कि महिलाएं घर के रखरखाव (परिवार के लिए सफाई, धोना, खाना बनाना आदि) और घर में बच्चे, बूढ़े, बीमार व विकलांगों की देखभाल करने की जिम्मेदारी उठाती हैं। यहां तक कि जब उन्हें काम पर नियुक्त किया जाता है तो उस स्थिति में भी यह घर की महिला होती है जो घर के रखरखाव और देखभाल के लिए जिम्मेदार होती है।

नतीजा यह होता है कि महिलाएं या तो श्रम बाजार में प्रवेश नहीं करती हैं अथवा वे अपने कंधों पर घरेलू जिम्मेदारी के साथ प्रवेश करती हैं। श्रम बाजार में लैंगिक असमानता श्रम बाजार के प्रवेश द्वार से ही शुरू होती है। कम मानव पूंजी एवं श्रम बाजार में प्रतिबंधित गतिशीलता के साथ, पितृसत्तात्मक मानदंडों की वजह से श्रम बाजार में उनकी पसंद भी लिंग आधारित है। इसी कारण वे घर के करीब काम करना पसंद करती हैं, अंशकालिक या लचीला काम पसंद करती हैं व कार्यस्थल पर एक सुरक्षित वातावरण चाहती हैं। आम तौर पर वे पारंपरिक, कम उत्पादकता वाली नौकरियों में भीड़-भाड़ वाले स्थान होते हैं। विशेष रूप से हमारे जैसे पारंपरिक देश में महिला की स्थिति आमतौर पर अधीनस्थ की होती है।अगर सरकार चाहती है कि महिलाएं सशक्त हों और श्रम बाजार में भी प्रवेश करें तो उन्हें पहले अवैतनिक काम में कमी के लिए काम करना होगा। यह प्रौद्योगिकी में सुधार करके सुनिश्चित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, लकड़ी का उपयोग करके पारंपरिक चूल्हों के स्थान पर खाना पकाने के लिए ईंधन कुशल स्टोव प्रदान करना, अवैतनिक कार्य को कम करने के लिए संरचनात्मक सहायता प्रदान कर घर पर पानी की आपूर्ति करना, बाल, विकलांग या वृद्धों की देखभाल जैसे अवैतनिक कार्य के एक हिस्से को मुख्यधारा के संस्थानों में स्थानांतरित करके ऐसा किया जा सकता है।

अवैतनिक कार्य का एक हिस्सा व्यवसायिक संस्थानों, जो बाल देखभाल और अन्य देखभाल के लिए शुल्क लेते हैं या नागरिक समाज संगठनों द्वारा प्रदान किया जा सकता है। ये कदम महिलाओं को काफी हद तक अवैतनिक कार्य के बोझ से मुक्त करेंगे, उन पर समय के तनाव को कम करेंगे ताकि वे नए कौशल प्राप्त कर सकें अथवा उत्पादक कार्यों में भाग ले सकें। श्रम बाजार में लैंगिक समानता लाने के लिए सरकार को महिलाओं की शिक्षा व कौशल स्तर में सुधार के लिए एक बड़ा जंप लेना होगा।दुर्भाग्य से भारत सरकार, महिलाओं की अधीनस्थता और श्रम बाजार में महिलाओं की कम भागीदारी तथा निम्न स्थिति में अवैतनिक कार्य तथा सामाजिक मानदंडों की भूमिका को मान्यता नहीं देती है। इसने महिलाओं की वास्तविक बाधाओं को दूर करने के बारे में कोई नीति नहीं बनाई है। सरकार को यह समझना चाहिए कि कमजोर वर्गों की महिलाओं पर उनके अवैतनिक काम को कम किए बिना श्रम बाजार में अधिक काम करने का बोझ डालने से उनके सशक्तिकरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है।जहां तक हमारे देश को विकसित भारत की ओर ले जाने की कार्यनीति का संबंध है, यदि हम इसी विकास पथ पर चलते रहेंगे तो उससे देश में समावेशी और सर्वव्यापी विकास प्राप्त करने में मदद नहीं मिलेगी। %सबका साथ% तभी होगा जब कोई हमारी आबादी के अत्यधिक पिछड़े और हाशिए पर गए वर्गों का ध्यान रखेगा।

स्वप्नलोक की नगरी किन्नौर

परीकथाओं और स्वप्नलोक की धरती हरी-भरी घाटियों, फलों के बाग, अंगूर के बाग, बर्फ से ढकी चोटियों व पहाड़ों से घिरी है। अगर इस धरती को देखने की इच्छा रखते हैं तो आप किन्नौर की घाटी की सैर करें।

क्या आपने कभी स्वर्ग की सैर की है ? आप लोग सोच रहे होंगे कि मैं कश्मीर की बात कर रहा हूं, मगर इस बार मैं आपको धरती पर बने दूसरे स्वर्ग की सैर करा रहा हूं। सोच क्या रहे हैं! हो जाइए तैयार परीलोक या स्वप्न लोक की सैर करने को।

किन्नौर की किन्नरी महिलाएं अपनी मधुर आवाज में लोकगीत गुनगुनाती हुई किन्नौर की घाटी में आने वाले पर्यटकों का मन मोह लेती हैं और उनको सुकून महसूस कराती हैं। किन्नौर जाने वाले पर्यटक चाहे वो जवान हों या बुजुर्ग वे शांत पहाड़ों के बीच हरियाली देखकर आंतरिक और बाह्य दोनों रूप से शांत व प्रसन्नचित्त होते हैं।

किन्नौर का इतिहास

स्वतंत्रता से पूर्व किन्नौर भूषण राज्य का हिस्सा था। स्वतंत्रता के बाद किन्नौर महसाऊ जिले के चीनी तहसील का हिस्सा बन गया। बॉर्डर क्षेत्र का हिस्सा होने के कारण किन्नौर 1 मई 1960 में जिला बन गया और इस क्षेत्र का विकास भी अतिशीघ्र हुआ। ऐसा माना जाता है कि पांडवों ने भी कुछ सालों का वनवास किन्नौर की धरती पर ही काटा था। कुछ पुरातात्विक लेखों में ऐसा भी माना जाता है कि किन्नौर देव भूमि है। जिसमें भगवान के दूत रहते थे, जिन्हें किन्नर कहा जाता था।

पर्यटकों के लिए दर्शनीय स्थल

रिकांग पिओः शिमला से 231 किमी दूर बसा रिकांग पिओ जिला मुख्यालय है। यहां से किन्नर कैलाश के बहुत ही भव्य दृश्य देखने को मिलते हैं रिकांग पिओ में ठहरने के लिए बहुत से होटल व गेस्ट हाउस हैं।

कालपाः पोवारी से 14 किमी की दूरी पर कालपा जिला स्थित है। नदी के पार किन्नर कैलाश की पर्वतमाला है। यहां पर लोग सूर्योदय देखने के लिए उमड़ते हैं। जब सूर्य की पहली किरण पर्वत श्रृंखलाओं पर पड़ती है तो बर्फ से ढकी चोटियां सुनहरी रोशनी से चमक उठती है।

सांगला घाटीः सांगला घाटी बासपा नदी के दांए तट पर बसी है। करचम से 17 किमी की दूरी पर बसे सांगला घाटी तक की यात्रा बड़ी ही मनोरंजक व रोमांचक होती है। चारों तरफ बर्फ ही बर्फ और प्राकृतिक दृश्य बहुत ही मनोरम दृश्य उकेरते हैं।

चितकुलः बासपा घाटी में यह सबसे ऊंचा व आखिरी गांव है। यह बासपा नदी के दाईं ओर ही स्थित है। यहां स्थानीय देवता माथी के तीन मंदिर भी हैं जो 500 साल पूर्व बने थे।

निछारः यह गांव तरांडा और वांगद के मध्य सतलज नदी के बाएं तट पर बसा है। यहां के दृश्य आपको वशीभूत भी कर सकते हैं। कभी-कभी ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं में घोरल, काला, लाल भालू व हिरण भी नजर आ जाते हैं।

कोठीः कोठी को कोष्ठांपी भी कहते हैं। यह कालपा से थोड़ा नीचे बसा है और किन्नर कैलाश श्रृंखला से ढका भी है। इस गांव में आकर्षक मंदिर, हरे भरे खेत, फलों के बाग बहुत ही सुंदर प्रतीत होते हैं। इस गांव में शुवांग चंडिका देवी का मंदिर भी है।

पुहः स्थानीय भाषा में इस जगह को स्पुवा बोलते हैं। यह नेशनल हाइवे 22 से ऊपर बसा है। यहां आधुनिक सुख-सुविधा के साथ-साथ हरे मैदान, अखरोट, बादाम और अंगूर के बगीचे वहां की खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। यहां के स्थानीय देवता को डाबला कहते हैं।

नाकोः दगरांग घाटी से 2 किमी दूरी पर स्थित है। इस गांव में बर्फ के टुकड़ों से जमी झील है और उसके ऊपर पड़ी बर्फबारी गांव की खूबसूरती और बढ़ा देती है।

किन्नर कैलाश सर्किटः किन्नर कैलाश सर्किट की पर्यटक परिक्रमा करते हैं। यह पवित्र परिक्रमा मोरांग से शुरू होकर कालपा/रक्छम में जाकर सात से आठ दिन में समाप्त होती है।

यात्रा से जुड़ी हुई कुछ महत्वपूर्ण बातें

अगर आप बाहर किसी होटल में ठहरते हैं तो यह ध्यान रखें कि ज्यादा देर से डिनर न लें और रात के भोजन के बाद थोड़ी देर जरूर टहलें. ऐसा नहीं करेंगे तो यात्रा की थकान और अनियमित भोजन से इम्यून सिस्टम प्रभावित होगा और एसिडिटी की समस्या भी हो सकती है. तब आप छुट्टियों और मौसम का भरपूर आनंद नहीं उठा पाएंगे. शरीर की सुस्ती दूर करने के लिए व्यायाम जरूर करें, इससे न केवल आप तरोताजा रहेंगे बल्कि आपका मूड भी अच्छा रहेगा. व्यायाम से पूरे शरीर में रक्त प्रवाह तीव्र होता है, काफी हद तक तनाव से भी मुक्ति मिलती है. अगर लंबी यात्रा के कारण पैरों में थकान और सूजन आ गई हो तो पैरों की एक्सरसाइज, स्ट्रेचिंग जरूर करें. हवाई जहाज से यात्रा करने वाले लोगों को इस बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि वह यात्रा के दौरान या उससे पहले अल्कोहल न लें. क्योंकि उससे डीहाइड्रेशन का भय रहता है. यात्रा के दौरान दिया जाने वाला भोजन भी ध्यान से खाएं. हेवी फूड न लें. अपनी भूख से थोड़ा कम खाना आपके लिए लाभदायक होगा.

बाहर का खाना ज्यादा न लें

कोशिश करें कि हर बार बाहर भोजन न करें. अगर ब्रेकफास्ट और लंच होटल के बाहर करें तो डिनर जहां ठहरे हैं वहीं करें या फिर न ही आपको लगता है कि एसिडिटी की समस्या हो गई है तो ऐसे में अच्छी तरह पके केले और नारियल पानी का प्रयोग करें. थोड़ी सी सावधानी बरत कर और उस सुहाने मौसम का दुगना मजा ले सकते हैं और अपनी यात्रा को मददगार बना सकते हैं.

यात्रा में खान-पान

घूमने-फिरने के शौकीन लोगों को सफर के दौरान स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की परेशानी होना उनकी सारी मस्ती चौपट कर देता है. खाने की कुछ खास बातों पर यदि ध्यान दें तो बहुत सी परेशानीयों से आप दूर रह सकती हैं.

- -सफर के दौरान बासी खाना खाने से बचें.
- -कच्ची सब्जियां व फल देखकर खाएं.
- -रास्ते में ज्यादा भोजन करने से बचें.
- -सुरक्षित व स्वास्थ्यवर्धक खाना ही खाएं.
- -जहां भीड़ हो वहां से खाना लें क्योंकि वहीं ताजा भोजन मिलेगा.
- -खाने के साथ-साथ साफ पानी का प्रयोग करें.
- -गर्म खाने को तवज्जो दें.

यात्रा में जूस लेती रहें

अक्सर महिलाओं को यात्रा के दौरान जी मिचलाने की समस्या का सामना करना पड़ता है. ऐसे में कोशिश करें कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार का ठोस आहार न खाएं. हां कोई जूस पी सकती हैं. गर्भवती स्त्रियों को बरसात के मौसम में यात्रा करनी हो तो उनके लिए डॉक्टर की राय बहुत जरूरी है. डॉक्टर की अनुमति के बिना यात्रा बिल्कुल न करें. यात्रा के दौरान प्रिजरवेटिव फ्री ऑरेंज जूस पी सकती हैं. चाय-कॉफी, फ्राइड चीजें बिल्कुल न खाएं. बाहर के भोजन में आप रोस्टेड चीजें, गर्म-गर्म तंदूरी रोटी, ढोकला, इडली, डोसा या फिर उत्तपम खा सकती हैं.

सपनों की नगरी चिकलधारा

महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के अमरावती जिले में एक खूबसूरत पहाड़ी क्षेत्र है चिकलधारा। चिकलधारा जाकर अनेक पर्यटक वहाँ की खूबसूरती को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। हरियाली से ओत-प्रोत इस घाटी में विभिन्न प्रकार के खूबसूरत पेड़-पौधे स्थित हैं। इन पहाड़ों पर विशेषकर काफी के बगीचे बहुतायत में हैं।

यहाँ से उत्पादित काफी का निर्यात विदेशों में किया जाता है। चिकलधारा काफी के बगीचों की वजह से भी बहुत खूबसूरत लगता है। पर्यटकों के रहने के लिए प्रसिद्ध सोल रिसोर्ट स्थित हैं। इस स्थान से चिकलधारा की प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया जा सकता है। कहते हैं कि चित्रकार की चित्रकला अधूरी रह जाती है यदि उसने नदियों का चित्रण नहीं किया तो। उसी प्रकार यदि पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य से युक्त झीलों और जलाशयों को नहीं देखें तो उनकी यात्रा अधूरी ही मानी जाएगी।

चिकलधारा में दाहना कोलकाज परंपरा और उनका इतिहास जानने की इच्छा है तो यहाँ स्थित संग्रहालय में कदम रख सकते हैं।

यहाँ महाराष्ट्र का फॉरेस्ट रेंजर कॉलेज संग्रहालय स्थित है जिसमें जीवों एवं पौधों के

नेशनल अभयारण्य पर्यटकों के मध्य बहुत ही प्रसिद्ध है। मेलघाट टाइगर परियोजना भी बेहद लोकप्रिय स्थल है। प्राचीनता एवं संस्कृति को दर्शाते हुए गवैलगढ़ का किला पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसकी जीवंत कलाकृतियों को देखकर पर्यटक दंग रह जाते हैं। पं. नेहरू बॉटनिकल बगीचा भी बहुत प्रसिद्ध है। यदि आदिवासी संस्कृति एवं प्रतिदर्श प्रदर्शित किए गए हैं। मेलघाट अभयारण्य में विभिन्न प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं। यह स्थल प्राकृतिक सुंदरता से ओत-प्रोत है। यहाँ के प्रसिद्ध महादेव मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने हजारों श्रद्धालु आते हैं।

कैसे पहुँचें

राजमार्ग - अमरावती चिकलधारा जाने के लिए बस सेवाएँ उपलब्ध हैं।

हवाई अड्डा - अकोला हवाई अड्डा सबसे नजदीक है।

आपकी सुरक्षा आपके हाथ

शहर छोटे हों या बड़े अपराध की दर सभी में बढ़ रही है। यही कारण है कि आजकल शहरों में सिक्युरिटी का धंधा तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन हर कोई तो अपने घर के बाहर हथियारधारी सिक्युरिटी गार्ड नहीं खड़ा कर सकता। सवाल है ऐसे में अपनी सुरक्षा, विशेषकर घरों में रहने वाली महिलाएँ कैसे करें?

अगर आप रहती हैं फ्लैट्स में :

- फ्लैट के बाहरी दरवाजों की मजबूती की जाँच कर लें। दरवाजे अच्छी क्वॉलिटी के मटीरियल से बने हों यह सुनिश्चित करें। दरवाजे में अच्छी कंपनी का ऑटोमेटिक लॉकिंग सिस्टम लगा हो।
- कुछ लोग अपने घर को स्टाइलिश लुक देने के लिए बिना ग्रिल वाली खिड़कियाँ भी लगवाते हैं, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से यह अनुचित है क्योंकि इससे बच्चों के नीचे गिरने का खतरा रहता ही है, साथ ही खिड़की से कोई भी आपके घर के भीतर आसानी से पहुँच भी सकता है।
- सुनिश्चित करें कि फ्लैट के बाहर हमेशा अच्छी प्रकाश व्यवस्था हो। दरवाजे और सीढ़ियों के पास लाइट रात भर जलती हुई छोड़ दें। घर के बाहर की लाइट का स्विच आपके घर के भीतर होना चाहिए।
- अपने दरवाजे में मैजिक आई और चेन लॉक जरूर लगवाएँ ताकि कॉलबेल बजने पर आप आगंतुक को भीतर से पहचानने के बाद ही दरवाजा खोलें।
- रात को पैसेज में जीरो वॉट का बल्ब या सीएफएल जरूर जलने दें। अगर आप घर बंद करके कहीं बाहर जा रही हैं तो ड्राइंग रूम की लाइट जलती छोड़ दें। अगर लंबी छुट्टियों में कहीं बाहर जा रही हैं तो अपने निकटतम पड़ोसी और अपार्टमेंट के सिक्युरिटी गार्ड को इस बात की जानकारी जरूर दें कि आप कहाँ और कितने दिनों के लिए जा रही हैं, साथ ही उनसे अपने घर का विशेष रूप से ध्यान रखने को कहें।
- बाहर जाते वक्त अपनी बालकनी में कुछ पुराने कपड़े इस तरह फैला दें कि लगे कि वे सूखने के लिए फैलाए गए हैं, ताकि यह देखकर किसी अजनबी को इस बात की भनक न लगे कि आपके घर में कोई नहीं है।

रहती हों अगर बँगले में :

- आपके घर में लोहे का मजबूत गेट होना चाहिए, जिसकी ऊँचाई कम से कम साढ़े पाँच फुट हो, गेट के ऊपरी सिरे पर नुकीली भालेनुमा आकृति बनी हो ताकि कोई उस पर चढ़कर घर के भीतर न घुस सके। गेट में ऐसा लॉक लगा होना चाहिए जिसे सिर्फ अंदर से ही खोला जा सके। दूसरे दरवाजे और उनका लॉकिंग सिस्टम भी मजबूत होना चाहिए।
- बँगले की चहारदीवारी बहुत मजबूत होनी चाहिए और उसकी दीवारों के ऊपरी हिस्से पर लोहे के काँटेदार तारों का घेरा बना हुआ होना चाहिए ताकि कोई चोर आसानी से आपके घर की चहारदीवारी लाँघ न सके।
- अगर प्रकृति प्रेमी हैं तो दीवारों की बजाय बोगनवेलिया और जंगली गुलाब जैसी काँटेदार झाड़ियों से भी अपने घर की फेंस तैयार कर सकती हैं। इससे घर अवांछित तत्वों से तो सुरक्षित रहेगा ही इसके अलावा घर के आसपास की हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता भी बढ़ जाएगी।

अगर रहती हैं फार्म हाउस में :

- मुख्यद्वार के बाहर गार्ड रूम होने के साथ-साथ क्लोज सर्किट कैमरे की व्यवस्था जरूर होनी चाहिए ताकि अगर अपराधी या अनधिकृत व्यक्ति आपके घर के भीतर घुसने की कोशिश कर रहा हो, तो उसे आसानी से पहचाना जा सके।
- कुक, आया, ड्राइवर और माली आदि को नियुक्त करते समय उनका पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाना चाहिए।
- फार्म हाउस में घर के भीतरी इलाके में सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम की व्यवस्था रखें और रात को सोने से पहले इससे अपने घर को बंद कर दें। इससे एक ही रिमोट से पूरे घर के सभी दरवाजे लॉक हो जाते हैं, जिन्हें कोई दूसरा बाहर से नहीं खोल सकता।
- आपके घर में इमरजेंसी अलार्म सिस्टम होना चाहिए, जो आपके गार्ड रूम और पड़ोसियों के घर से जुड़ा हो ताकि आकस्मिक स्थिति में जब आप अलार्म का बटन दबाएँ तो लोग आपकी मदद के लिए आ सकें।
- पॉवर बैकअप की भी पूरी व्यवस्था होनी चाहिए ताकि कभी आकस्मिक रूप से बिजली चली जाए तो आपके घर की सुरक्षा को कोई खतरा पैदा न हो।

दलिया पुलाव

सामग्री : दलिया 1 कटोरी, अंकुरित मूँग 1 कटोरी, चौकोर टुकड़ों में कटा पनीर 50 ग्राम, बींस कटी 1 छोटी कटोरी, गाजर कटी 2, कटी हरीमिर्च 2, कटा टमाटर 1, कटी पालक 1 छोटी कटोरी, कटा फूलगोभी 1 कटोरी, तेल 1 टी स्पून, जीरा 1/4 चम्मच, हल्दी पावडर 1/2 चम्मच, नमक स्वादानुसार।

विधि : सूखी कड़ाही में दलिया भूनें। प्रेशर कूकर में तेल गरम करें, जीरा चटकाकर हल्दी पावडर डालें। अब सभी सब्जियाँ व नमक डालकर अच्छी तरह चलाएँ। पानी डालकर कूकर में दो सीटी आने तक पकाएँ। गरमा-गरम दलिया अचार के साथ सर्व करें।

जहाँ इंसानी रिश्ते सहेजे जाते हैं

हम चाहे जितना रुपया कमा लें, संपत्ति बना लें, दौड़ में थकने के बाद रिश्तों की गरमाहट का संबल सभी के लिए जरूरी हो जाता है। आखिर हमारी समृद्धि कोई देखने वाला तो हो, हमारी प्रसिद्धि की कोई तारीफ करने वाला तो हो... और ये सब हमें तभी मिलेगा, जब हम स्वयं हाथ बढ़ाएँगे छोटे-बड़े रिश्तों को सहेजने को।

आज जहाँ आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में लोग रिश्तों की अहमियत भूलते जा रहे हैं, रिश्ते अपना महत्व खोते जा रहे हैं, केवल फायदों की राजनीति देखते हुए रिश्ते बनाए या बिगाड़े जा रहे हों, वहाँ कुछ परिवार न केवल रिश्तों को बनाए रखने में यकीन करते हैं, वरन् अपने स्नेह, त्याग व अनथक प्रयासों से भरसक रिश्तों की गरमाहट को सालों सहेजते रहते हैं।

हंसा आठ वर्ष की एक प्यारी-सी बच्ची है। चार वर्ष पहले उसकी माँ की दुर्घटना में मौत हो गई। माँ की मौत के सदमे से एक वर्ष बाद ही उसके पिता भी चल बसे- 'लड़की की जात है- कौन सम्हाले' कहकर करीबी रिश्तेदारों ने हाथ झटक लिए- ऐसे में आगे आई हंसा की माँ की करीबी सहेली जो अविवाहित थी। उसने विधिवत हंसा को गोद ले लिया और अपने बच्चे से भी बढ़कर देखभाल की उसकी। आज हंसा के दिमाग में माँ की स्मृति तक धूमिल हो चुकी है- उसे याद है उसकी नई माँ...

प्रणव के विवाह को पाँच वर्ष हो गए थे। पत्नी की अकाल मृत्यु हो गई। प्रणव के जीवन का एकमात्र सहारा था उसका बेटा 'प्रांशु'। 'सौतेली माँ' की भयावह कल्पना के चलते प्रणव कई वर्षों तक दूसरे विवाह के बारे में सोच भी न पाया। फिर अचानक उसे मीता पसंद आ गई- हालाँकि 'प्रांशु' को लेकर डर अभी भी था। ऐसे में मीता ने सारी परिस्थिति को सहृदयता से समझा, प्रांशु को अपनापन दिया। प्रांशु को ही बेटा मानकर अपनी संतान को जन्म देने का विचार भी उसने त्याग दिया... आज 'प्रांशु' कॉलेज में है और मीता... उसके लिए दुनिया में सबसे अच्छी माँ है।

जैन साहब का दुनिया को देखने का तरीका और भी निराला है। वे इस दुनिया में अकेले हैं, ईश्वर की दया से रुपया और स्वास्थ्य दोनों ही वरदान के रूप में साथ हैं। उनके यहाँ पढ़ने आने वाले बच्चों का 'मेला' लगा रहता है। जैन साहब की सभी रिश्तेदारों से प्रार्थना रहती है कि उनके शहर में पढ़ने के लिए आने वाले बच्चे उनके घर में ही रहें। रिश्तेदारों को भला क्यों आपत्ति हो, उनके बच्चों को जैन साहब का स्नेह व अनुशासन भरा मार्गदर्शन मिलता है और जैन साहब का अकेलापन दूर हो जाता है। 'दुनिया में आए हैं, तो इतना प्यार बाँटना चाहिए कि आपके जाने के बाद कुछ लोगों की आँखें आपको याद कर बरसती रहें...' जैन साहब के जीवन का ये सीधा-सा समीकरण है, जो उन्हें बुढ़ापे में भी ऊर्जावान बनाता है।

वास्तव में मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और रिश्तों की उसे सतत आवश्यकता होती है! चाहे ये रिश्ते दोस्ती के हों, पहचान के हों या खून के। आजकल नौकरी-व्यापार के सिलसिले में परिवार एक छोर से दूसरे छोर तक बिखरते जा रहे हैं, आपसी संपर्क भी लगभग समाप्त होते जा रहे हैं। ऐसे में अगली पीढ़ी के बच्चे तो शायद अपने रिश्तेदारों- भाई-बहनों से पहचान भी न बना पाएँ... हम चाहे जितना रुपया कमा लें, संपत्ति बना लें, दौड़ में थकने के बाद रिश्तों की गरमाहट का संबल सभी के लिए जरूरी हो जाता है। आखिर हमारी समृद्धि कोई देखने वाला तो हो, हमारी प्रसिद्धि की कोई तारीफ करने वाला तो हो... और ये सब हमें तभी मिलेगा, जब हम स्वयं हाथ बढ़ाएँगे छोटे-बड़े रिश्तों को सहेजने का, उनमें स्नेह-विश्वास को सिंचित करने का... और बड़ा सरल सा उपाय है इन्हें सहेजने का। वह है संपर्क। फिर आज की संचार क्रांति ने तो संपर्क इतना आसान बना दिया है। तो क्यों न हम भी अपनाएँ इसे और ले आएँ रिश्तों में प्रगाढ़ता...।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 1985

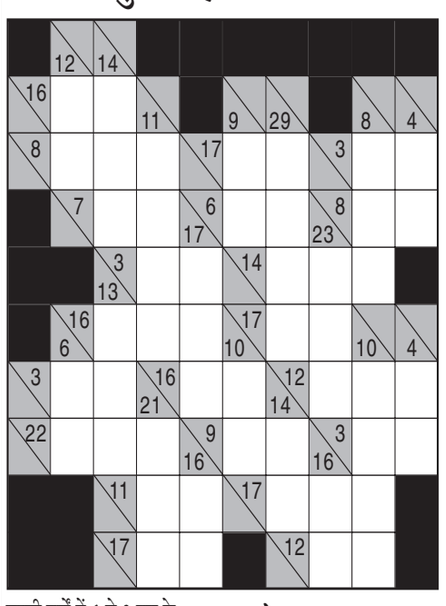

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

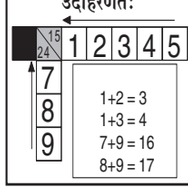

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1984 का हल

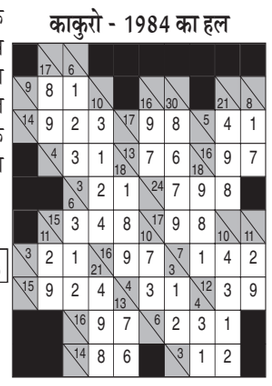

हंसी के फव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

□ □ □

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

□ □ □

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा, 'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा, 'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

□ □ □

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा, 'कुछ नहीं पिताजी,मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

□ □ □

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 1985

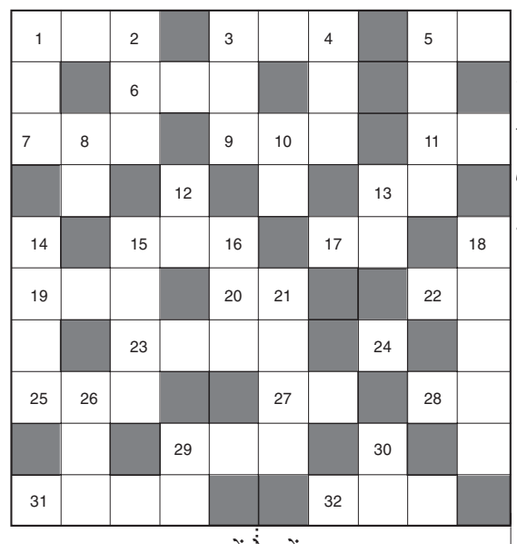

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२. 'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1984

पि	या	का	घ	र		ह	थ	क	ड़ी
ता	रा		रौं		दो	स्ती		न्या	
	ना	खु	दा		बा		अं	दा	ज
ह		श		कुं	द	न		न	
म	ज	बु	र		न	ज	र		म
सा	या		त	ब्बू		रा		डॉ	न
या		आ	न		कि	ना	रा		च
	गै	र		मै	ला		म	वा	ली
प्या		पा	पी			रा	जा		
सा	ग	र		रा	खी		ने	पा	ल

सूडोकु -1985

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1984 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 1985

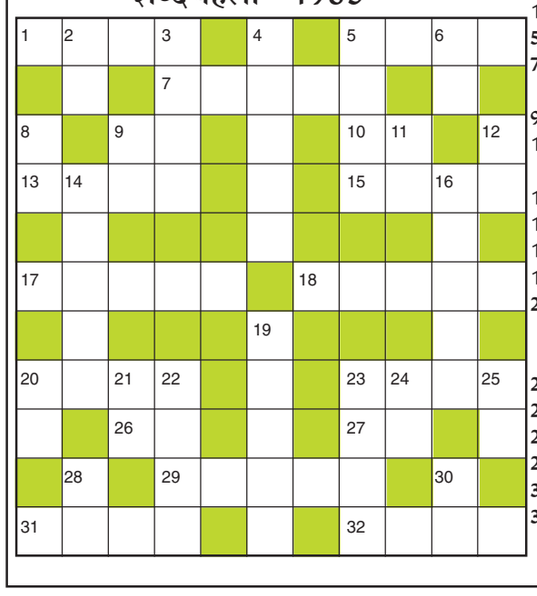

बाएँ से दाएँ

1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 1984 का हल

क	ल	ह		म		प	र	दा	न	शी
पू		क	ल	श		छ	बी	ल		त
त	ल			व		ता			सा	ल
	ल		धा	रा	प्र	वा	ह		व	
म	क	ब	रा		था		म	हा	न	ता
			वा	दा		मा	स			
ह	म	रा	ही		पा		फ	र	मा	न
	यू		क	हा	नी	का	र		य	
ख	र			थी		र			का	न
प		ब	र	खा		ना	र	द		य
त	र	स	खा	ना		मा		म	न	न

फ्री राशन वितरण में इस महीने देरी क्यों? नहीं आई अभी तक डेट, जानें वजह

शाहजहांपुर. यूपी में फ्री राशन वितरण के लिए फरवरी महीने अभी तक डेट नहीं आई है। राज्य सरकार द्वारा महीनों पहले सरकारी राशन दुकानों पर वेइंग मशीन से निःशुल्क राशन वितरण कराए जाने की घोषणा तो आनन फानन में कर दी गई थी, लेकिन सिस्टम की हीलाहवाली के चलते फरवरी माह में न तो वेइंग मशीनों की व्यवस्था, न उनकी टेस्टिंग और न ही राशन वितरण की तारीखों का आदेश हो पाया है। जिसके चलते आज 11 फरवरी हो गई है और गरीबों को मिलने वाला निःशुल्क राशन वितरण नहीं हो पा रहा है। जिस कारण जनपद के लाखों राशन कार्ड धारकों को राशन पाने का इंतजार बना हुआ है।

सुबह-सुबह ही जरुरतमंद राशनकार्ड धारक कोटेदारों के घरों और दुकानों के चक्कर लगाते नजर आ रहे हैं जबकि राशन उठान समय से हो चुका है लेकिन वितरण आदेश न आने से कोटेदार भी मजबूर बने हुए हैं। पड़ताल में पता चला है कि प्रदेश के 8-9 जनपदों में वेइंग मशीन टेस्टिंग की जा रही है। जिसके चलते पूरे प्रदेश में वितरण नहीं हो पा रहा है। वेइंग मशीन लगाने के पीछे सरकार का मकसद है कि घटतौली पर लगाम लगे। वेइंग मशीन तराजू से कनेक्ट रहेगी। जिससे पारदर्शिता आएगी।

NCR नई रफ्तार को तैयार, नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच नई सड़क का काम शुरू, यमुना पुस्ते पर बनेगा एक्सप्रेसवे

हिंडन पुल के जरिये नोएडा को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने को नई सड़क बनाने का काम शनिवार से शुरू हो गया। यह नई कनेक्टिविटी नोएडा के सेक्टर-146 के सामने से शुरू होकर ग्रेटर नोएडा के एलजी गोलचक्कर तक होगी।

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रहने वालों के लिए गुड न्यूज है। हिंडन पुल के जरिये नोएडा को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने के लिए नई सड़क बनाने का काम शनिवार से शुरू हो गया। यह नई कनेक्टिविटी नोएडा के सेक्टर-146 के सामने से शुरू होकर ग्रेटर नोएडा के एलजी गोलचक्कर तक होगी। यह सड़क बनने में करीब एक साल का समय लगेगा। इसके बनने से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर वाहनों के दबाव में कमी आएगी। इसके अलावा कलेक्ट्रेट, एलजी गोलचक्कर की ओर आने-जाने वालों को लंबा चक्कर भी नहीं काटना पड़ेगा।

शनिवार को हुए भूमि पूजन के मौके पर नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-10 के वरिष्ठ प्रबंधक केवी सिंह, जूनियर इंजीनियर सिद्धार्थ नागर समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-146 के सामने हिंडन पुल से नोएडा को जोड़ने के लिए करीब 800 मीटर लंबी एप्रोच रोड बनाई जाएगी। यह 45 मीटर चौड़ी सड़क होगी। इसके दोनों ओर 7.5 मीटर चौड़ाई में ग्रीन बेल्ट तैयार की जाएगी। सड़क निर्माण पर करीब 43 करोड़ 5 लाख रुपये का खर्च होंगे। इसका निर्माण करने का जिम्मा सुनील गर्ग कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया

है। यह सड़क ग्रेटर नोएडा के एलजी चौक से सीधे जुड़ेगी। ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-145 नलगढ़ा गांव के सामने कट के जरिए हिंडन पुल तक पहुंच सकेंगे। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि ग्रेटर नोएडा की तरफ सड़क बनाने के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा हिंडन पर पुल बनाने का काम सेतु निगम कर रहा है। पुल का कुछ हिस्सा बन चुका है। बाकी हिस्सा जमीन नहीं मिलने के कारण फंसा हुआ था, जिसको अब दूर कर लिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि इस कनेक्टिविटी के तैयार होने से नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर जाम में कमी आएगी। अभी व्यस्त समय में एक्सप्रेसवे पर वाहनों की कतार लग जाती है। यहां पर वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। रोजाना 2 से 3 लाख वाहन निकल रहे हैं। इसके अलावा पूरा ट्रैफिक नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे से परी चौक की ओर पहुंचता है। इसके बाद परी चौक से एलजी गोलचक्कर, कलेक्ट्रेट, विकास भवन, सूरजपुर की ओर वाहन जाते हैं। इससे लोगों का अधिक समय लगता है और लंबा चक्कर भी काटना पड़ता है।

जमीन न मिलने से हुई देरी : यहां पर कई साल से जमीन का विवाद बना हुआ था। इससे वर्ष 2019 से काम बंद पड़ा था।

इसके साथ ही एप्रोच रोड का काम भी नहीं शुरू हो पाया था। इस साल यहां जमीन का विवाद सुलझाने के अलावा प्राधिकरण ने डूब क्षेत्र में मुआवजा दर भी बढ़ा दी थीं। किसान यहां पर डूब क्षेत्र की दरों पर मुआवजे के लिए तैयार नहीं थे।

आगरा की लॉयर्स कॉलोनी में संदिग्ध हालात में 3 की मौत, फंदे पर लटकता मिला युवक; फर्श पर पड़े थे मां-बेटे के शव

आगरा. यूपी के आगरा में तीन लोगों की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। पुलिस हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका जता रही है। यहां थाना न्यू आगरा क्षेत्र की लॉयर्स कॉलोनी में तरुण उर्फ जॉली नाम के युवक का शव फंदे से लटकता मिला है। जबकि उसके 12 साल के बेटे कुशाग्र चौहान और मां बृजेश देवी का शव कमरे में फर्श पर पड़ा मिला है। पुलिस को आशंका है कि युवक ने मां-बेटे को मारने के बाद आत्महत्या की है। युवक की पत्नी रजनी खाटू श्याम जी दर्शन करने गई थी। सुबह नौकरानी के आने पर घटना की जानकारी हुई। युवक के पिता मान सिंह की कई साल पहले मौत हो गई थी। उसके पिता वकील थे। मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच-पड़ताल में जुटी है।

करवट ले रहा बिहार का मौसम, 19 जिलों बारिश और वज्रपात का येलो अलर्ट

दिसंबर और जनवरी महीने में लंबे समय तक सर्दी के प्रकोप के बाद बिहार का मौसम बदला और लोगों को शीतलहर से राहत मिली। लेकिन एक बार फिर मौसम करवट लेता दिख रहा है।अगले 2-3 दिनों तक कुछ स्थानों पर बारिश होगी

पटना. दिसंबर और जनवरी महीने में लंबे समय तक सर्दी के प्रकोप के बाद बिहार का मौसम बदला और लोगों को शीतलहर से राहत मिली। लेकिन एक बार फिर मौसम करवट लेता दिख रहा है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अगले दो तीन दिनों तक राज्य में कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है जिससे तापमान में गिरावट आएगी और एक बार फिर लोगों को ठंड का सामना करना पड़ सकता है। बताया गया है कि पटना, गया सहित दक्षिण बिहार के 19 जिलों में 13 और 14 फरवरी को हल्की बारिश, मेघगर्जन और वज्रपात की घटनाएं हो सकती हैं। मौसम विभाग ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

शनिवार को राजधानी पटना समेत राज्य के 24 शहरों का न्यूनतम पारा 10 डिग्री के नीचे रहा। गया सबसे ज्यादा शीतलहर की चपेट में रहा। प्रदेश का सबसे ठंडा जिला 5.2 डिग्री सेल्सियस के साथ गया ही रहा। पटना सहित 25 शहरों का न्यूनतम और 30 का अधिकतम पारा चढ़ा। पटना में अधिकतम तापमान में 0.4 और न्यूनतम में 0.1 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। राजधानी का अधिकतम तापमान 25 और न्यूनतम 8.2 डिग्री दर्ज किया गया। तापमान बढ़ने और तेज धूप से लोगों को गर्मी का एहसास हुआ। हालांकि सुबह और शाम ठंड लग रही थी।

मौसम विभाग से मिली जानकारी केअनुसार रविवार से अगले तीन दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। वहीं अधिकतम तापमान में अगले 5 दिनों के दौरान कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है, जबकि की शनिवार या रविवार की रात में बांका, जमुई, नवादा, गया और औरंगाबाद जिले के एक या दो स्थानों पर शीतलहर होने की संभावना है।

प्रदेश के अधिकतर शहरों में सतही पछुआ हवा का असर साफ दिख रहा है। एक चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिण गुजरात एवं आसपास के क्षेत्रों में समुद्र तल से औसत 1.5 किलोमीटर ऊपर बना हुआ है। जिस कारण अगले तीन दिनों के दौरान प्रदेश का मौसम शुष्क बना रहेगा।

जालसाज ने खुद को IRS अफसर बता PPS अधिकारी संग रचाई शादी, फिर हुआ ऐसा

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश में फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी का एक बेहद हैरान और परेशान करने वाला मामला सामने आया है। एक जालसाज ने खुद को आईआरएस अधिकारी बताकर पीपीएस अफसर से शादी कर ली। इसके बाद उनसे कई लाख रुपये भी ठग लिए। इतना ही नहीं, तलाक के बाद भी आरोपी उनके नाम का दुरुपयोग कर लोगों से ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम पर पैसे ऐंठ रहा है। इस बात का खुलासा होने पर पीड़ित पीपीएस अफसर ने अपने पूर्व पति और उसके पिता एवं भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित महिला अधिकारी ने बताया कि आरोपी से उनका परिचय मैट्रिमोनियल साइट पर हुआ था। उसने खुद को 2008 बैच का आईआरएस अधिकारी और रांची में आयकर उपायुक्त के रूप में तैनात बताया था। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2018 में शादी कर ली थी। शादी के कुछ समय बाद उन्हें पता चला कि रांची में आयकर उपायुक्त और उनके पूर्व पति का नाम एक जैसा है, जिसका उसने फायदा उठाया था।

धोखे से लोन लिया, फर्जी हस्ताक्षर कर खाते से रुपये निकाले

जालसाज पति की हकीकत पता चलने पर भी उन्होंने परिवार की खातिर कुछ नहीं कहा। इसके बाद आरोपी ने उनके नाम पर लोन लिया और उनके फर्जी हस्ताक्षर कर 15 लाख रुपये खाते से भी निकाल लिए। बच्चे के पैदा होने पर भी आरोपी नहीं बदला तो उन्होंने तीन साल पहले आरोपी से तलाक ले लिया।

तलाक के बाद भी कर रहा परेशान

इसके बावजूद आरोपी नहीं सुधरा और वह लोगों से लगातार उनके नाम पर ठगी कर रहा है। आरोपी ने दो साल पहले दूसरी शादी कर ली, लेकिन फिर भी उन्हें परेशान कर रहा है। वह फेसबुक पर उनके फोटो अश्लील और अशोभनीय टिप्पणी के साथ शेयर कर रहा है।

आउटसोर्सिंग के 30 लाख घपच गए AK के अधिकारी, राजभवन ने लिया एक्शन; AG करेगा जांच

पटना. आर्यभट्ट ज्ञान यूनिवर्सिटी (AKU) में वित्तीय अनियमितता का नया मामला राजभवन के संज्ञान में आया है। विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति रहे डॉ. रामेश्वर सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान विवि के पदाधिकारियों द्वारा कोष से 30 लाख से अधिक की अवैध निकासी कर घपला करने का मामले को पकड़ा है। राजभवन के आदेश पर महालेखाकार से जांच कराई जाएगी।

यह राशि छात्रों से प्रवेश परीक्षा शुल्क के रूप में विश्वविद्यालय को प्राप्त हुई थी। तत्कालीन प्रभारी कुलपति द्वारा राजभवन को दी गई सूचना के अनुसार न केवल इस राशि की अवैध तरीके से निकासी की गई बल्कि नियमों को ताक पर रखकर जैसे तैसे कुछ लोगों के बीच बांट दिया गया।

इस संबंध में प्राथमिक जांच के बाद गड़बड़ी पाये जाने पर तत्कालीन प्रभारी कुलपति ने राजभवन को सूचित किया था। इसी पत्र के आलोक में अब राजभवन सचिवालय ने महालेखाकार को पत्र लिखकर मामले की पूरी तरह जांच कराने का निर्णय लिया है।

राज्यपाल के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चोंग्थू ने महालेखाकार को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि एक स्पेशल ऑडिट टीम को भेजकर मामले की पूरी जांच कराई जाय। पांच फरवरी को जारी पत्र के अनुसार कुल 30 लाख 18 हजार नौ सौ रुपए की निकासी आर्यभट्ट ज्ञान विवि के पदाधिकारियों द्वारा गलत तरीके से की गई और इसे विवि के कुछ अधिकारियों और आउटसोर्स स्टॉफ के बीच बांट दिया गया।

जांच टीम को सहयोग देने का निर्देश

राजभवन के पत्र में विवि के वर्तमान कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव और प्रभारी कुलसचिव प्रो. शंकर कुमार को जांच टीम को अपेक्षित सहयोग करने और जांच से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। मालूम हो कि विवि लंबे समय तक प्रभारी कुलपति के भरोसे चलता रहा है।

अब जब एक ओर विवि में शैक्षणिक सुधारों को लेकर कवायद शुरू हुई है। इसी दौरान राजभवन के नए पत्र से विवि में हडकंप की स्थिति है। एक ओर राजभवन की ओर से वित्तीय अनियमितताओं की जांच की तैयारी है वहीं दूसरी ओर विवि में शैक्षणिक सुधारों के लिए अकादमिक सलाहकार समितियां बनाई गई है। विवि में वर्तमान समय में संचालित हो रहे केंद्रों और स्कूलों को पटरी पर लाने की दिशा में विशेषज्ञों की समिति सुझाव देगी।

इसके बाद कई प्रशासनिक कदम उठाये जा सकते हैं। विवि में संचालित हो रहे पत्रकारिता एवं जनसंचार, भौगोलिक अध्ययन केंद्र, नैनो प्रौद्योगिकी और सेंटर फॉर रीवर स्टडीज में शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इस कदम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जिस 'मदरसे' को तोड़ने पर जला हल्द्वानी उसकी जमीन असल में किसकी? क्या है पूरा विवाद

हल्द्वानी. हल्द्वानी में सरकारी भूमि पर बने अवैध मदरसे और इबादत स्थल के खिलाफ चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान हिंसक रूप ले लिया। 08 फरवरी को दोपहर बाद हल्द्वानी हिंसा में पेट्रोल बम, ईंट-पत्थर, कांच की बोतलों से लेकर देसी तमंचे के इस्तेमाल से 16 साल के लड़के के समेत पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने कर्फ्यू लगा दिया। हल्द्वानी के वनभुलपुरा पर जिस जगह मदरसे, और मस्जिद बनाई गई है, उस जमीन पर सालों से विवाद चल रहा है। वनभूलपुरा क्षेत्र में रहने वाले लोगों का कहना है था कि तत्कालीन कॉलोनियल सरकार ने मोहम्मद यासीन को 7 जनवरी 1937 को यह जमीन कृषि के लिए लीज पर दी थी। चूंकि वनभूलपुरा एक मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है इस जमीन पर 2002 में एक मस्जिद, और मदरसे का निर्माण किया गया था। अब्दुल मलिक और सफिया मलिक इस संपत्ति की देखरेख कर रहे थे और 4 फरवरी को हल्द्वानी नगर निगम की ओर से इस संपत्ति के सील कर दिया गया था।

सफिया मलिक के वकील ने नगर निगम द्वारा 30 जनवरी को धवस्तीकरण संबंधित नोटिस के खिलाफ 6 फरवरी को उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। कहा जिस दो निर्माण के खिलाफ धवस्तीरकण का नोटिस जारी किया है, यह दोनों 1994 में सफिया के परिवार को बेच दिया गया था।

बताया कि मोहम्मद यासीन को पट्टे पर दी गई जमीन को 10 साल के लिए लीज पर दिया गया, जिसका नवीनीकरण होता रहा। इसके बाद, मोहम्मद यासीन ने प्लॉट अख्तरी बेगम और नबी रजा खान को बेच दिया। मलिक के वकील अहरार बेग का कहना है कि अख्तरी बेगम ने इसे मलिक के पिता अब्दुल हनीफ खान को 1994 में मौखिक उपहार (हिबा) के रूप में दे दिया गया था।

उन्होंने कहा कि 2006 में, मेरे याचिकाकर्ता के पिता अब्दुल हनीफ खान ने उन्हें फ्रीहोल्ड अधिकार देने के लिए नैनीताल जिला प्रशासन से संपर्क किया था। लेकिन उन्हें जिला प्रशासन से कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने 2007 में उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की। अधिकारियों को फ्रीहोल्ड अधिकार देने के

लिए अदालत से निर्देश की मांग की गई। 18 अगस्त, 2007 को, उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने एक समाधान के लिए नैनीताल कलेक्टर को निर्देश जारी किए थे। उस आदेश के बावजूद, फ्रीहोल्ड अधिकारों पर कार्रवाई नहीं की जा सकी। फ्रीहोल्ड अधिकार वास्तविक संपत्ति के स्वामित्व को संदर्भित करता है, जहां मालिक के पास संपत्ति पर अनिश्चित, अप्रतिबंधित और पूर्ण अधिकार होते हैं। फ्रीहोल्ड व्यवस्था में, संपत्ति के मालिक को स्थानीय कानूनों और विनियमों की सीमाओं के भीतर, संपत्ति का उपयोग करने, बेचने, पट्टे पर देने या स्थानांतरित करने का अधिकार है, जैसा वे उचित समझते हैं।

उन्होंने कहा कि पट्टा 2006 में या उससे पहले समाप्त हो गया था। वकील का कहना था कि पट्टे की समाप्ति के बाद उन्होंने कानूनों के अनुसार फ्रीहोल्ड अधिकारों के लिए आवेदन किया था। मलिक के वकील का कहना है कि 2013 में उनके पिता अब्दुल हनीफ खान के निधन के बाद संपत्ति सफिया मलिक को हस्तांतरित कर दी गई थी। सफिया मलिक के पति अब्दुल मलिक

सफिया मलिक के वकील ने नगर निगम द्वारा 30 जनवरी को धवस्तीकरण संबंधित नोटिस के खिलाफ 6 फरवरी को उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। कहा जिस दो निर्माण के खिलाफ धवस्तीरकण का नोटिस जारी किया है।

को स्वामित्व के प्रमाण को लेकर 2020 में एक नोटिस दिया गया था। हमारी ओर से जवाब पर विचार किए बिना हीत मदरसे का एक हिस्सा जिसमें कक्षाएं चलती थीं, उसे ध्वस्त कर दिया गया।

यह मदरसा सफिया मलिक और उनके पति द्वारा गरीब बच्चों के लिए धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए चलाया जा रहा था। हालांकि, उनकी बात सुने बिना, नगर निगम ने 27 जनवरी को संपत्ति पर जबरन कब्ज़ा करने की कोशिश की। तीन दिन बाद, 30 जनवरी को, उन्होंने (नगर निगम) धवस्तीरकण का नोटिस दिया।

31 जनवरी को, अब्दुल मलिक ने 2007 में उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में फ्रीहोल्ड अधिकार पारित करने और हल्द्वानी नागरिक निकाय को भूमि में हस्तक्षेप न करने का निर्देश देने के लिए डीएम से संपर्क किया।

हमने 6 फरवरी को हलद्वानी नगर निकाय के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने 8 फरवरी को मामले की सुनवाई की और अगली सुनवाई 14 फरवरी को तय की थी। आरोप था कि धवस्तीकरण की कार्रवाई जल्दबाजी में और मनमाने ढंग से कानूनों के खिलाफ की गई।

अदालत ने अभी तक अपना अंतिम आदेश नहीं दिया है। एचटी ने सफिया मलिक से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन वह टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थीं। दूसरी ओर, हल्द्वानी नगर निगम ने कहा कि उन्होंने कानूनों के अनुसार कार्रवाई की है और धवस्तीकरण पर उच्च न्यायालय द्वारा कोई रोक नहीं लगाई गई थी।

बिहार को पांच एक्सप्रेस ट्रेनों का तोहफा मिलेगा, पीएम नरेंद्र मोदी दिखा सकते हैं हरी झंडी

पटना. अंतरिम बजट में भले ही नई ट्रेनों की सौगात नहीं मिली हो, लेकिन बिहार के रेलयात्रियों को जल्द ही पांच नई एक्सप्रेस ट्रेनों का तोहफा मिल सकता है। पूर्व मध्य रेल द्वारा विशेषकर उत्तर बिहार के शहरों के लिए पांच नई ट्रेनों को चलाने का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसपर रेलवे बोर्ड की सहमति मिल गई है। हालांकि अभी ट्रेनों के परिचालन की आरंभिक तिथि और समय सारणी नहीं जारी की गई है।

माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित बिहार दौरे के दौरान इनकी विधिवत शुरुआत की जाएगी। इन ट्रेनों के चलाने से चंपारण और आसपास के इलाके में रेलवे कनेक्टिविटी दुरुस्त होगी। रेलवे सूत्रों के अनुसार इन ट्रेनों का आरंभ प्रधानमंत्री के बेतिया के प्रस्तावित आगमन के दौरान किया जाना था, लेकिन फिलहाल इसे कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया है।

इन ट्रेनों का तोहफा

1. एक एक्सप्रेस ट्रेन दानापुर से जोगबनी के बीच चलेगी। इस ट्रेन को दरभंगा और सकरी के रास्ते चलाया जाएगा।

2. दूसरी ट्रेन नरकटियागंज से गौनाहा के बीच चलेगी। यह भी एक एक्सप्रेस ट्रेन होगी और यह पैसेंजर ट्रेनों की तुलना में कम समय लेगी।

3. तीसरी ट्रेन का परिचालन जोगबनी से सहरसा के बीच होगा। इन दोनों इलाकों के लोगों को इस नई ट्रेन से आवागमन में आसानी होगी।

4. जोगबनी से सिलीगुड़ी के बीच भी नई एक्सप्रेस ट्रेन सेवा शुरू करने की योजना है।

5. पांचवीं ट्रेन रक्सौल से जोगबनी के बीच चलाई जाएगी। रेलवे का दावा है इन पांच ट्रेनों को एक साथ चलाने से इन इलाकों में सकारात्मक आर्थिक व सामाजिक प्रभाव दिखेगा। साथ ही इलाके में कनेक्टिविटी मिलने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

क्या कहते हैं अधिकारी

दानापुर से जोगबनी सहित पांच नई ट्रेनों को चलाने का प्रस्ताव जोनल रेलवे की ओर से भेजा गया था, जिसकी रेलवे बोर्ड से सहमति मिल गई है। इससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी तो राज्य में पयर्टन उद्योग का बढ़ावा मिलेगा। बिहार के लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे और उनकी खुशहाली बढ़ेगी। -वीरेन्द्र कुमार पूमरे के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी

सर्दियों में कैसे रहें खिली-खिली

सर्दियों में हालांकि जल्दी बिस्तर छोड़ने की इच्छा नहीं होती। भूख बढ़ जाती है और शारीरिक कवायद कम हो जाती है। लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातों के साथ ही यदि सुबह की शुरुआत की जाए तो यह ऋतु आपके स्वास्थ्य व सौंदर्य के लिए वरदान साबित होगी।

बिस्तर छोड़ने के पहले व्यायाम

जैसे ही आप बिस्तर से उठते हैं अपने शरीर को तानिए और ढीला छोड़िए। फिर से तानिए और ढीला छोड़िए। चार-पांच बार इस क्रिया को दोहराइए। ऐसा करने से शरीर में गर्मी के तापक्रम में वृद्धि होगी। यदि आपके पास समय है तो एक ही स्थान पर खड़े होकर कुछ देर जॉगिंग कीजिए। ऐसा करने से भी शरीर में चुस्ती-फुर्ती आएगी और आपके अगले काम फटाफट होंगे।

उबटन स्नान और ताजगी

स्नान में साबुन को अधिक महत्व न दीजिए। कोई-सा भी उबटन लगाइए। बाँहों, पैरों, घुटनों, पीठ एवं गर्दन को उबटन से रगड़िए, उसके बाद नहाइए। फिर खुरदरे तौलिए से बदन पोंछिए। इस तरह के स्नान से ताजगी, चुस्ती और गर्मी महसूस होगी।

डटकर खाइए

इन दिनों भूख अधिक लगती है और भूखे पेट सर्दी अधिक लगती है। सुबह पौष्टिक नाश्ता भरपूर कीजिए। खाने में भरपूर ऊर्जा प्रदान करने वाला भोजन कीजिए। इसमें प्रोटीन, पनीर, दूध, अनाज, आलू, ताजे फल और हरी सब्जियों का सेवन कीजिए। गरमागरम सूप लेना भी इन दिनों अच्छा रहता है।

गर्म कपड़े भरपूर पहनें

मौसम के अनुसार कपड़ों का चयन कीजिए। शोख रंगों को अपनाइए। सर्दी से बचाव का बढ़िया तरीका है एक ही भारी-भरकम गर्म लबादे के बजाए पतली तह वाले कई गर्म कपड़े पहनिए। अंदर के वस्त्र कॉटन के ही हों तो बेहतर होगा। दस्ताने और मौजे पहनने से कतराइए नहीं इनसे आपको आराम भी मिलेगा और त्वचा की सुरक्षा भी होगी

पैदल चलिए

यदि आप कामकाजी हैं व ऑफिस आपके घर से ज्यादा दूर नहीं है और संभव हो सके तो आप पैदल ही जाइए। इससे रक्त संचार बढ़ेगा, जो सर्दी को कम करेगा। इस ऋतु में लिफ्ट का प्रयोग कम से कम कीजिए। दिन में दो-चार बार सीढ़ियां अवश्य चढ़िए। इससे शरीर का व्यायाम भी होगा और गर्मी भी आएगी। यदि आपका काम पैदल चलने का अधिक नहीं है तो जब भी समय मिले घर में ही तेज चाल से कुछ देर चलिए। पैदल चलना शरीर को गर्मी पहुंचाता है।

हाथ-पैरों को बचाएं

एड़ियां व होंठों को फटने से बचाएं। पैरों की मालिश करके सर्दी से बचाएं। घर में स्लीपर के साथ मोजे पहने रहें। बिवाई नहीं पड़ेगी। होंठों पर वैसलीन व चैपस्टिक लगाती रहें, इससे ये सूखेंगे नहीं।

शोख कलर पहनिए व लगाइए

शोख कपड़ों के साथ-साथ मेकअप भी शोख रंगों से कीजिए। ब्राउन या लाल रंग के विभिन्ना शेड लिपस्टिक के इन दिनों खूब फबेंगे। यदि आप आँखों का मेकअप करती हैं तो स्लेटी, भूरे, सुनहरे और तेज रंग के आई शेडो का इस्तेमाल करें।

कमरे का तापक्रम

बहुत अधिक गरम या एयर कंडीशनरयुक्त रूम में न सोएं। इससे आप सर्दी से तो बच जाएंगे, पर सुबह उठने पर आप अपने आपको तरोताजा महसूस करने की अपेक्षा सुस्ती से घिरा पाएंगे।

एक नजर इधर भी

इन दिनों सर्द हवाओं के साथ-साथ धूप का व्यापक प्रभाव भी त्वचा पर पड़ता है। अतः कोल्ड क्रीम के साथ मॉइश्चराइजर का भी प्रयोग करें। त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए पेट्रोलियम, लेनोलिन, मिनरल ऑइल, ग्लिसरीन आदि का भी प्रयोग करें।

ये नमी प्रदान करने वाले तत्व त्वचा की रक्षा भी करेंगे। प्रतिदिन चेहरे की सफाई क्लींजिंग मिल्क से करें। विंटर केयर लोशन कोल्ड क्रीम व मॉइश्चराइजर दोनों की कमी पूरा करता है। किसी अच्छी कंपनी का लोशन इन दिनों के लिए चुन लें। आपकी त्वचा पर मौसम का अतिरिक्त प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आया मौसम हरी-भरी सब्जियों का

आज के इस आपाधापी वाले युग में दुनिया के सभी पुरुष व महिलाएँ स्वास्थ्य तथा सौंदर्य चाहते हैं, किंतु कोई भी प्राकृतिक आहार-विहार, दिनचर्या अपनाने को तैयार नहीं होता। इसका सबसे बड़ा कारण है बाजारों में बढ़ता डिब्बाबंद आहार का चलन, रेडीमेड खाद्य पदार्थ, हॉटडॉग, फास्ट फूड्स इन सभी का मानवीय जीवन में बहुत मात्रा में इस्तेमाल होने लगा है। मनुष्य के जीवन जीने के रंग-ढंग ही बदल गए हैं।

अगर हम इन स्थितियों से बचना चाहते हैं तो हमें अपना खान-पान बदलना होगा तभी हमारी जीवन पद्धति में सुधार होगा और हम अपना स्वास्थ्य और सौंदर्य कायम रख पाएंगे। और इस आहार में हरी सब्जियों का सेवन ही हमारे जीवन की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हरी सब्जियों से हमें शरीर के लिए आवश्यक वे सभी तत्व मिल जाते हैं, जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करते हैं। इसके नियमित सेवन से पाचनतंत्र में सुधार, लावण्य में वृद्धि और हमारे शरीर को पौष्टिकता भी प्राप्त होती है। जिसका असर आपके चेहरे और शरीर पर आसानी से देखा जा सकता है।

हरी सब्जियों के लाभ!

* गोभी, आलू, बीन्स आदि शरीर के विविध भागों, तत्वों, मात्राओं को प्रभावित करते हैं।
* अदरक, धनिया, पुदीना, हरी मिर्च सब्जियों के तत्वों एवं स्वाद को बढ़ाने में मदद करते हैं।
* लहसुन खून का थक्का जमने नहीं देती अतः हृदय रोग में लाभकारी है।
* करेला पेट के कृमि नष्ट करता है और रक्त शोधन कर, अग्नाशय को सक्रिय करता है।
* टमाटर शरीर में रक्त की मात्रा बढ़ाता है और त्वचा निखारता है।
* नींबू शरीर के पाचक रसों को बढ़ाता है।
* पालक हड्डियों को कैल्शियम से सुदृढ़ करता है।
* भिंडी वीर्य में गाढ़ापन लाती है और शुक्राणु बढ़ाती है।
* लौकी शीघ्र पाचक, रक्तवर्द्धक है। यह शीतलता प्रदान करती है।
* खीरा रक्त कणों का शोधन कर शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ाती है।
* परवल शरीर को ऊर्जा देता है।

सर्दियों में कैसा हो आपका डाइटचार्ट

हम जैसा भोजन करते हैं, उसका असर हमारे तन व मन दोनों पर होता है। मौसम के बदलते ही अपने शरीर को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए हमें अपने भोजन में कुछ फेरबदल करने होते हैं। हेल्थ कांशियस युवाओं के लिए यह मौसम चुनौतियों से भरा होता है। सर्द मौसम में व्यायाम कर अपने शरीर को ऊर्जावान बनाए रखना जरूरी है साथ ही ऐसा आहार जिनकी कम मात्रा लेने पर भी उनके शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। सर्दियों में अपनी डाइट को लेकर आप कन्फ्यूज हैं तो हम लेकर आए हैं- सर्दी के मौसम में लो फैट विद हाई कैलोरी से भरपूर भोजन की जानकारी। इन्हें अपने डाइटचार्ट में शामिल कर आप अपने शरीर के बढ़ते वजन को नियंत्रित रख पाएंगे।

सर्दियों में युवाओं की डाइट

इस मौसम में अपने शरीर से थकान व आलस्य को दूर भगाने के साथ ही दिन भर स्फूर्ति और ऊर्जा से भरपूर रहने के लिए युवाओं को डाइट चार्ट का पालन करना चाहिए।

ब्रेकफास्ट सुपर

सुबह का नाश्ता हमें ऊर्जा देता है। नाश्ते में अंडे के साथ ब्रेड, उपमा, सैंडविच, डोसा आदि ले सकते हैं। रोजाना नाश्ते के बाद मलाई निकले हुए एक गिलास गर्म दूध का सेवन करना न भूलें। इन सबके साथ एक प्लेट फ्रूट या वेजीटेबल सलाद आपके नाश्ते को कम्प्लीट करेंगे।

लंच स्पेशल

दोपहर के भोजन में हरी सब्जी, चपाती, ताजा दही या छाछ, छिलके वाली दाल के साथ चावल, गरमा-गरम सूप ले सकते हैं। लंच में हरी चटनी भोजन में मल्टीविटामिन्स की कमी को पूरा करती है।

डिलीशियस डिनर

सर्दियों में रात को आप जल्दी भोजन करने की आदत डालें। रात का भोजन आपके दोपहर के भोजन की अपेक्षा हल्का होना चाहिए। रात को भोजन में आप खिचड़ी या दलिया जैसे हल्के भोजन का सेवन करें। सोने से कम से कम 4 घंटे पहले भोजन करने से शरीर में भोजन का पाचन अच्छे से होता है। रात को सोने से पहले हल्दी, खारेक या अदरक मिले एक गिलास गर्म दूध का सेवन अवश्य करें।

सर्दियों का मौसम सेहत बनाने का होता है। इस समय डाइजेशन सिस्टम पूरी क्षमता से काम करता है। सभी हैवी डाइट खाना पसंद करते हैं। ड्राईफ्रूट्स और नट्स मेन्यू में शामिल किए जाते हैं। हैवी डाइट की शर्त है कि उसके साथ खूब कसरत की जाए।

शीत ऋतु के रोग और उपचार

शीत ऋतु में प्रायः जो रोग होते हैं, उससे छुटकारा पा सकते हैं। बशर्ते आप ये उपाय आजमाएं।

* पाचन दोष के रोगियों को ठंड से कब्ज बढ़ जाने का खतरा रहता है। उन्हें ठंड में पानी खूब पीना चाहिए।
* सर्दी में सिर दर्द की शिकायत रहती है, दूध में जायफल घिसकर माथे पर लेप करें, आराम मिलेगा।
* सर्दी में अक्सर होंठ फटते हैं। कोकम का तेल लगाने से आराम मिलेगा।
* बिवाइयां फट जाने पर प्याज का पेस्ट लगाने से आराम मिलेगा।
* सर्दियों में प्रायः छाती में बलगम जमा हो जाता है, अंजीर का सेवन करने से बलगम निकलेगा तथा खांसी में राहत मिलेगी।
* भोजन के पश्चातजीरा पावडर खाएं पाचन क्रिया ठीक रहेगी।
* आजवाइन के चूर्ण का आधा चम्मच दिन में तीन बार खाने से ठंड से आया बुखार उतर जाता है।
* सर्दियों में खांसी, बुखार, जुकाम में पुदीने के पत्तों की चाय, शक्कर या नमक मिलाकर पीने से लाभ होता है।
* कफ जमा हो जाने से व दमा बढ़ने पर आजवायन छोटी पीपर, पोस्त दाना का काढ़ा बनाकर पीने से शीघ्र आराम मिलता है।
* ठंड के मौसम में अक्सर जोड़ों के दर्द की शिकायत रहती है, धतूरे के पत्तों पर तेल लगाकर गर्म करके दर्द वाले स्थान पर बाँध देने से आराम मिलता है।

Sourav Ganguly के घर से फोन चोरी

पूर्व-कप्तान को सताया अहम सूचना लीक होने का डर, पुलिस ने किया मामला दर्ज

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का फोन कथित रूप से कोलकाता स्थित बेहला में उनके घर से चोरी हो गया है। यह घटना तब प्रकाश में आई जब सौरव गांगुली ने शनिवार को ठाकुरपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। सौरव गांगुली के घर में जो मिसी काम करते हैं उनसे पूछताछ होने की संभावना है।

नई दिल्ली.एजेंसी

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का फोन कथित रूप से कोलकाता स्थित बेहला में उनके घर से चोरी हो गया है। यह घटना तब चर्चा में आई जब गांगली ने शनिवार को ठाकुरपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

सौरव गांगुली ने पुलिस के सामने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फोन में कुछ निजी जानकारी है और अधिकारियों से गुजारिश की है कि इसका कोई दुरुपयोग नहीं हो। जब चोरी हुई तब गांगुली घर से दूर थे। उन्होंने ध्यान दिलाया कि शनिवार को घर के एक विशेष स्थान पर फोन छोड़कर गए थे और तब से वो गायब है।

पुलिस करेगी पड़ताल

सौरव गांगुली के घर में इस समय पेंटिंग का काम चल रहा है। गांगुली के घर में काम करने वाले मिस्त्रियों से संभावना है कि पुलिस पूछताछ करेगी। गांगुली ने शनिवार को ठाकुरपुर पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी को एक पत्र लिखकर बताया कि मोबाइल फोन उनके घर से गायब हुआ है। उन्होंने ध्यान किया कि सुबह 11.30 बजे करीब उन्होंने अपना फोन आखिरी बार देखा था। इसके बाद कई बार खोजने के बावजूद उन्हें फोन नहीं मिला।

गांगुली ने किया आग्रह

गांगुली के लिए फोन का खो जाना मुश्किल वाली बात है क्योंकि इसमें कई लोगों को एक्सेस मिला है और काफी अहम जानकारी फोन में है। गांगुली ने ध्यान दिलाया कि उनका फोन नंबर उनके बैंक अकाउंट से लिंक है और कई महत्वपूर्ण व्यक्तियों के नंबर उनके मोबाइल में सेव हैं। गांगुली ने पुलिस से आग्रह किया है कि फोन को खोज ले और सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थिति में फोन के डाटा की जानकारी का खुलासा नहीं हो।

आईपीएल में नजर आएंगे गांगुली

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली इस समय दिल्ली कैपिटल्स के साथ क्रिकेट निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं। गांगुली सहित दिल्ली कैपिटल्स टीम प्रबंधन की ऋषभ पंत पर करीबी निगाहें टिकी हैं कि वो आगामी सीजन में उपलब्ध हो पाएंगे या नहीं। पंत ने दिसंबर 2022 के बाद से प्रतिस्पर्धी

सुनील गावस्कर ने मिचेल स्टार्क को IPL में मिली मोटी रकम पर दिया बयान, बोले- मुझे नहीं लगता कि कोई...

नई दिल्ली.एजेंसी

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को लगता है कि आईपीएल 2024 की नीलामी में मिचेल स्टार्क को भारी रकम में खरीदते समय कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) सबसे आगे निकल गई। कोलकाता बेस्ड फ्रेंचाइजी ने ऑस्ट्रेलिया के सीमर को अपने साथ जोड़ने के लिए 24.75 करोड़ खर्च किए। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में नीलामी में 10 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए कुल 31.35 करोड़ रुपये खर्च किए थे।कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा स्टार्क को खरीदने को लेकर स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए सुनील गावस्कर ने कहा, सबसे बढ़कर, बिल्कुल स्पष्ट कहें तो। मुझे नहीं लगता कि कोई भी उस तरह के पैसे के लायक है। यदि स्टार्क प्रभाव छोड़ सकता है और अपने द्वारा खेले गए 14 मैचों में से चार में जीत हासिल करा सकता है, तो आप कह सकते हैं कि पैसा सार्थक है। फिर अगर वह अन्य खेलों में योगदान देता है, बिल्कुल शानदार।

अगर ऐसा हुआ तो IND vs ENG तीसरे टेस्ट में सरफराज खान को मिल सकता है डेब्यू का मौका- आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली.एजेंसी

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मौजूदा एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा का मानना है कि अगर केएल राहुल तीसरे टेस्ट के चयन के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं तो सरफराज खान को डेब्यू का मौका मिल सकता है। दरअसल, केएल राहुल पहले टेस्ट के बाद चोटिल हो गए थे जिस वजह से वह विशाखापट्टनम में खेले गए दूसरे टेस्ट में हिस्सा नहीं ले पाए थे। बीसीसीआई ने 10 फरवरी को सीरीज के बचे तीन टेस्ट के लिए स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है, इस स्क्वॉड में केएल राहुल को जगह तो मिली है, मगर उनका चयन फिटनेस के अधीन है। अगर बीसीसीआई मेडिकल टीम राहुल को मंजूरी देते हैं तो ही वह तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो पाएंगे।

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ÷केएल राहुल और रविंद्र जड़ेजा इस टीम का हिस्सा हैं, जो होना ही था। मुझे लगता है कि केएल राहुल को टीम में आना चाहिए क्योंकि उन्हें निगल की ही परेशानी थी, यह कोई टीयर इंजरी नहीं थी, खासकर जब से ह एक बल्लेबाज हैं और फिलहाल कीपिंग नहीं कर रहे हैं।उन्होंने आगे कहा, इसलिए मैं मान रहा हूं कि वह राजकोट में उपलब्ध होंगे और खेलेंगे भी। वह नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के लिए श्रेयस अय्यर की जगह तुरंत फिट हो जाएंगे। अगर राहुल उपलब्ध नहीं हैं, तो आप सरफराज खान को पदार्पण करते हुए देख सकते हैं।केएल राहुल दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं थे, ऐसे में उनकी जगह रजत पाटीदार को डेब्यू करने का मौका मिला था।

उम्मीद नहीं थी कि इतनी जल्दी...टीम इंडिया में हुई एंट्री तो हैरान हुए आकाशदीप

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में गए चुने तेज गेंदबाज आकाशदीप ने कहा कि उन्हें इतनी जल्दी राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की उम्मीद नहीं थी। पिछले सत्र में बंगाल और भारत ए की तरफ से लाल गेंद की क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले आकाशदीप ने पीटीआई से कहा, मुझे उम्मीद थी कि अगर मैं अच्छा प्रदर्शन करना जारी रखता हूं तो मुझे निकट भविष्य में टेस्ट टीम में चुन लिया जाएगा लेकिन मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी कि तीसरे मैच में ही मुझे राष्ट्रीय टीम में जगह मिल जाएगी।

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दुर्गापुर में टेनिस बॉल क्रिकेट से अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत की। वह बिहार के रहने वाले हैं जहां एक समय क्रिकेट को करियर के रूप में नहीं देखा जाता था।

उन्होंने कहा, बिहार में तब (भारतीय क्रिकेट बोर्ड से निलंबित होने के कारण) क्रिकेट के लिए कोई उचित मंच नहीं था विशेष कर सासाराम में जहां का मैं रहने वाला हूं, वहां क्रिकेट खेलना अपराध

माना जाता था। कितने ही माता-पिता अपने बच्चों से कहते थे कि आकाश से दूर रहो। वह पढ़ाई नहीं करता और उसकी संगत में रहकर बिगड़ जाओगे।

आकाश के पिता उन्हें सरकारी नौकरी के लिए परीक्षाओं में भाग लेने के लिए कहते थे। उन्होंने कहा, मेरे पिताजी मुझे बिहार पुलिस कांस्टेबल या राज्य सरकार में चर्त श्रेणी के कर्मचारी की परीक्षा देने के लिए कहते थे। वह उन सरकारी नौकरी के आवेदन पत्र भरते थे और मैं परीक्षा देने जाता था और खाली फॉर्म जमा करके वापस आ जाता था।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने लगातार दूसरी बार जीता SA20 का खिताब, फाइनल में डरबन सुपर जायंट्स को बुरी तरह रौंदा

नई दिल्ली.एजेंसी

एडन मारक्रम की अगुवाई वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने साउथ अफ्रीकी लीग SA20 के फाइनल में डरबन सुपर जायंट्स को 89 रनों से हराकर लगातार दूसरी बार इस खिताब पर अपना कब्जा जमाया है। S20 का यह दूसरा सीजन है और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम दूसरी बार भी ट्रॉफी उठाने में सफल रही है। फाइनल में टीम के नायक कप्तान मारक्रम के साथ ट्रिस्टन स्टब्स, टॉम एबेल, जॉर्डन हरमन और

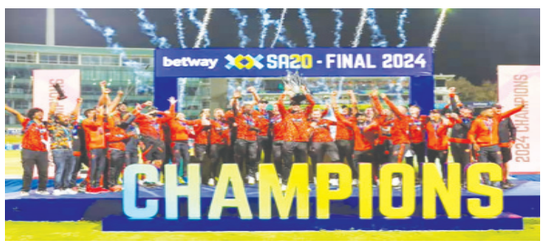

मार्को येनसन रहे। सनराइजर्स की टीम ने इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 204 रन बोर्ड पर लगाए थे, फाइनल मुकाबले के हिसाब से यह बहुत बड़ा स्कोर था। इस स्कोर का पीछा करते हुए डरबन की पूरी टीम 17 ओवर में महज 115 रनों पर ही सिमट गई। पूरे सीजन डरबन के हीरो रहे हेनरिक क्लासेन फाइनल में टीम की नैया पार नहीं लगा पाए, वह गोल्डन डक पर आउट हुए।टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी सनराइजर्स ईस्टर्न केप की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 15 के स्कोर पर डेविड मलान के रूप में उनको पहला झटका लगा। हालांकि इसके बाद हरमन (26 गेंदों पर 42 रन) और एबेल (34 गेंदों पर 55 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 90 रनों की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर की राह दिखाई।

टीम इंडिया में जगह ना मिलने पर उमेश यादव का क्रिप्टिक पोस्ट हुआ वायरल, लिखा- किताबों पर धूल जमने से...

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने शनिवार 10 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच की टेस्ट सीरीज के बचे तीन मुकाबलों के लिए स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार परफॉर्म करने के बावजूद टीम में अपना नाम ना देखने के बाद तेज गेंदबाज उमेश यादव निराश नजर आए। उमेश ने अपनी यह निराशा इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए जाहिर की। उमेश यादव ने भारत के लिए अपना आखिरी टेस्ट 7 जून 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसके बाद वह लगातार टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ बचे तीन मुकाबलों के स्क्वॉड के ऐलान के बाद उमेश यादव ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, किताबों पर धूल जमने से कहानियां खत्म नहीं होती है।उमेश यादव का यह पोस्ट बताता ही कि वह रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी की उम्मीद लगाए बैठे थे। उमेश का परफॉर्मेंस भारतीय सरजमीं पर काफी असरदार रहा है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में खेले 4 मुकाबलों में अभी तक 19 विकेट चटकाए हैं।

उमेश यादव ने भारत के लिए खेले 57 टेस्ट मैचों में 30.95 की औसत के साथ 170 विकेट चटकाए हैं, वहीं इनमें से 101 विकेट उन्होंने भारतीय सरजमीं पर 25.88 की औसत से चटकाए हैं। घरेलू मैदानों पर उमेश यादव का परफॉर्मेंस काफी शानदार रहा है।

इग्लैंड के खिलाफ बचे ही तीन मैचों के लिए भारतीय स्क्वॉड-

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

1988 से अब तक अंडर-19 वर्ल्ड कप में किस टीम ने जीते कितने खिताब? भारत टॉप पर बरकरार

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। गत चैंपियन टीम इंडिया आज अगर कंगारुओं को धूल चटाने में कामयाब रहती है तो वह रिकॉर्ड 6ठें खिताब पर अपना कब्जा जमाएगा, वहीं 2010 में अपना आखिरी अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम की नजरें चौथे खिताब पर होगी। अंडर-19 वर्ल्ड कप का कारवां 1988 से शुरू हुआ था, तब से लेकर 14 बार इस टूर्नामेंट को खेला जा चुका है। भारत 5 ट्रॉफी के साथ अंडर-19 वर्ल्ड कप की सबसे सफल टीम रही है, वहीं ऑस्ट्रेलिया 3 खिताबी के साथ दूसरे पायदान पर है। आइए एक नजर डालते हैं अंडर-19 वर्ल्ड कप के 14 सीजन में खिताब जीतने वाली टीमों पर-

1988 में अंडर-19 वर्ल्ड कप का पहला संस्करण ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था,

मेजबान टीम ने पाकिस्तान को फाइनल में 5 विकेट से हराकर इस चमचमाती ट्रॉफी को अपने नाम किया था।टूर्नामेंट के दूसरे सीजन का आयोजन करने में आईसीसी को 10 साल का समय लगा। दूसरे संस्करण 1998 में साउथ अफ्रीका की मेजबानी में हुआ जहां इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराकर जीत दर्ज की। इसके बाद हर दो साल में टूर्नामेंट का आयोजन होता रहा है।

साल 2000 में मोहम्मद कैफ की अगुवाई में भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप का पहला खिताब जीता था, उस दौरान प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट युवराज सिंह रहे थे। भारत ने फाइनल मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को 6 विकेट से धूल चटाई थी।भारत ने इसके बाद 2008 में विराट कोहली की कप्तानी में तो 2012 में उन्मुक्त चंद की अगुवाई में अपने अगले दो खिताब जीते। टीम इंडिया चौथी बार चैंपियन 2018 में पृथ्वी शॉ की कप्तानी में बना था, वहीं 2022 में टीम इंडिया ने यश ढुल की अगुवाई में अपना 5वां खिताब जीता था।भारत 5 बार अंडर-19 वर्ल्ड कप का चैंपियन जरूर बना है, मगर आज तक वह अपने टाइटल को डिफेंड नहीं कर पाया है। अंडर-19 वर्ल्ड कप के इतिहास में पाकिस्तान एकमात्र ऐसी टीम है जो टाइटल डिफेंड करने में कामयाब रही है।

पृथ्वी शॉ का पहला टारगेट भारतीय टीम में वापसी करना नहीं, बल्कि ये है; आप भी जानिए

पृथ्वी शॉ का पहला टारगेट मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी जीतना है, ना कि भारतीय टीम में वापसी करना। वही चाहते हैं कि वह घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद टीम में वापस आएं और अपनी जगह बनाएं।

नई दिल्ली.एजेंसी

चोट के कारण लंबे समय तक क्रिकेट की दुनिया से दूर रहने वाले भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ ने इस महीने की शुरुआत में घरेलू क्रिकेट में वापसी की है। बंगाल के खिलाफ मुंबई के लिए वे रणजी ट्रॉफी 2024 का मैच खेलने उतरे। अगले मैच में उन्होंने शतक जड़ा। 2023 में काउंटी क्रिकेट के दौरान घुटने में लगी चोट वजह से पृथ्वी शॉ को लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा था। अपने कमबैक मैच में पृथ्वी शॉ ने मुंबई के लिए बड़ा स्कोर नहीं बनाया, लेकिन दूसरे मैच में छत्तीसगढ़ के खिलाफ वे 185 गेंदों में 159 रन बनाने में सफल हुए। दिन के पहले सत्र में ही पृथ्वी शॉ ने अपना शतक पूरा कर लिया था। हालांकि, भारतीय टीम से वे अभी दूर हैं।

इसको लेकर उन्होंने कहा है कि उनकी उम्मीदें अभी भारतीय टीम में कमबैक की नहीं है। पृथ्वी शॉ ने कहा है कि उनको फोकस अभी रणजी ट्रॉफी में मुंबई को जीत दिलाने पर है। द इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में पृथ्वी शॉ ने कहा, मैं बहुत दूर की नहीं सोच रहा हूं और वर्तमान में रहना चाहता हूं। कोई उम्मीद नहीं है, मुझे खुशी है कि मैं वापस क्रिकेट खेल रहा हूं। मैं अभी चोट के बाद वापस आया हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं। मेरा लक्ष्य मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी जीतना है और मैं आगे भी जितना संभव हो उतना योगदान देकर इसे हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं। चोट के कारण पांच महीने के लंबे अंतराल के बाद बल्लेबाजी करने आए तो उनको बेचैनी महसूस हो रही थी, लेकिन क्रीज पर काफी समय बिताने के बाद धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास वापस आ गया।

उन्होंने आगे कहा, मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था, लेकिन कहीं न कहीं मुझे आश्चर्य हो रहा था कि मैं अपनी शैली में बल्लेबाजी कर पाऊंगा या नहीं। कैसे खेलूंगा, मैं कब वापसी करूंगा और क्या यह अच्छी लय में होगी या नहीं। ये वो विचार थे जो चारों ओर घूम रहे थे, लेकिन मेरे कुछ घंटे क्रीज पर रुकने के बाद चीजें सामान्य हो गईं।मैं फिर घबराया हुआ नहीं था, लेकिन जब मैंने अपनी बल्लेबाजी फिर से शुरू की तो अहसास थोड़ा अजीब था।

एबी डी विलियर्स ने फिर मांगी विराट कोहली और अनुष्का शर्मा से माफी, बोले- मैं विनती करता हूं...

डिविलियर्स ने कहा कि कोई नहीं जानता कि वास्तव में क्या चल रहा है। मैं हम सभी से इसका सम्मान करने के लिए कह रहा हूं। मेरे पिछले शो में एक गलती हुई थी और मैं इसके लिए कोहली परिवार से माफी मांगता हूं।

नई दिल्ली.एजेंसी

साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डी विलियर्स ने एक बार फिर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा से अपने बयान के लिए माफी मांगी है। हाल ही में डी विलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा था कि विराट कोहली और अनुष्का शर्मा अपने दूसरे बच्चे को जन्म देने वाले हैं। हालांकि कुछ दिनों बाद ही उन्होंने अपने इस बयान को वापस ले लिया था। अब यूट्यूब पर इस खिलाड़ी ने फिर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा से माफी मांगी है। बता दें, निजी कारणों के चलते किंग कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेल रहे हैं। ऐसा उनके 13 साल के करियर में पहली बार हुआ है जब कोहली ने कोई घरेलू टेस्ट सीरीज मिस की हो।इस बीच, डी विलियर्स ने स्वीकार किया कि उन्हें कोहली और अनुष्का के बारे में अपुष्ट जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए थी और उन्हें उम्मीद है कि अनुभवी बल्लेबाज जल्द ही एक्शन में वापस आएंगे।एबी डी विलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा. ÷मेरे दोस्त विराट कोहली अभी भी उपलब्ध नहीं हैं। मैं हर किसी से विनती करता हूं कि उन्हें वह गोपनीयता दी जाए जिसके वह हकदार हैं। परिवार पहले आता है। कोई नहीं जानता कि वास्तव में क्या चल रहा है। मैं हम सभी से इसका सम्मान करने के लिए कह रहा हूं। मेरे पिछले शो में एक गलती हुई थी और मैं इसके लिए कोहली परिवार से माफी मांगता हूं। यह अच्छा नहीं है।उन्होंने आगे कहा, मैंने वह जानकारी साझा की जिसकी बिल्कुल भी पुष्टि नहीं की गई थी। मैं वहां मौजूद सभी लोगों से उनका और उनके परिवार और उनके निजी समय का सम्मान करने की विनती कर रहा हूं। उम्मीद है, हम विराट को वापस खुश और रन बनाते हुए देखेंगे। जैसा कि वह हमेशा करते हैं।विराट कोहली का चयन पहले सीरीज के दो मुकाबलों के लिए हुआ था। पहला मैच हैदराबाद में खेला जाना था और विराट प्रैक्टिस के लिए हैदराबाद भी पहुंचे थे, मगर सीरीज से दो दिन पहले उन्होंने निजी कारणों के चलते अपना नाम वापस लिया। शनिवार 10 फरवरी को बीसीसीआई ने सीरीज के बचे तीन मुकाबलों के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान किया, इस दौरान उन्होंने बताया कि निजी कारणों के चलते विराट सीरीज के बीचे तीन मैच के लिए भी उपलब्ध नहीं है और बोर्ड उनके इस फैसले का सम्मान करता है।

मेधा शंकर

ने 2 साल पहले दिया 12th Fail के लिए स्क्रीन टेस्ट, बोलीं- रोते-रोते सूज गई थीं आंखें

डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12th फेल में अपनी शानदार अदाकारी के जरिए एक्ट्रेस मेधा शंकर ने हर किसी का दिल जीता। इस मूवी में जिस तरह से मेधा ने श्रद्धा जोशी के किरदार को अदा किया, उसके लिए उनकी जितनी तारीफ की जाए कम है।इस बीच मेधा ने सोशल मीडिया पर कुछ अनसीन तस्वीरों को साझा किया है। उनकी ये फोटो फिल्म 12th फेल के स्क्रीन टेस्ट के दौरान की, जिनके साथ मेधा शंकर ने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया है।

जब मेधा शंकर ने 12th फेल को लेकर दिया स्क्रीन टेस्ट

बड़े पर्दे पर अदाकारी का करिश्मा किसे कहा जाता है, उसका उदाहरण आप फिल्म विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म 12th फेल में मेधा शंकर की एक्टिंग देखकर आसानी से लगा सकते हैं। इस मूवी से मेधा हर किसी की फेवरेट बन गई है। इस बीच शुक्रवार को मेधा शंकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ अनदेखी फोटो को शेयर किया है।अदाकारा की इन तस्वीरों में आप

देख सकते हैं कि मेधा लाल कलर के सलवार सूट में चेहेर पर खिले हुए स्माइल लिए नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक अन्य फोटो में मेधा एक्टर विक्रांत मैसी के साथ दिख रही हैं। इन फोटो के कैप्शन में मेधा ने 12th फेल के लिए अपने स्क्रीन टेस्ट को लेकर एक रोचक किस्सा साझा किया है। उन्होंने लिखा है-9 फरवरी 2022, आज से ठीक 2 साल पहले मैंने 12वीं फेल के लिए अपना पहला स्क्रीन टेस्ट दिया था और वह अब इतिहास बन गया है। आखिरी तस्वीर फोटो हमारे इंटेंस सीन के ठीक बाद की है, जिसमें मेरी आंखे सूजी हुई दिख रहीं, जोकि रोने से हुए था। मेरे लिए सबसे खास दिन, आप सभी की हद से ज्यादा आभारी हूं।

सफल रही मेधा और विक्रांत की 12th फेल

विक्रांत मैसी और मेधा शंकर की कमाल की एक्टिंग के दम पर फिल्म 12th फेल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। सिर्फ इतना ही नहीं ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी इस मूवी को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। तमाम सेलेब्स ने भी 12th फेल की काफी तारीफ की है।

अंकिता लोखंडे ने पति विकी संग अपने बर्ताव पर तोड़ी चुप्पी, कहा- मैं जब वहां से निकली तो मैंने देखा कि...

बिग बॉस 17 भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन इसके कंटेस्टेंट्स अभी भी खबरों में छाए हुए हैं। लगातार कंटेस्टेंट शो को लेकर बात करते नजर आ रहे हैं। ऐसे में अंकिता लोखंडे का एक इंटरव्यू चर्चा में बना हुआ है। इस इंटरव्यू में अंकिता अपनी हार और शो के दौरान पति विकी जैन संग किए गए बर्ताव पर बात करती नजर आ रही हैं। शो में अंकिता और विकी के बीच का झगड़ा नेशनल टीवी पर खूब सुर्खियों में रहा। उनके झगड़े और उसके बाद अंकिता की सास के रिएक्शन को देख स्टार्स ने भी कमेंट किए थे। ऐसे में अब अंकिता ने खुद विकी संग अपने बिहेवियर को गलत बताया।

अपनी हार पर बोलीं अंकिता

अंकिता लोखंडे का एक वीडियो टेलीचक्कर के इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में अंकिता कहती हैं, हारने का दुख यकीनन होता है, लेकिन कहीं न कहीं आपको पता होता है कि ये एक कॉम्पिटिशन है। और मेरे लिए शायद ये लिखा था कि मैं चौथे नंबर पर आउट हो जाऊंगी जो हुआ। वहां तक पहुंचे के लिए मैंने बहुत मेहनत की थी। यहां तक अपनी जिंदगी तक दांव पर लगा दी थी।

विकी पर बहुत अत्याचार किए

इसके बाद अंकिता ने आगे कहा, बिचारे विकी पर मैंने बहुत अत्याचार कर दिया मुझे भी ये लगा। तुझे अपनी गलती का अहसास तब हुआ जब मैंने घर जाकर एपिसोड देखा। उससे पहले मुझे इन बातों का बिल्कुल भी अहसास नहीं हुआ कि मैंने वाकई में कुछ गलत किया है। बता दें कि बिग बॉस 17 में ज्यादातर लोगों को उम्मीद थी कि अंकिता लोखंडे टॉप 3 में होंगी, लेकिन जब उन्हें पहले ही आउट कर दिया गया तो ये फैंस के लिए काफी तगड़ा झटका था। अंकिता के वर्कफ्रंट की बात करें तो इन दिनों उनके एकता कपूर के शो नागिन में काम करने को लेकर खबरें सामने आ रही हैं।

यामी गौतम की प्रेग्नेंसी पर कंगना रनौत ने दी एक्ट्रेस और पति को बधाई, कहा- आप दोनों तो मेरे...

यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है जिसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब कंगना रनौत भी यामी गौतम की तारीफ की है। वैसे कम ही बॉलीवुड सेलेब्स हैं जिनकी बॉलीवुड की क्वीन तारीफ करती हैं। कंगना ने यामी उनके पति आदित्य धर और दोनों की अपकमिंग फिल्म आर्टिकल 370 को लेकर अपनी बात रखी है। कंगना ने यह भी बताया कि दोनों को वह बहुत पसंद करती हैं।

प्रेग्नेंसी और फिल्म पर बधाई

उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, मिस्टर आदित्य धर के अंदर बहुत टैलेंट हैं। यामी गौतम भी शानदार हैं और और यह मेरा फेवरेट बॉलीवुड कपल है। आर्टिकल 370 का ट्रेलर जबरदस्त है। टीम को मेरी शुभकामनाएं। इसके साथ ही आदित्य और यामी को प्रेग्नेंसी को लेकर बधाई। दोनों के लिए बहुत खुश हूं।

इससे पहले यामी की फिल्म चोर निकल के भागा के दौरान भी कंगना ने उनकी तारीफ की थी। कंगना ने कहा था कि यामी अब अच्छी और सक्सेसफुल फिल्में कर रही हैं। उनका काम काफी इंस्पायरिंग है।

यामी भी कंगना की फैन

वहीं यामी भी कंगना को अच्छी एक्ट्रेस का टैग दे चुकी हैं। उन्होंने यह भी बताया था कि कंगना ने उन्हें उनके मनाली वाले घर पर इन्वाइट भी किया था जब वह हिल स्टेशन पर शूट कर रही थीं। बता दें कि दोनों ही एक्ट्रेस हिमाचल प्रदेश से हैं। यामी ने बताया था, हम मनारी में शूटिंग कर रहे थे। 2 दिन का शूट था और मेरी मां मेरे साथ थीं।

उन्होंने मुझे मैसेज किया कि मैं उनके घर आऊं, लेकिन हम नहीं जा पाए क्योंकि बहुच हेक्टिक शेड्यूल था। हम दोनों एक-दूसरे की रिस्पेक्ट करते हैं। मैं उनकी अपकमिंग फिल्म का इंतजार कर रही हूं क्योंकि उनका काम बोलता है।

आर्टिकल 370

खैर फिर आर्टिकल 370 की बात करें तो यह साल 2019 में सीआईएसएफ के काफिले पर पुलवामा में हुए आतंकी हमले पर आधारित है। यामी एनआईए ऑफिसर का किरदार निभा रही हैं जो आतंकियों को पकड़ने के मिशन पर होती हैं जो आर्टिकल 370 की आड़ में बच जाते थे, लेकिन फिर भारत सरकार आर्टिकल 370 हटाने का फैसला लेती है।

भोजपुरी स्टार

अंजना सिंह

की नई फिल्म ठाकुरगंज की शूटिंग शुरू, मुहूर्त पर ऐसा दिखा एक्ट्रेस का अंदाज

भोजपुरी फिल्म ठाकुरगंज का भव्य मुहूर्त हो चुका है। इसके साथ ही फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई है। इस फिल्म के निर्माता आदित्य कुमार झा और निर्देशक नीरज रणधीर हैं। फिल्म में मुख्य भूमिका में भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस अंजना सिंह है। उनके अपोजिट राहुल सिंह नजर आएंगे। ठाकुरगंजके टाइटल से यह प्रतीत होता है कि यह फिल्म किसी गांव की कहानी पर आधारित है। हालांकि इस फिल्म की स्टोरी के बारे में अभी बताया नहीं गया है। लेकिन कहा जा रहा है कि यह फिल्म बेहद रोमांचक होने वाली है।

फिल्म के निर्माता आदित्य कुमार झा ने कहा कि Thakurganj एक बेहतरीन पटकथा पर आधारित सिनेमा है, जो भोजपुरी दर्शकों को रोमांच महसूस करवाएगी। फिल्म की कहानी घर-परिवार से जुड़ी है और यह दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाब होगी। वह बोले, हम इस फिल्म का निर्माण भव्यता के साथ कर रहे हैं और इस फिल्म का बजट भी अन्य फिल्मों से ज्यादा है। फिल्म की बागडोर नीरज रणधीर के हाथों है, जो एक काबिल निर्देशक हैं और हमें उम्मीद है कि उनके निर्देशन में यह फिल्म अच्छी बनेगी।

रोल को लेकर यह बोलीं अंजना सिंह

वहीं, ठाकुरगंज की हीरोइन Anjana Singh ने कहा, यह मेरे लिए बेहतरीन मौका है। मुझे एक शानदार पटकथा पर बनने वाली फिल्म में काम करने का मौका मिला है।

इस फिल्म में मेरा किरदार सर्वोपरि है और मैं इसे पूरी तरह से जीना चाहती हूं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है और मैं अपने किरदार को जीवंत करने के लिए भरपूर मेहनत कर रही हूं। उम्मीद है कि जब यह फिल्म रिलीज होगी, तब दर्शकों को खूब पसंद आएगी।

ठाकुरगंज की कास्ट

ठाकुरगंज में अंजना सिंह और राहुल सिंह के अलावा भोजपुरी के मंझे हुए एक्टर सुशील सिंह भी नजर आएंगे।

इसके अलावा परी सिंघानिया, रितु सिंह, अंजलि, माही खान, मनीष आनंद सिद्धांत सिंह, प्रदीप शर्मा, प्रभु, सुनील सिंह, कुणाल ठाकुर, परितोष और सोनू यादव भी फिल्म में नजर आएंगे।